शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गडकरी ने शिवमोग्गा जिले में सिगंडूर पुल का किया उद्घाटन @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 15 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु. । वर्ष-7 । अंक-194

जयशंकर ने चीनी उपराष्ट्रपति से मुलाकात की, कहा

मतभेद को विवाद में न बदलें सीमा विवाद का समाधान जरूरी

संबंधों का सामान्यीकरण पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम दे सकता है
सकारात्मक दिशा की ओर बढ़ रहे हैं भारत और चीन के संबंध

बीजिंग/नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)।
विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और चीन के संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ रहे हैं और अब जरूरी है कि दोनों देश संबंधों के प्रति दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएं तथा सीमा से जुड़े मुद्दों पर भी ध्यान दें।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने चीन गये डॉ. जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक से पहले अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा कभी संघर्ष में बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस आधार पर अब हम अपने संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

चीन को एससीओ की सफल अध्यक्षता की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत मंगलवार को होने वाली बैठक में सकारात्मक परिणाम और निर्णय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा , हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए यह आवश्यक है कि हम अपने संबंधों के प्रति दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएँ। अक्टूबर 2024 में कज़ान में हमारे नेताओं की बैठक के बाद से भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमारी ज़िम्मेदारी इस गति को बनाए रखना है।

उन्होंने दोनों देशों के बीच नियमित संवाद पर बल देते हुए कहा कि यह दोनों देशों के हित में रहेगा। दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में प्रगति को अच्छा बताते हुए उन्होंने सीमा से संबंधित मुद्दों के समाधान पर भी ध्यान दिये जाने को कहा । उन्होंने कहा, हमने पिछले नौ महीनों में द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में अच्छी प्रगति की है। यह सीमा पर तनाव के समाधान और वहाँ शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की हमारी क्षमता का परिणाम है। यह पारस्परिक रणनीतिक विश्वास और द्विपक्षीय संबंधों के सुचारू विकास का मूलभूत आधार है। अब यह हमारा दायित्व है कि हम सीमा से संबंधित अन्य पहलुओं, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है, पर ध्यान दें।

▶10 पर

अशोक गजपति गोवा और अशीम घोष हरियाणा के नये राज्यपाल नियुक्त

कविंदर बने लद्दाख के उपराज्यपाल

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा और गोवा में राज्यपालों की नियुक्ति का ऐलान किया है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में भी ब्रिगेडियर बी.डी. मिश्रा (सेवानिवृत्त) की जगह नए उपराज्यपाल का ऐलान किया गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, प्रोफेसर असीम घोष को हरियाणा का राज्यपाल बनाया गया है, जबकि वरिष्ठ राजनीतिज्ञ एवं पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री पुसापति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख में उपराज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये नियुक्तियां उनके अपने-अपने पदों का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होंगी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर बी.डी. मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया है। अब बी.डी. मिश्रा की जगह कविंदर गुप्ता लद्दाख में उपराज्यपाल का पदभार संभालेंगे।कविंदर गुप्ता जम्मू कश्मीर में भाजपा के प्रमुख नेता रहे हैं। महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार में कविंदर गुप्ता को जम्मू कश्मीर का उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। इससे पहले वे तीन बार (2005-2010) जम्मू के मेयर रहे। 2 दिसंबर 1959 को जन्मे कविंदर गुप्ता आरएसएस के सदस्य भी रहे हैं, जिससे वे 13 साल की छोटी उम्र में जुड़े थे।

वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और शिक्षाविद असीम घोष भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष (1999-2002) हैं। कई वर्षों तक राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रहे असीम घोष 1991 में भाजपा में शामिल हुए। 2003 में उन्हें त्रिपुरा के लिए भाजपा का पर्यवेक्षक बनाया गया था।

26 जून 1951 को चेन्नई में जन्मे पुसापति अशोक गजपति राजू पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पहले कार्यकाल में उन्हें यह जिम्मेदारी मिली।

इससे पहले पुसापति अशोक गजपति राजू 4 बार आंध्र प्रदेश सरकार में मंत्री रहे। 2018 में उन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय की स्टैंडिंग कमेटी का सदस्य बनाया गया था।

मनी लॉन्ड्रिंग केस : रॉबर्ट वाड्रा से ईडी दफ्तर में पूछताछ

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा सोमवार को नई दिल्ली में स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दफ्तर पहुंचे। ईडी ने उनसे हथियार डीलर संजय भंडारी मामले में पूछताछ की। हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने पूछताछ के लिए रॉबर्ट वाड्रा को समन भेजा था। इसके बाद वे सोमवार सुबह ईडी कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे इस मामले में पूछताछ की गई। हालांकि, कुछ देर हुई पूछताछ के बाद रॉबर्ट वाड्रा ईडी दफ्तर से रवाना हो गए, लेकिन दोपहर के लंच के बाद वे फिर से ईडी दफ्तर पहुंचे।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच लंदन की दो संपत्तियों से जुड़ी है, जो ब्रिटेन के हथियार डीलर संजय भंडारी के नाम हैं। ईडी का दावा है कि ये संपत्तियां वास्तव में वाड्रा की बेनामी संपत्तियां हैं और अब वह भंडारी के साथ उनके कथित संबंधों की जांच कर रहा है।

हालांकि, वाड्रा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि ईडी उन्हें परेशान कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि ब्रायनस्टन स्क्वायर संपत्ति (जिसे भंडारी ने 2009 में खरीदा था) का पैसा वाड्रा ने दिया था और उनके कहने पर इसका नवीनीकरण हुआ था।

उन्होंने यह भी कहा कि वाड्रा अपनी लंदन यात्राओं के दौरान इस प्रोपर्टी में कई बार रुके थे। ये दोनों संपत्तियां अब उन सूची में हैं, जिनकी ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 'अपराध की आय' के रूप में जांच कर रहा है। ईडी ने 2016 में इस मामले में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया था।

▶10 पर

आंध्र प्रदेश में लॉरी पलटने से नौ लोगों की मौत

नायडू और नजीर ने किया शोक व्यक्त

अन्नामय्या, 14 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आंध्र प्रदेश के अन्नामैया जिले के पुल्लमपेट मंडल में आम से लदी एक लॉरी के पलटने से खेतों में काम करने वाले नौ मजदूरों मौत होने पर राज्यपाल एस अब्दुल नज़ीर और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शोक व्यक्त किया।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित तिरुपति जिले के चेट्टीगुंटा कॉलोनी के 21 खेतिहर मजदूर रविवार को आम तोड़ने के लिए राजमपेट मंडल के इसुकापल्ली गांव गए थे और उसी ट्रक में आम लेकर रेलवे कोडुरु बाज़ार लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि लॉरी चालक का उस पर से नियंत्रण खोने पर लॉरी तटबंध से टकराकर पलट गयी जिसमें काम करने वाले नौ मजदूरों की मौत हो गयी तथा अन्य 12 घायल हो गए।

पुलिस ने बताया मृतकों की पहचान चित्तेम्मा (25), सुब्बा रत्नम (45), गज्जला दुर्गय्या (32), गज्जला श्रीनु (33), गज्जला लक्ष्मी देवी (36), राधा (39), गज्जला रमण (42) वेंकट सुब्बम्मा (37) और मुनिचंद्र (38) के रूप में की गई। घायलों को राजमपेट के जीज-ीएच में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि सभी मृतक और घायल रेलवे कोडुर मंडल के सेट्टीगुंटा गांव स्थित एसटी कॉलोनी के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय लॉरी में लगभग 30 टन आम था।

मुख्यमंत्री नायडू ने भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने अन्नामय्या ज़िले के अधिकारियों से बात की और दुर्घटना की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और शोक संतप्त परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। राज्यपाल एस अब्दुल नज़ीर ने दुर्घटना में नौ लोगों की मौत पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। ▶10 पर

ऐसे लोगों की जरूरत है जो सरकार पर केस करें : गडकरी

नेताओं और सिस्टम में अनुशासन के लिए कोर्ट का सहारा लेना जरूरी

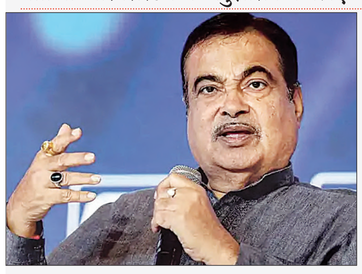

नागपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)।
केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, समाज में कुछ ऐसे लोग भी होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ केस दाखिल कर सकें। अगर सिस्टम में अनुशासन चाहिए तो सरकार के खिलाफ अदालत का सहारा लेना जरूरी है। उन्होंने कहाकि कई बार अदालत का आदेश ऐसे काम भी करवा देते हैं, जो सरकार नहीं करवा पातीं। समाज में कुछ लोगों को सरकार के खिलाफ अदालत में याचिकाएं दाखिल करनी चाहिए। इससे नेताओं और सिस्टम में अनुशासन आता है।

गडकरी ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि जनता को लुभाने की राजनीति नेताओं-मंत्रियों के आड़े आती है और वे जनहित में कदम नहीं उठा पाते। गडकरी ने कई उदाहरण दिए, जिनमें केंद्र-राज्य सरकारों को खिलाफ याचिका दाखिल की गई थी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह जरूरी चीज है। दरअसल, 13 जुलाई को नितिन गडकरी नागपुर पहुंचे थे। वहां प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में उन्होंने ये बात कही थी। गडकरी ने कुशल संघटक के तौर पर सम्मानित लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा- इन लोगों ने सरकार के खिलाफ कई कानूनी लड़ाइयां लड़ीं। समाज में ऐसे जागरूक और जुझारू लोगों की मौजूदगी जरूरी है जो सिस्टम की गलतियों को उजागर करें और जनता के हित में कदम उठाएं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा- ये लोग सिर्फ विरोध करने के लिए नहीं, बल्कि जनहित में काम कर रहे थे। इन लोगों ने अदालत के माध्यम से सरकार की जवाबदेही तय की और साबित किया कि लोकतंत्र में जागरूक नागरिकों की कितनी अहम भूमिका होती है।

डीजीसीए का अहम आदेश

सभी बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच जरूरी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)।
भारत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने देश में संचालित होने वाली सभी एयरलाइनों, विशेष रूप से बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों का उपयोग करने वाली कंपनियों को अपने फ्यूल कंट्रोल स्विच की लॉकिंग मैकेनिज्म की जांच करने का निर्देश देने की योजना बनाई है।यह कदम 12 जून, 2025 को अहमदाबाद में हुई एअर इंडिया विमान की भीषण दुर्घटना पर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआइबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद उठाया जा रहा है।

उक्त रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान के दोनों इंजनों में ईंधन की आपूर्ति को नियंत्रित करने वाले दोनों फ्यूल कंट्रोल स्विच 'रन' से 'कटऑफ' स्थिति (चालू से बंद) में चले गये थे। बहुत संभव है कि इससे ही उक्त दुर्घटना हुई हो।

डीजीसीए के सूत्रों का कहना है कि इस बारे में जल्द ही एक औपचारिक आदेश जारी किया जाएगा जिससे बोइंग 787 विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की लॉकिंग मैकेनिज्म की जांच अनिवार्य की जाएगी। वैसे डीजीसीए के इस बारे में फैसला करने से पहले ही एतिहाद और सिंगापुर एयरलाइंस जैसे कुछ अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने स्वैच्छिक तरीके से जांच शुरू कर दी है। एतिहाद ने 13 जुलाई को अपने बोइंग 787 बेड़े के लिए एक इंजीनियरिंग वर्क इंस्ट्रक्शन जारी किया, जिसमें स्विच की लॉकिंग मैकेनिज्म की जांच और पायलटों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई। वैसे डीजीसीए ने एयर इंडिया विमान हादसे के बाद बोइंग 787 विमानों की विस्तृत निगरानी पहले ही शुरू कर चुका है, नया निर्देश इस दिशा में एक और कदम होगा।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,880/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,15,480/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 20^0

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और राज्यों को सख्त निर्देश

नफरत फैलाने वाले कंटेंट बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे, तुरंत लगाम लगाएं

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को हेट स्पीच पर सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि नफरत फैलाने वाले भाषणों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और इस पर लगाम लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि शिकायत दर्ज होने का इंतजार किए बिना, पुलिस को स्वत: संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज करनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषणों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह एक बड़ा खतरा बनता जा रहा है जिसे बढ़ने से रोकना होगा। नफरती भाषण पर लगाम लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सोशल मीडिया पर फैल रहे नफरती भाषण चिंताजनक हैं और इन पर लगाम लगाने की सख्त जरूरत है। इन दिनों अभिव्यक्ति की आजादी' के नाम पर सब कुछ जायज ठहराने की कोशिश की जा रही है, जो बेहद खतरनाक है। कोर्ट ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषणों से देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को खतरा है और इस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे आईपीसी की धारा 153-, 153इ, 295 ए ▶10 पर

शुभांशु शुक्ला की रिटर्न फ्लाइट शुरू

आईएसएस से अनडॉक होकर धरती के लिए निकला स्पेसएक्स ड्रैगन

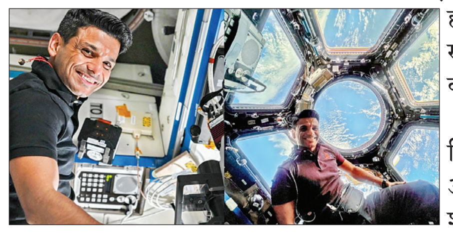

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष से धरती पर वापस आने के लिए निकल चुके हैं । उनके स्पेसक्राफ्ट स्पे-सएक्स ड्रैगन ने सोमवार शाम को वापसी की उड़ान भरी। ड्रैगन कैप्सूल सोमवार शाम करीब 5 बजे आईएसएस से अनडॉक होकर धरती के लिए रवाना हुआ। शुक्ला 18 दिन बिताकर अंतरिक्ष से लौट रहे हैं। उनका कैप्सूल अमेरिका के कैलिफोर्निया तट पर मंगलवार (15 जुलाई 2025) दोपहर करीब 3 बजे (भारतीय समयानुसार) स्प्लैशडाउन करेगा। स्प्लैशडाउन के बाद चारों अंतरिक्ष यात्री करीब एक हफ्ते तक रीहैबिलिटेशन में रहेंगे ताकि गुरुत्वाकर्षण वाली जिंदगी में ढल सकें।

शुभांशु एक्ज़ियम-4 मिशन के तहत गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में शामिल हैं। इस ऐतिहासिक मिशन ने भारत को 41 साल बाद दोबारा अंतरिक्ष तक पहुंचाया। शुभांशु, राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय और आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। शुभांशु का परिवार अब उस दिन का इंतजार कर रहा है जब वह लखनऊ लौटेंगे। रविवार को फेयरवेल सेरेमनी में शुभांशु ने कहा, आज का भारत महत्त्वाकांक्षी है, निडर है, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

ಶುಭ ಲಾಭ शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मन ही रावण है, मन ही राम: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि एक आदमी दो प्रकार के मन को लेकर जीता है। बुरा मन और अच्छा मन। चंचल मन और शांत मन, वैसे तो मन एक ही है, परन्तु परस्पर विरोधी पहलूओं से काम करता है। मन ही रावण है, मन ही राम। चंचल मन बंदर जैसा होता है। उसे हमेशा व्यर्थ बातों में ही मजा आता है। वह निर्बलता को बड़ा करके देखता है। आपका दिमाग दूसरों की निर्बलता को सच मान लेता है। आप उस व्यक्ति के विषय में नकारात्मक अभिप्राय बनाते हो। उससे आप के मन में नकारात्मकता बढ़ती है,

आपका आचरण नकारात्मक बढाता है। आप निर्बल या व्यर्थ बातों को महत्व दोगे तो आपका जीवन निर्बल और व्यर्थ ही बनेगा। हमारा दूसरा मन है- शान्त मन। उसे अच्छा देखने की आदत है। वह दिमाग को अच्छे विचार करने के लिए प्रेरित करता है। वह हर एक चीज में खूबियां ढूंढता है। वह कांटों को नहीं, फूलों को महत्व देता है। व्यक्ति की गल्तियों से ज्यादा व्यक्ति को महत्वपूर्ण मानता है। वह मानता है कि फूल के अस्तित्व की रक्षा में कांटों का भी योगदान है। इस दृष्टिकोण के कारण वह हरेक व्यक्ति और वस्तु के अच्छे पहलुओं को महत्व देता है। हमारा मन चंचल है या शान्त? आप यदि चंचल मन को शांत बनाना चाहते हो तो अच्छाई का आदर करने की आदत बना लो। गुणों की प्रशंसा करते रहो। जब आप किसी चीज का आदर करते हो तब आप के दिमाग से डोपामाइन का स्राव होता है। डोपामाइन को उत्साहप्रेरक रसायन कहा जाता है। यह रसायन आपको जो बात अच्छी लगी, उसकी आदत बनाने में मदद करता है।

आप जिस बात के लिए धन्यता का अनुभव करते हो उसके अनुभव के लिए वह आपके मन को, दिमाग को प्रेरित करता है। आप यह सोचोगे कि मुझे परिवार अच्छा मिला है, स्वजन अच्छे मिले हैं शरीर अच्छा मिला है तो उनके प्रति सद्भाव पैदा करने के लिए डोपामाइन मदद करेगा। आप जीवन की अच्छी बातों को देखना शुरु करोगे तो आपका दिमाग अच्छी बातों को साकार करने के लिए तैयार होगा। शंखेश्वर भगवान की आरती का लाभ मनोजकुमार शांतिलाल परमार,

मंगल दिवा का लाभ वर्धमान स्टेशनरी, गुरुदेव की आरती का लाभ जगदीश प्लास्टिक ने लिया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ की ओर से मनोज परमार एवं वियासणा लाभार्थी मोहनलाल परिवार का बहुमान किया गया। संघ अध्यक्ष पूनमचंद जैन ने बताया कि चातुर्मास अंतर्गत काफी संख्या में तपस्या में श्रद्धालु लाभ ले रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन महावीर संघवी ने किया।

वाणी से बनती है जीवन की दिशा: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में विराजित साध्वी उपासना ने अपने प्रवचन में वाणी की पवित्रता और शक्ति पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वाणी हमारे जीवन की दिशा को तय करती है। जैसे विचार आत्मा को निर्मल करते हैं, वैसे ही वाणी जीवन में माधुर्य भरती है। उन्होंने कहा कि समय की घड़ी के 12 घण्टे होते है जिसमें घड़ी का पहला घंटा हमे दो संदेश देता है पहला जीव अकेला आयेगा और अकेला जाएगा।

दूसरा हमारी यह आत्मा गुणों की दृष्टि से एक ही है भले ही देह की दृष्टि से अनेक है। जितनी काया है उतनी ही आत्मा है यानि काया की दृष्टि से अनेक है। आत्मा के बिना देह का कोई अस्तित्व नहीं है। आत्मा करती कुछ भी नहीं है लेकिन आत्मा के बिना होता भी कुछ नहीं है।

प्रवचन के अगले चरण में उन्होंने कहा घड़ी का अंग्रेज़ी शब्द वॉच के पहले अक्षर डब्ल्यू वॉचफुल होना, यानी सजग रहना। विशेषतः अपने शब्दों की निगरानी रखें। हमारी वाणी कठोर नहीं, मीठी होनी चाहिए। मनुष्य जब जन्म लेता है, तो न मित्र लेकर आता है न शत्रु लेकिन वाणी के व्यवहार से वह मित्र भी बनाता है और शत्रु भी। कठोर वाणी से हम हिंसा के भागीदार बनते है और हमारे जीवन में पाप का आगमन होता है। इसीलिए हम अपने शब्दों की निगरानी रखें, और मधुर वाणी से सबका हृदय जीतने का प्रयास करें। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी।

साध्वी नंदिनी ने चौमुखी नवकार महामंत्र जाप की अखंड साधना जो प्रतिदिन दोपहर 2.30 से 3.30 बजे तक गतिमान है, का महत्व समझाया। धर्म सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रवचन के उपरांत गुरुवर्या निर्मलाजी ने मांगलिक एवं आशीर्वाद प्रदान किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

अशोक गहलोत आज प्रवासी बंधुओं के साथ करेंगे संवाद: डॉ. लूनावत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंगलवार को दोपहर 12 बजे अपने दो दिवसीय दौरे के तहत बेंगलूरु पहुंचेंगे। बेंगलूरु आगमन पर प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ द्वारा उनका अभिनंदन किया जायेगा। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री व लूनी के पूर्व सरपंच डॉ. जवरीलाल लूनावत ने बताया कि गहलोत के साथ प्रवासी बंधुओं का संवाद व अभिनंदन का कार्यक्रम दोपहर दो बजे कर्नाटका पटेल भवन, टोल गेट सर्कल मागडी रोड में आयोजित किया जाएगा। डॉं. लूनावत ने बताया कि पटेल समाज व राजपूत समाज के नवयुवक मंडल राजस्थानी परिधान में प्रवेश द्वार पर स्वागत करेंगे व उसके बाद मंच पर

प्रवासी राजस्थानी समाजों के समस्त अध्यक्ष व सचिवों द्वारा स्वागत व अभिनंदन किया जायेगा। डॉं. लूनावत ने बताया कि अभिनंदन कार्यक्रम के पश्चात गहलोत शाम पांच बजे कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। गहलोत बुधवार को शाम पांच बजे जयपुर के लिए रवाना होंगे।

मेंगलूरु में स्वचालित ड्राइविंग परीक्षण केंद्र स्थापित, 100 इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक को देश में सबसे ज्यादा वाहन परीक्षण ट्रैक वाला राज्य माना गया है और सरकार सभी जिलों में पूरी तरह से स्वचालित ड्राइविंग परीक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वे कम्बलापदावु के पास एक नवनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक वाहन ड्राइविंग परीक्षण ट्रैक केंद्र का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा जनता की मांग पर 7 करोड़ रुपये की लागत से इस स्वचालित परीक्षण ट्रैक का निर्माण किया गया है। धारवाड़, कोप्पल, दांडेली और तीन अन्य स्थानों पर इसी तरह की परियोजनाएँ पहले ही पूरी हो चुकी हैं। बेलगावी, रायचूर, देवनहल्ली,

कोलार, होस्पेट, बल्लारी, विजयपुरा और अन्य जिलों में काम प्रगति पर है। रेड्डी ने बताया कि कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से लाभ सुनिश्चित करने के लिए कर्नाटक ने मोटर परिवहन और अन्य कर्मचारियों के लिए देश का पहला सामाजिक सुरक्षा बोर्ड स्थापित किया है। मंत्री ने बताया कि केंद्र की पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने इलेक्ट्रिक बसों के लिए लागत-साझाकरण मॉडल का प्रस्ताव रखा था, जिसमें 50 प्रतिशत सब्सिडी केंद्र, 25 प्रतिशत राज्य और शेष 25 प्रतिशत परिवहन विभाग द्वारा दी जाती थी। उन्होंने कहा हालांकि, मौजूदा योजना के तहत, सब्सिडी सीधे निर्माताओं को जाती है, जिससे राज्य सरकार को कोई वित्तीय लाभ नहीं होता। हम कर्नाटक के सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों से आग्रह करते हैं कि वे एक अधिक लाभकारी मॉडल पर जोर दें जहाँ राज्यों को जीएसटी और बिजली रियायतें भी मिलें। इससे इलेक्ट्रिक बसें अधिक किफायती होंगी और हमारे उपभोक्ताओं को लाभ होगा। विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने कहा कि हाल ही में कम्बलपदावु के पास एक दमकल केंद्र का शिलान्यास और अब इलेक्ट्रॉनिक ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक का उद्घाटन, इस क्षेत्र में विकास की प्रगति के स्पष्ट संकेतक हैं।

प्राईमरी स्कूल में लेखन सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय चेतना परिवार द्वारा शिक्षा और बाल विकास उद्देश्य के अंतर्गत व्हाइट फील्ड विजयनगर और अम्बेडकर नगर के दो प्राथमिक स्कूलों में लेखन सामग्री एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।

प्राध्यापिका सुजाता एवं प्राध्यापिका वायलेंट का भरपूर सहयोग मिला। शिक्षिका एवं शिक्षकों ने हृदय से स्वागत किया।

बच्चों की खुशी और स्कूल का अनुशासन देख कर मन अभिभूत हो गया। यह देख कर हर्ष हुआ कि बच्चों को वहाँ इंग्लिश, कन्नड़ के साथ हिंदी का भी ज्ञान था। राष्ट्रीय चेतना के अध्यक्ष जगदीश गोविल, उर्मिला श्रीवास्तव, उषा गुप्ता, विजय लक्ष्मी मित्तल, दीपक मित्तल, डॉ. मंजु गुप्ता द्वारा यह पुनीत कार्य सम्पन्न हुआ।

साजनान संकल्प कार्यक्रम का ऐतिहासिक सामाजिक आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ बेंगलूरु द्वारा आयोजित साजनान संकल्प कार्यक्रम मेवाड़ भवन, यशवंतपुर में समाज के उत्साह, ऊर्जा और उत्कृष्ट आयोजन के साथ सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम समाज के समग्र विकास हेतु रोजगार, ज्ञान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और भक्ति जैसे पांच मुख्य स्तंभों पर आधारित एक अनूठी पहल थी। संघ अध्यक्ष ललित मांडोत और मंत्री सुरेश गन्ना के साथ वरिष्ठ सदस्य सोहनलाल मांडोत, भंवरलाल पीतलिया, बाबूलाल दक, मेवाड़ भवन के अध्यक्ष दिनेश कटारिया, मंत्री मदन बोराणा द्वारा दीप प्रज्वलन किया। अध्यक्ष ललित मांडोत ने स्वागत वक्तव्य में कहा साजनान संकल्प समाज के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए दिशा देने वाला संकल्प है। समाज एकजुट होकर सोचता

है, तो शिक्षा, सेवा और समर्पण के साथ हर दिशा में प्रगति संभव है। एमजेओएसएस की यह ऐतिहासिक पहल निश्चित रूप से आने वाले समय में समाज के लिए नई प्रेरणा बनेगी। उन्होंने मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ के अब तक हुए कार्यों की संक्षिप्त में जानकारी दी। संगठन मंत्री प्रवीण दक के संगठन यात्रा की भूरी भूरी प्रशंसा की। मुख्य अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में इस पहल की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएँ सम्प्रेषित की। मंत्री सुरेश गन्ना द्वारा कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत देवीलाल पितलिया द्वारा मंगलाचरण से हुई। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में समाज के विशेषज्ञों, डॉक्टरों, सलाहकारों और प्रेरक वक्ताओं ने भाग लिया। सत्र 1 में व्यापार में कानूनी समझ और सावधानियाँ विषय पर कानूनी सलाहकार नवरतन पितलिया ने व्यापारियों और ज्वेलर्स के लिए सुरक्षा व कानूनी उपाय बताए। सत्र 2 में स्वास्थ्य और जीवनशैली जागरूकता विषय के अंतर्गत कई विषयों पर जानकारी दी गई। हृदय स्वास्थ्य पर डॉ. सुनील बोहरा, कैंसर जागरूकता पर डॉ. गौतम मेहता, दंत स्वास्थ्य पर डॉ. सुषमा मेहता तथा पोषण और आहार पर डायटिशियन रचना बाबेल ने प्रभावशाली जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन एक भव्य भक्ति संध्या के साथ हुआ जिसमें पंकज श्रीमाल, यश पोरवाल और रितु दक ने जैन भजनों, स्तवनों और धार्मिक गीतों की संगीतमय प्रस्तुति से सभी को भावविभोर कर दिया। इस आयोजन का विशेष आकर्षण रहा जॉब मेला जिसमें करियर गाइडेंस, रोजगार सलाह, और वॉक इन इंटरव्यू जैसी सुविधाएँ समाज के युवाओं को दी गईं। इंटरव्यू गैरअप कंपनी द्वारा लिए गए। संयोजक जयंतिलाल बोहरा का इसमें विशेष श्रम लगा। कार्यक्रम के उपरांत समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं विशेषज्ञों ने इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम की सफलता में साजनान संकल्प के संयोजक राकेश पोखरणा, विकास मेहता, प्रवीण गन्ना, अनिल गन्ना, रोहित मेहता का समर्पित योगदान रहा। मूलचंद, तेजमल, बाबूलाल मंडोत, प्रकाश बोलिया, जसवंत गन्ना, सुरेश दक, रमेश दक, नेमीचंद दलाल, संगठन मंत्री प्रवीण दक, प्रचार प्रसार मंत्री प्रवीण बोहरा, अनिल पोकरणा की उपस्थित रही।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** रागा रंजनी संस्था द्वारा शंकर मठ स्थित डॉ. राजकुमार ऑडिटोरियम में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, विशिष्ट अतिथि अश्विनी गौड़ा को सम्मानित किया गया। इस मौके पर रागा रंजनी संस्था के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।*

मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद हासन द्वारा मंत्र दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ।

मंगला चरण में ज्ञानशाला के प्रशिक्षिकाओं ने गीतिका के माध्यम से सुंदर प्रस्तुति दी। सभी बच्चों को मंत्र दीक्षा का महत्व समझाया गया। तत्पश्चात बच्चों को विधिवत रूप से मंत्र दीक्षा दी गई। नवकार मंत्र का महत्व एक सुंदर कहानी के माध्यम से बताकर बच्चों में आध्यात्मिक चेतना जागृत की गई। संचालन का दायित्व ममता कोठारी ने प्रभावशाली ढंग से निभाया। इसके पश्चात चांदमल सुराणा ने बच्चों को स्कूल में शुद्ध शाकाहारी भोजन के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी, और साथ ही यह महत्वपूर्ण सलाह दी कि हर साधक को वर्ष में कम से कम एक बार गुरु दर्शन अवश्य करना चाहिए। अंत में मंत्री मनीष तातेड़ ने सभी उपस्थितजन और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अश्विनी वैष्णव के पिता को दी श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिताजी स्व. दाऊलालजी वैष्णव के गत दिनों निधन होने पर यहां गायत्री विहार पैलेस ग्राउंड में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान महानगर के कई समाज सेवी व गणमान्य लोगों ने शोक संवेदना कार्यक्रम में भाग लिया। इनमें दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु रेल मंडल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी, कर्नाटक इनर वियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, जय क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान, मंत्री महिपाल जैन, राजेश चोपड़ा, मंत्री मूलसिंह राजपुरोहित, विजय नगर जैन संघ के सदस्य महेंद्र जैन, महादेव गौ सेवक मंडल के अध्यक्ष माधुराम खर्दा, गायत्री विहार के जीएम जिग्नेश भाई, कमलेश भाई इत्यादि अनेक पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

जो कर्मबंध हमने किए हैं उन्हें भोगना ही होगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमने अपने शरीर को अपना माना है, लेकिन हमारी अपनी तो सिर्फ आत्मा है। आत्मा पूर्ण है लेकिन हमारा शरीर अपूर्ण है जो कि अपनी नहीं है। आत्मा तो सच्चिदानंद है, जो कि शाश्वत सुखों से परिपूर्ण है। हमारी आत्मा विभाव दशा में जी रही है लेकिन उसे स्वभाव दशा में लाना है। हमारी आत्मा ही हमारा घर है, शरीर तो किराए का मकान है जिसको सजाने संवारने के लिए हम रात दिन मेहनत करते हैं, लेकिन जो आत्मा अपनी है उसके

लिए हम कुछ भी नहीं कर रहे हैं। दुख संयोग जन्य है जो कि हमेशा नहीं रहता है। सिद्धावस्था में कोई दुख नहीं है, इसमें तो सिर्फ शाश्वत सुख है जो कभी नहीं जाता है। सभी आत्माएं ज्ञान, दर्शन और चरित्र से परिपूर्ण है। सिद्धों की आत्मा रत्नत्रयी से परिपूर्ण है, जबकि हमारी आत्मा रत्नत्रयी से अपूर्ण है, इस पर कर्मों का आवरण छाया हुआ है। जब यह आवरण हटेगा तो हम भी अपनी सिद्धावस्था को प्राप्त कर लेंगे। हमारी आत्मा ने अभी तक विभाव दशा का आसास्वादन किया है। लेकिन आत्मा को स्वभाव दशा की ओर मोड़ना है। परमात्मा महावीर के साधना काल में उनको अनेक कष्ट परिषह आए लेकिन उन्होंने उन कर्मों की हंसते-हंसते निर्जरा की। हमने पूर्व में जो कर्म किए हैं उन्हें हमें भोगना ही है। हर पल हमारी आत्मा सतत सात कर्मों का बंध कर रही है। हमें कर्म बंध करते समय बहुत सावधानी रखनी चाहिए। जो कर्म हम हंसते हुए बांध लेते हैं, लेकिन उन कर्मों को हमें भोगना ही पड़ेगा, बिना भोगे उन कर्मों से हमें छुटकारा नहीं मिलेगा। हमें अनित्य पदार्थों के राग को छोड़ना होगा। कर्मों का आवरण हमारी आत्मा से हटते ही हम भी शाश्वत सुखों को प्राप्त कर सकते हैं।

गडकरी ने शिवमोग्गा जिले में सिगंडूर पुल का किया उद्घाटन

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को शिवमोग्गा जिले में सिगंडूर पुल का उद्घाटन किया। इससे पीड़ितों के छह दशकों के अथक संघर्ष को स्थायी मुक्ति मिली। सागर तालुका में शरावती नदी के बैकवाटर के केबल-स्टेड पर बने पुल को लगभग 423 करोड़ रुपये के अनुदान से अत्याधुनिक तकनीकी प्रणाली से निर्मित 2.25 किलोमीटर लंबे केबल-आधारित पुल के साथ राज्य के इतिहास के पन्नों से जोड़ा गया है, जो देश के दूसरे सबसे बड़े लिंक ब्रिज अंबरगोडलु - कलासवल्ली-सिगंडूर - कोल्लूर (स्थानीय लोगों का होलेबागिलु ब्रिज) को जोड़ता है। इसे आज केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने राष्ट्र को समर्पित किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, सांसद बी.वाई. राघवेंद्र, स्थानीय नेता उत्सव के इस क्षण के साक्षी बने। छह दशकों से पिछड़े क्षेत्र के भाइयों की पुकार सुनकर, केंद्र सरकार ने लगभग 423 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। बी.वाई. राघवेंद्र ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के दृढ़ संकल्प और आप सभी के आशीर्वाद, निस्वार्थ प्रेम के कारण हमारा मलनाड इस ऐतिहासिक घटना का गवाह बना है। इसके साथ ही, केंद्र सरकार ने एक बार फिर देश को संदेश दिया है कि यह एक ऐसी सरकार है जो सत्ता देने वाले लोगों की पुकार पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का भाव रखती है। इसके अलावा, जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया और उनके कार्यकाल के दौरान उनका उद्घाटन किया गया, उन्हें निर्धारित समय के भीतर पूरा करने की परंपरा जारी है और इतिहास रच रही है। यह पुल न केवल शरावती बैकवाटर के पीड़ितों की पीड़ा को कम करेगा, बल्कि हमारे मलनाड और तटीय जिलों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के युग की शुरुआत भी करेगा। इसके अलावा, दोनों जिलों की आर्थिक गतिविधि, पर्यटन और विविध संस्कृतियों का एकीकरण एक नए युग की शुरुआत का गवाह बनेगा। उन्होंने कहा इस ऐतिहासिक अवसर पर, जो स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है, मैं प्रसन्ना केरेकाई को याद करना चाहता हूं, जो दशकों से इस पुल के लिए लड़ रहे हैं, और सैकड़ों अन्य सेनानियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

महाराष्ट्र पुलिस ने ड्रग तस्करी मामले में मंत्री प्रियांक खड़गे के करीबी सहयोगी को गिरफ्तार किया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
महाराष्ट्र पुलिस ने ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे के करीबी सहयोगी और कलबुर्गी दक्षिण कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष लिंगराज कन्नी को मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में गिरफ्तार किया है। ठाणे, महाराष्ट्र में एक विशेष सूचना के आधार पर छापेमारी के दौरान, लिंगराज कन्नी के पास से प्रतिबंधित कोडीन-आधारित केमू सिरप, अनुसूची-एच मादक पदार्थ की 20 बोतलें बरामद की गईं। महाराष्ट्र एटीएस पुलिस ने इन मादक पदार्थों को जब्त कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। ठाणे के कल्याण पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक शिकायत दर्ज की गई थी और सूत्रों के अनुसार, लिंगराज कन्नी को पुलिस ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ बेचते हुए पकड़ा था।

वह पहले भाजपा में थे और बदले हुए राजनीतिक हालात में 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस के उम्मीदवार बन गए। लिंगराज कन्नी की मंत्री प्रियांक खड़गे के साथ मंच साझा करने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। कलबुर्गी और चित्तपुर विधानसभा क्षेत्रों में सरकारी कार्यक्रमों में उनके साथ खड़गे की तस्वीरों ने भी संदेह पैदा किया है। विडंबना यह है कि पिछले साल अप्रैल में, खड़गे ने कलबुर्गी क्षेत्र में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का सार्वजनिक रूप से संकल्प लिया था। उन्होंने कहा था कि उनका जिला नशीली दवाओं का शिकार नहीं होगा। उनके करीबी प्रतीत होने वाले इस व्यक्ति की गिरफ्तारी ने गहरी जिज्ञासा जगा दी है। कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में खड़गे के साथ लिंगराज कन्नी की तस्वीरें अब व्यापक रूप से प्रसारित हो रही हैं, जिससे उनके राजनीतिक प्रवेश की अटकलों को बल मिल रहा है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, जहाँ नेता अक्सर समर्थकों के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं, वहीं खड़गे के साथ लिंगराज की उपस्थिति की प्रकृति और आवृत्ति उनके बीच गहरे जुड़ाव का संकेत देती है। यह पहली बार नहीं है जब खड़गे के किसी सहयोगी को कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ा है। एक अन्य सहयोगी, राजू कप्पनुरा को भी पहले एक ठेकेदार की आत्महत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। यह नवीनतम गिरफ्तारी राजनीतिक परिवार की जवाबदेही और मंत्रिस्तरीय हलकों को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के प्रकार के बारे में बढ़ती चिंताओं को रेखांकित करती है।

कन्नड़ अभिनेत्री बी सरोजा देवी का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रसिद्ध कन्नड़ अभिनेत्री बी सरोजा देवी का सोमवार को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उन्होंने बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। 7 जनवरी, 1938 को जन्मी सरोजा देवी ने कन्नड़, तमिल, तेलुगु और हिंदी सहित पांच भाषाओं में 160 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। अभिनय सरस्वती (अभिनय की देवी) के रूप में प्रतिष्ठित, उनका शानदार करियर छह दशकों तक फैला रहा। उन्होंने फिल्म महाकवि कालिदास से फिल्म उद्योग में अपनी शुरुआत की और कई कन्नड़ क्लासिक्स जैसे कित्तूर चेन्नम्मा, अन्ना थम्मा, भक्त कनकदास, बाले बंगारा, नागकन्निके, बेट्टादा होवु और कस्तूरी निवास में प्रतिष्ठित भूमिकाएं निभाईं। तमिल सिनेमा में, उन्होंने नादोदी मन्नन, कर्पूरा करासी, पांडुरंगा महत्यम और थिरुमानम जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में अभिनय किया। भारतीय सिनेमा में उनके अपार योगदान के लिए, उन्हें 1969 में पद्म श्री और 1992 में पद्म भूषण सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। उन्हें बेंगलूरु विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया था और तमिलनाडु सरकार से कलाईममानी पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का दावा

केंद्रीय मंत्री गडकरी के कार्यक्रम स्थगित करने के आश्वासन के बावजूद भाजपा ने सिगंडूर पुल का उद्घाटन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में सोमवार को एक राजनीतिक विवाद छिड़ गया जब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आरोप लगाया कि स्थानीय भाजपा नेताओं ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ कार्यक्रम स्थगित करने के पूर्व समझौते के बावजूद शिवमोग्गा जिले में सिगंडूर पुल का उद्घाटन किया। राज्य की प्रमुख शक्ति योजना के तहत 500 करोड़ रुपये की मुफ्त यात्रा के उपलक्ष्य में बेंगलूरु में आयोजित एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा मैंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से फोन पर बात की थी और एक पत्र भी लिखा था, जिसमें सिगंदूर पुल के उद्घाटन समारोह को स्थगित करने का अनुरोध किया गया था। हालाँकि उन्होंने सहमति दे दी थी, फिर भी भाजपा नेताओं ने मुझे सूचित किए बिना ही कार्यक्रम किया। उन्होंने इस फैसले पर निराशा व्यक्त की और कहा कि न तो वह, न ही कोई राज्य मंत्री या स्थानीय विधायक, उद्घाटन समारोह में मौजूद थे। भाजपा के आचरण के विरोध में, हमारी सरकार के किसी भी मंत्री या किसी भी स्थानीय विधायक ने इस कार्यक्रम में भाग नहीं लिया। केंद्र सरकार ने प्रोटोकॉल का पालन न करके इस टकराव को जन्म दिया है।

केंद्र प्रायोजित योजनाओं में भी राज्य की भूमिका होती है और प्रोटोकॉल का सम्मान किया जाना चाहिए। गडकरी ने 14 जुलाई को सागर तालुका में शरावती नदी के बैकवाटर पर बने केबल स्टेड पुल का लोकार्पण किया। 473 करोड़ रुपये की इस परियोजना, जिसमें पहुँच मार्ग भी शामिल हैं, का निर्माण केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किया गया है।

उनके साथ केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा, शिवमोग्गा के सांसद बी.वाई. राघवेंद्र और अन्य भाजपा नेता भी मौजूद थे। सिद्धरामैया ने बताया कि विजयपुरा जिले में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके और उन्होंने भाजपा पर जानबूझकर राज्य के नेताओं को कार्यक्रम से बाहर रखने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने शक्ति योजना की सफलता पर प्रकाश डाला, जिसके तहत अब तक कर्नाटक भर में महिला यात्रियों द्वारा 500 करोड़ से ज्यादा मुफ्त यात्राएँ की जा चुकी हैं।

कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के कुछ ही हफ्तों बाद, 11 जून, 2023 को शुरू की गई यह योजना कर्नाटक भर में गैर-लक्जरी सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा प्रदान करती है। यह 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान घोषित पाँच गारंटी योजनाओं में से एक है। बेंगलूरु के विंडसर सर्कल में मीडिया को संबोधित करते हुए सिद्धरामैया ने कहा यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

महिलाओं ने सामूहिक रूप से शक्ति के तहत 500 करोड़ यात्राएँ की हैं, जिससे यह देश की सबसे बड़ी कल्याणकारी परिवहन योजनाओं में से एक बन गई है। राज्य सरकार ने इस योजना को लागू करने के लिए अब तक 12,614 करोड़ खर्च किए हैं। राज्य परिवहन निगमों द्वारा संचालित लगभग 25,000 बसों में से, 20,000 से ज्यादा बसें इस कार्यक्रम के तहत महिला यात्रियों के लिए उपलब्ध हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि शक्ति योजना न केवल महिलाओं को सशक्त बना रही है, बल्कि शेष भारत के लिए एक आदर्श बन गई है। उन्होंने कहा शक्ति योजना, जिसने 500 करोड़ यात्राएँ दर्ज की हैं, पूरे देश के लिए एक आदर्श है।

पुलिस आयुक्त ने कॉलेजों से नशा विरोधी समितियां बनाने का किया आग्रह

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर पुलिस ने एनएसएस इकाई, रोटरी क्लब ऑफ मेंगलूरु, एनआईटीटीई इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर और एन-सीओआरडी के सहयोग से सोमवार को टाउनहॉल में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर एक जागरूकता कार्यक्रम और कॉलेज स्तर की नशा विरोधी समितियों के लिए एक अभिविन्यास सत्र आयोजित किया। पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने कहा पिछले साल, हमने पाया कि 500 से ज्यादा कॉलेज छात्र नशीली दवाओं के सेवन में लिप्त थे। हमारी हालिया समीक्षा में, लगभग 150 छात्र अभी भी नशीली दवाओं का सेवन कर रहे हैं। हमने 150 कॉलेजों से नशा विरोधी समितियाँ बनाने का आग्रह किया है। इनमें से 107 कॉलेजों ने पहले ही समितियाँ बना ली हैं, जबकि 43 ने खुद को नशा मुक्त परिसर घोषित कर दिया है। लेकिन इसका वास्तव में क्या मतलब है? उन्होंने आगे कहा हम सभी कॉलेजों से नशा-विरोधी समितियाँ गठित करने का आग्रह करते हैं, क्योंकि हम सीधे तौर पर परिसरों में हस्तक्षेप करके असुविधा पैदा नहीं करना चाहते। इससे गलत संदेश जाता है। अगर सिर्फ 10 छात्र ही नशा करते हैं, तो हम बाकी 90 को परेशान नहीं करना चाहते। हालाँकि, अगर संस्थान कार्रवाई नहीं करते हैं, तो हमें हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हाल ही में एक जेल के अपने दौरे को याद करते हुए, कमिश्नर ने बताया कुछ कैदियों ने जिज्ञासावश नशा करना शुरू किया, लेकिन जल्द ही वे इसके आदी हो गए। मैं एक ऐसे कैदी से मिला, जिस पर धारा 302 और 307 के तहत मामला दर्ज है। उसने स्वीकार किया कि नशा उसके आपराधिक व्यवहार को प्रभावित करता है। अब वह खुद नशा सप्लायर बन गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा अपना भविष्य बदलने का हमेशा मौका होता है। नशा छोड़ने और मेंगलूरु के शीर्ष 50 नशा देने वालों में शामिल होने का लक्ष्य रखने का फैसला करने में बस एक सेकंड लगता है। लेकिन अगर आप इसी रास्ते पर चलते रहे, तो आप जेल पहुँच जाएँगे, जहाँ हम काउंसलिंग सत्र आयोजित करते हैं। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से सतर्क रहने और छात्रों के व्यवहार में आने वाले बदलावों पर नजर रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा नशा विरोधी समिति का उद्देश्य नशा मुक्त परिसर बनाना है। शहर में हाल ही में एक मेडिकल छात्र की गिरफ्तारी का हवाला देते हुए, उन्होंने कॉलेजों से पूर्व छात्रों पर भी नजर रखने और संभावित तस्करों की पहचान करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा संस्थानों को ऐसे मुद्दों को अभिभावकों से नहीं छिपाना चाहिए। इसे छिपाने से छात्रों का भविष्य ही खतरे में पड़ता है। उन्होंने कहा नशा-विरोधी समितियों का गठन अनिवार्य है और इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। कॉलेजों को नियमित रूप से जाँच भी करनी चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से व्यवहार में आने वाले बदलावों के प्रति सचेत रहने का आह्वान किया और उन्हें प्रोत्साहित किया कि अगर उन्हें कुछ भी असामान्य लगे तो वे कॉलेजों या स्कूलों से संपर्क करें। उन्होंने आश्वासन दिया गुमनाम शिकायतों के लिए एक क्यूआर कोड उपलब्ध कराया गया है। हमें पहले ही कुछ शिकायतें मिल चुकी हैं, लेकिन हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे अपराधियों का नाम बताने में संकोच न करें। उन्होंने निष्कर्ष निकाला हमें माँग कम करनी होगी तभी आपूर्ति कम होगी। आइए हम सब मिलकर इस समस्या से लड़ें। पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के. ने कहा कई मामलों में, सिर्फ जागरूकता से कार्रवाई नहीं होती। अगर शिक्षा व्यवस्था मजबूत दिखती है, लेकिन छात्र फिर भी नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, तो यह व्यवस्था विफल हो रही है। हमें समस्या की जड़ तक पहुँचना होगा। उन्होंने आगे कहा इनकार करने से कोई फायदा नहीं होगा। समस्या को दबाने से यह और भी बदतर हो जाएगी। बिना नतीजे के जागरूकता कार्यक्रमों को बार-बार चलाना व्यर्थ है। संस्थानों को नई रणनीतियाँ बनानी होंगी और संकाय सदस्यों को इसमें आगे आना होगा। डॉ. अरुण ने पुनर्वास सहायता और अनिवार्य रिपोर्टिंग का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा अगर कोई छात्र पहली बार नशीले पदार्थों का सेवन करते हुए पकड़ा भी जाए, तो पुलिस को सूचित करें। रैंडम जाँच करें और प्रवेश के समय छात्रों और अभिभावकों से शपथ पत्र भरवाएँ।

माइक्रोफाइनेंस कर्मचारी की रहस्यमयी मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु दक्षिण जिले (पूर्व में रामनगर) के कनकपुरा कस्बे में स्थित अपने कार्यालय में एक 20 वर्षीय माइक्रोफाइनेंस कर्मचारी की रहस्यमयी मौत हो गई। मृतक की पहचान मैसूरु जिले के टी नरसीपुरा तालुक के कोलाथुर गाँव निवासी आर दर्शन के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर शाखा प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है और उसके दो अन्य सहकर्मियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। वह पहले मांड्या की हलागुरु शाखा में कार्यरत थे। हाल ही में पदोन्नति के बाद उनका तबादला कनकपुरा हुआ था।

बताया जा रहा है कि दर्शन के पिता ने तीन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न की शिकायत की थी। दर्शन के पिता आर राजू (58) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, कनकपुरा कस्बे की पुलिस ने प्रबंधक रेवन्ना और दो वरिष्ठ कर्मचारियों रेणुका शर्मा और सचिन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दर्शन 9 जुलाई को शाम 6:30 बजे से 10:30 बजे के बीच गुंडन्ना स्ट्रीट स्थित कंपनी के कार्यालय में मृत पाए गए। उनका बेटा कैशियर और ऋण वसूली एजेंट के रूप में काम करता था। राजू ने पुलिस को बताया कि वह कार्यस्थल पर उत्पीड़न से पीड़ित था। 9 जुलाई की सुबह, दर्शन ने अपने पिता को बताया था कि आरोपियों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और लगभग मारपीट भी की। उसी शाम, राजू को एक फोन आया कि उसका बेटा बेहोश हो गया है, उसके बाद एक और फोन आया कि दर्शन ने आत्महत्या कर ली है। रात करीब 10:10 बजे जब राजू कार्यालय पहुँचा, तो वहाँ ताला लगा था। बाद में उसे बताया गया कि शव को कनकपुरा रोड स्थित एक अस्पताल में ले जाया गया है।

बिहार चुनाव के बाद राज्य की राजनीति में बदलाव संभव!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे कांग्रेस आलाकमान की ताकत की परीक्षा लेंगे और राज्य की राजनीति पर इसका असर पड़ने की उम्मीद है। इसी संदर्भ में, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सुरजेवाला द्वारा की जा रही बैठकों ने उत्सुकता बढ़ा दी है।

मंत्रिमंडल फेरबदल और निगम-मंडलों की नियुक्ति समेत कई मुद्दों पर अब तक आलाकमान का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। अगर बिहार चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आती है, तो सिद्धरामैया का प्रभाव और बढ़ेगा और डी.के. शिवकुमार गुट को और झटका लगने की आशंका है।

राष्ट्रीय राजनीति के नेतृत्व में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आलाकमान के रूप में

देखा जाता है। राज्य में कुछ नेता ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हों। मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा स्वयं यह कहने के बाद भी कि नेतृत्व पर चर्चा में किसी को भी हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, सरकार और पार्टी में कुछ लोग बार-बार भड़काऊ बयान देकर भ्रम पैदा कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में असमर्थ, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हाथ मलते रह गए हैं। राहुल गांधी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में एक प्रभावशाली नेता हैं और उनके नेतृत्व को भरपूर समर्थन मिल रहा है।

इसलिए, राज्य में भ्रम पैदा करने के बावजूद, सिद्धरामैया समर्थकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कैबिनेट के कई मंत्रियों ने सितंबर क्रांति समेत कई तरह के बयान दिए हैं। उनके खिलाफ एक छोटी सी फटकार भी नहीं सुनी गई है। केवल डी.के. शिवकुमार के पक्ष में बोलने वालों को ही नोटिस दिए गए हैं। इस तरह के भेदभाव के कारण पार्टी में तरह-तरह की व्याख्याएँ हो रही हैं। ऐसी आलोचनाएँ हैं कि सिद्धरामैया के समर्थक आलाकमान में उनके बढ़ते दबदबे के कारण उनकी ओर आकर्षित हो रहे हैं। अगर बिहार चुनाव में कांग्रेस पार्टी या उसके सहयोगी दल सरकार बनाते हैं, तो राहुल गांधी के नेतृत्व की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी रहेगी। अब तक हुए लोकसभा और विभिन्न राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को करारा झटका लगा है। राहुल गांधी को एक हारे हुए नेता के रूप में चित्रित किया गया है। लगभग ऐसे समय में जब उनका प्रभुत्व कम हो गया है, उन्होंने 2023 के लोकसभा चुनावों में खुद को विपक्ष का नेता घोषित करने लायक ताकत हासिल कर ली है। इस तरह, राहुल गांधी ने वापसी की है। आलाकमान में उनका प्रभाव फिर से बना हुआ है। अगर कांग्रेस बिहार चुनाव नहीं जीतती है, तो राहुल गांधी के नेतृत्व को झटका लगेगा। फिर, इस बात पर चर्चा शुरू होगी कि क्या राहुल गांधी को आलाकमान में सबसे आगे रखा जाए या प्रियंका गांधी को आगे लाया जाए। इस लिहाज से, प्रियंका गांधी भविष्य में कांग्रेस की एक प्रभावशाली नेता बन सकती हैं। हाल ही में दिल्ली आए डी.के. शिवकुमार ने राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले बिना प्रियंका गांधी से मुलाकात की, जिससे इन सभी चर्चाओं की पुष्टि होती नहीं दिख रही थी। अगर बिहार के नतीजे उम्मीद के मुताबिक कांग्रेस के पक्ष में आते हैं, तो सिद्धरामैया गुट राज्य में और मजबूत होगा। अगर बिहार चुनाव के नतीजे निराशाजनक रहे, तो डी.के. शिवकुमार गुट का पलड़ा भारी रहेगा।

जांच के दौरान पॉक्सो आरोपी ने पुलिस पर हमला किया, हिंसक झड़प के बाद गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मणिपाल में रविवार को एक तनावपूर्ण झड़प हुई जब पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) मामले के मुख्य आरोपी दानिश ने गिरफ्तारी का हिंसक विरोध किया और मौके पर जाँच के दौरान भागने का प्रयास किया।

आठ साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे आरोपी ने कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी पर पत्थर से हमला किया, जिसके बाद लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों ने उसे काबू कर लिया। यह घटना 8 जुलाई को मालपे पुलिस स्टेशन क्षेत्र में दर्ज एक मामले से संबंधित मौके पर निरीक्षण के दौरान हुई। दानिश, जिससे पूछताछ की जा रही थी, अचानक हिंसक हो गया और उसने उडुपी महिला पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर रितेश पर पत्थर फेंक दिया। जवाबी कार्रवाई में, पुलिस ने उसे रोकने के लिए लाठीचार्ज किया, जिससे आरोपी को मामूली चोटें आईं। एसआई रितेश को चोटें आईं और उनका इलाज उडुपी जिला सरकारी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस अधीक्षक (उडुपी) हरिराम शंकर ने घायल अधिकारी का हालचाल जानने के लिए अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पॉक्सो मामला 8 साल की नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न से जुड़ा है, जिसे कथित तौर पर मणिपाल ले जाया गया और उसके साथ मारपीट की गई। मुख्य आरोपी, उत्तर प्रदेश का दानिश नाम का एक व्यक्ति, कथित तौर पर अभिधा नाम की एक महिला की मदद से अपराध को अंजाम दिया, जो वास्तव में पीड़िता के परिवार की रिश्तेदार थी। पुलिस का मानना है कि हमला किसी निजी रंजिश से प्रेरित हो सकता है।

इस अपराध में दो अन्य व्यक्ति, शमी और मोशी, भी शामिल थे। यह भयानक घटना मालपे पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई और 11 जुलाई को आधिकारिक तौर पर पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया, जो विशेष रूप से नाबालिगों के खिलाफ अपराधों से संबंधित है।

इस मामले को और भी चौंकाने वाली बात यह है कि मुख्य आरोपी दानिश के खिलाफ पहले भी पुलिसकर्मियों पर हमला करने का एक मामला दर्ज है। हाल ही में जब पुलिस घटनास्थल की जाँच कर रही थी, तो दानिश फिर से हिंसक हो गया – उसने पुलिस पर पत्थर फेंके और भागने की कोशिश की। पुलिस को उसे नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा, जिससे दानिश को मामूली चोटें आईं और एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया।

मंत्री ने किया आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने रविवार को जिले के सेडम् तालुका के मुधोल गांव स्थित इंदिरा गांधी आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया और कुछ देर तक आवासीय विद्यालय के बच्चों से बातचीत की।

उन्होंने विद्यार्थियों से आवासीय विद्यालय की व्यवस्था और शिक्षण के बारे में जानकारी ली और उनकी शिक्षा की गुणवत्ता की जाँच भी की। इस अवसर पर, मंत्री ने विद्यार्थियों को प्रतिदिन सुबह शारीरिक व्यायाम के साथ-साथ समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के कर्मचारी, तालुका प्रशासन और विद्यार्थी उपस्थित थे।

केएसआरटीसी ने सामान संबंधी नियमों में किया बदलाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने अपनी सामान नीति में बड़े बदलावों की घोषणा की है, जिसके तहत राज्य भर में अपनी बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए नए नियम लागू किए गए हैं। केएसआरटीसी की बसें लाखों यात्रियों के लिए परिवहन का एक प्रमुख साधन हैं, इसलिए संशोधित नियमों का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ निगम के राजस्व में भी वृद्धि करना है। नई नीति के तहत, यात्रियों को अब न केवल निजी सामान, बल्कि कुछ शर्तों के साथ बड़े घरेलू सामान जैसे रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, लोहे और एल्युमीनियम के पाइप, टायर और यहाँ तक कि पालतू जानवर और पक्षी भी ले जाने की अनुमति है। नए नियमों के अनुसार, प्रत्येक वयस्क यात्री 30 किलोग्राम तक

का निजी सामान निःशुल्क ले जाने का हकदार है, जबकि बच्चे 15 किलोग्राम तक सामान ले जा सकते हैं। निजी सामान में कपड़े, किताबें, यात्रा के लिए भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ शामिल हैं। हालाँकि, मुफ्त सीमा से ज्यादा सामान, या व्यावसायिक सामान और भारी सामान जैसे रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, टायर, लोहे के पाइप, एल्युमीनियम के पाइप और खाली कंटेनर, अतिरिक्त शुल्क के अधीन होंगे। यात्रियों को शहरी, उपनगरीय, साधारण और मुफस्सिल बस सेवाओं में खरगोश, पिल्ले, बिल्लियाँ और पक्षी जैसे पालतू जानवर ले जाने की भी अनुमति है। इन पर बच्चों के टिकट के बराबर शुल्क लिया जाएगा। हालाँकि, कर्नाटक वैभव, राजहंस, नॉन-एसी स्लीपर और सभी वातानुकूलित बसों जैसी प्रीमियम सेवाओं में जानवरों को ले जाना सख्त वर्जित है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे बड़े या विशेष सामान के साथ यात्रा करने से पहले विस्तृत जानकारी के लिए केएसआरटीसी कर्मचारियों से संपर्क करें या केएसआरटीसी की आधिकारिक वेबसाइट देखें।

कर्नाटक महिला आयोग की अध्यक्ष ने धर्मस्थल में शवों के दफन की एसआईटी जाँच की माँग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल में एक दशक से भी ज्यादा समय पहले शवों को दफनाने के आरोपों की जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) गठित करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में, उन्होंने कहा कि जाँच का दायरा पिछले दो दशकों में गाँव में हुई लापता महिलाओं और छात्राओं, अप्राकृतिक मौतों, हत्याओं और बलात्कार के मामलों को भी शामिल करना चाहिए। धर्मस्थल पुलिस में शिकायत दर्ज कराने वाले एक व्यक्ति ने दावा किया है कि उसने गाँव में कथित तौर पर हत्या और बलात्कार के शिकार महिलाओं और पुरुषों सहित कई लोगों के शवों को दफनाया था। उसने इस बारे में अदालत में बयान भी दिया है।

पत्र में कहा गया है कि ऐसे आरोप हैं कि जब पीड़ितों के परिवार के सदस्य पुलिस थाने गए, तो पुलिस ने उचित प्रतिक्रिया नहीं दी। इसलिए, शिकायतकर्ता के दावे की जाँच के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया जाना चाहिए। 12 जुलाई को, दक्षिण कन्नड़ पुलिस ने आधिकारिक तौर पर कहा कि उन्हें शिकायतकर्ता से यह जानना होगा कि क्या जाँच अधिकारी (आईओ) बदलने की जरूरत है, या उनकी शिकायत की जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) गठित करने की जरूरत है। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि पुलिस को शिकायतकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों से भी यह पता लगाना होगा कि क्या उन्हें इस माँग के बारे में जानकारी थी। 11 जुलाई को, शिकायतकर्ता ने बेल्टांगडी अदालत के प्रधान सिविल न्यायाधीश और प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष एक शव के कुछ कंकाल पेश किए, जिसके बारे में उसने दावा किया कि उसने उसे खुद खोदकर निकाला है। पुलिस ने शिकायतकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों और 'पंच' गवाहों के सामने शव के अंगों को जब्त कर लिया।

शक्ति योजना देश के लिए एक मॉडल है, किसी भी कारण से गारंटी नहीं रोकी जाएगी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने 500 करोड़ ट्रिप वाली शक्ति योजना को पूरे देश के लिए एक आदर्श बताया। शक्ति योजना के तहत महिलाओं की मुफ्त यात्रा 500 करोड़ ट्रिप तक पहुँचने के उपलक्ष्य में, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डीसीएम डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को बेंगलूरु के विंडसर सर्कल में बीएमटीसी बस में महिला यात्रियों को 500 करोड़वाँ टिकट वितरित किया। बाद में, उन्होंने कहा हमारी सरकार किसी भी कारण से गारंटी योजनाओं को बंद नहीं करेगी। जब तक ईश्वर शक्ति देता है और जनता शक्ति देती है, तब तक योजनाएँ जारी रहेंगी। कांग्रेस पार्टी ने इस देश के लोगों के लिए कई कल्याणकारी कार्यक्रम दिए हैं। भाजपा सहित कोई भी हमारी योजनाओं को नहीं रोक सकता, जिसमें विभिन्न पेंशन योजनाएँ, मनरेगा, बैंक राष्ट्रीयकरण शामिल हैं। ये ऐसे कार्यक्रम हैं जो लोगों के दिलों और जीवन के लिए जरूरी हैं। ये जारी रहेंगे। इस योजना से, महिलाएं राज्य भर में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं। वे बिना कोई पैसा खर्च किए अपने प्रियजनों के घर जा सकती हैं। उन्होंने कहा कई कामकाजी महिलाएं हर महीने 500 से 1,000 रुपये तक की बचत कर रही हैं।

बीदर में 8.65 करोड़ महिलाओं को शक्ति योजना का मिला लाभ: अमृतराव

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।

शक्ति योजना के तहत बीदर जिले में 8.65 करोड़ महिलाओं ने मुफ्त यात्रा की है और 249 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। जिला गारंटी कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष अमृतराव चिमाकोड़े ने बताया कि जिले में प्रतिदिन औसतन 1.14 लाख महिलाओं ने यात्रा की है। शक्ति योजना के तहत राज्य की 50 करोड़ महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा के उपलक्ष्य में सोमवार को उन्होंने बीदर शहर के केंद्रीय बस अड्डे पर पूजा की और मिठाइयाँ

बाँटीं। उन्होंने कहा कि शक्ति योजना ने महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद की है। मुफ्त यात्रा से बचे पैसे का इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर शिल्पा शर्मा, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. गिरीश बडोले, नगर परिषद अध्यक्ष मोहम्मद गौस, गारंटी क्रियान्वयन समिति उपाध्यक्ष पूजा जॉर्ज, संभागीय नियंत्रक चंद्रकांत फुलेकर, संभागीय यातायात अधिकारी इंद्रसेन एम. बिरादार आदि उपस्थित थे।

असंस्कृत जीवन को पाकर प्रमाद का पूर्ण त्याग करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यलहंका में विराजित गुरुदेव पंडित रत्न श्री ज्ञान मुनि के सानिध्य में श्री लोकेश मुनि जी ने व्याख्यान की शुरुआत करते हुए उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय का वर्णन जारी रखा। साथ ही फरमाया कि इस असंस्कृत जीवन को पाकर प्रमाद का पूर्ण त्याग करें। प्रमादी और आलसी बनकर इस बहुमूल्य जीवन को न खोये और एक एक क्षण का सदुपयोग कर इस मनुष्य जीवन को सार्थक करें। हम प्रमाद सब के लिए करते हैं किन्तु इसका फल हमे स्वयं को भोगना पड़ता हैं। पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी ने भगवान महावीर के अंतिम देशना में विस्तृत महत्वपूर्ण बातों को बताया। उन्होंने फरमाया कि किसी के जीवन की अंतिम बात सबसे महत्व की होती हैं और वो याद में रह जाती हैं । एक बार बीती हुई जवानी, बहता हुआ पानी, गया हुआ वक्त और बोले हुए शब्द छूट जाते हैं तो वापस लौट कर नहीं आते। जिन्दगी के हर दौर के बारे में विस्तार से बताया गया हैं, दस कि उम्र में इंसान चंचल होता हैं, बीस कि उम्र में बेपरवाह, तीस में तीखा, चालीस में जिम्मेदार, पचास में समझदार, साठ में अनुभवी, सत्तर में बीमार शरीर, अस्सी में घरवाले बेपरवाह, नब्बे में बेसुध, सौ में भगवान के द्वार खुल जाते हैं। धर्म सभा में ज्ञानचंद लोढा के परिवार एवं मानिकचंद कोठारी के परिवार की विशेष उपस्थिति रही।

टनल रोड के खिलाफ किया जाएगा कड़ा संघर्ष: तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या ने चेतावनी दी है कि भाजपा बेंगलूरु में सुरंग के माध्यम से सड़क बनाने के लिए जनता के पैसे की लूट की योजना का ऐसे तरीके से विरोध करेगी जैसा उपमुख्यमंत्री, राज्य सरकार और बीबीएमपी के अधिकारी किसी भी कारण से नहीं करेंगे।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि भाजपा टनल रोड परियोजना का विरोध करती है। उन्होंने कहा कि हम इस तरह से लड़ेंगे कि जनता के एक-एक पैसे को न्याय मिले। टनल रोड की डीपीआर और व्यवहार्यता रिपोर्ट में गड़बड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसे तैयार करने के लिए एक ऐसे सलाहकार को नियुक्त किया गया था जिसे प्रतिबंधित कर दिया गया था। उन्होंने शिकायत की कि टनल रोड कांग्रेस की नौकरियों को भरने के लिए एक परियोजना है। आज हमने मीडिया के माध्यम से जनजागरण शुरू किया है। आने वाले दिनों में, बेंगलूरु के सभी सांसद, विधायक , हमारे प्रदेश अध्यक्ष और बेंगलूरु में भाजपा के हमारे सभी नेता इस पर चर्चा करने वाले हैं। हम कानूनी लड़ाई, जनजागरण आदि के बारे में सोचेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह जनता के पैसे की बड़ी लूट है। डीपीआर में बेंगलूरु मेट्रो परियोजना का जिक्र है। बीबीएमपी ने डीपीआर पर 9.5 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मेट्रो से जुड़ी परियोजना को काट-छाँट कर तैयार किया गया है। उन्होंने

सवाल किया कि यह भ्रष्टाचार इतना कैसे है कि अगर कर्नाटक के लोग नासिक और मालेगांव का उदाहरण देकर मूर्ख बनते हैं, तो क्या यह घृणित नहीं होगा कि वे वहाँ खड़े होकर कहें कि ऐसे भ्रष्टाचार में जनता का पैसा चुराया जा सकता है? हमारी सरकार ने कहा था कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए इतनी बड़ी परियोजना डीएमएलटीए कानून के तहत बनाई जानी चाहिए। उन्होंने आलोचना की कि वह कानून लागू होने के बावजूद, वे परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के बाद निविदाएँ आमंत्रित करने जा रहे हैं। उन्होंने इसमें नियो बस प्रणाली को शामिल करने का सुझाव दिया है। आपका क्या मतलब है? क्या यह जमीन पर जाएगा? क्या यह आसमान में जाएगा? उन्होंने पूछा कि यह किस देश में है। उन्होंने कहा कि डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) का खुलासा भी नहीं किया गया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि व्यवहार्यता रिपोर्ट से पहले ही डीपीआर तैयार हो गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवहार्यता रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि डीपीआर सलाहकार कौन होना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की कमी के कारण 72 प्रतिशत लोगों को निजी वाहनों से हवाई अड्डे जाना पड़ता है। हमने 2020 में बेंगलूरु की यातायात समस्या के समाधान के लिए एक व्यापक परिवहन योजना तैयार की थी। इस योजना में कहा गया था कि बेंगलूरु को 16,580 बसों की आवश्यकता है। उन्होंने विश्लेषण किया कि आज छह हजार बसें हैं और 9 हजार से अधिक बसों की कमी है। उन्होंने शिकायत की कि राज्य सरकार बसों की संख्या बढ़ाने के लिए कुछ नहीं कर रही है। 2031 तक मेट्रो नेटवर्क 317 किलोमीटर होना चाहिए। उन्होंने बताया कि अभी केवल 78 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क है। उन्होंने आलोचना की कि 4 साल से बनकर तैयार येलो लाइन को यातायात के लिए नहीं खोला जा रहा है।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने मजार-ए-शुहादा की दीवार फांदकर पढ़ा फातिहा

श्रीनगर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में 13 जुलाई नेशनल कॉन्फ्रेंस शहीद दिवस के तौर पर मनाना चाहती थी। हालांकि, प्रशासन की तरफ से इसकी इजाजत नहीं दी गई। सीएम उमर अब्दुल्ला ने दावा किया था कि उनको नजरबंद कर दिया गया है। हालांकि, आज मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर सुरक्षा बलों द्वारा रोके जाने के बाद मजार-ए-शुहादा की चारदीवारी फांदकर फातिहा पढ़ा। उन्होंने कहा कि मुझे आज भी रोकने की कोशिश की गई। उन्होंने हाथापाई भी की, पुलिस कभी-कभी कानून भूल जाती है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'बड़े अफसोस की बात है कि वो लोग जो खुद इस बात का दावा करते हैं कि उनकी जिम्मेदारी सिर्फ सिक्योरिटी और लॉ एंड ऑर्डर है उनके वाजिया हिदायत के मुताबिक हमें कल यहां आकर फातिहा पढ़ने की इजाजत नहीं दी गई। सब को सुबह-सुबह ही अपने घरों में बंद रखा गया। यहां तक की जब धीरे-धीरे गेट खुलना शुरू हुआ और मैंने कंट्रोल रूम को बताया कि मैं यहां पर आना चाहता हूं फातिहा पढ़ने के लिए तो मिनटों के अंदर-अंदर मेरे घर के गेटों के बाहर बंकर लगा और रात के 12-1 बजे तक उसको हटाया नहीं गया।

सीएम अब्दुल्ला ने आगे कहा, आज मैंने इनको बताया ही नहीं, बिना बताए मैं गाड़ी में बैठा और इनकी बेशर्मी देखिए आज भी इन्होंने हमें यहां तक रोकने की कोशिश की। मैंने चौक में अपनी गाड़ी खड़ी की, सीआरपी का बंकर सामने लगाया। फिर हाथापाई करने की भी कोशिश की गई। ये पुलिस वाले जो वर्दी पहनते हैं ये कभी-कभी कानून भूल जाते हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि किस कानून के तहत इन लोगों ने हमें रोकने की कोशिश की। अगर कोई रुकावट थी तो कल के लिए थी। कहने के लिए तो कहते हैं कि यह आजाद मुल्क है, लेकिन बीच-बीच में ये लोग समझते हैं कि हम इनके गुलाम हैं। हम किसी के गुलाम नहीं है। हम अगर गुलाम हैं तो यहां के लोगों के गुलाम हैं। हम अगर खादिम हैं तो यहां के लोगों के खादिम हैं।

पहलगाम में सुरक्षा चूक हुई, मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं : मनोज सिन्हा

श्रीनगर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले की पूरी ज़िम्मेदारी ली है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, उन्होंने आगे कहा कि हालांकि आतंकवादियों की पहचान हो गई है, लेकिन पुलिस अभी तक उन्हें पकड़ नहीं पाई है। एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि वह हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं और कहा कि यह वास्तव में सुरक्षा विफलता थी।

मनोज सिन्हा ने कहा कि पहलगाम में जो हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था; निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई। मैं इस घटना की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूँ, जो निस्संदेह एक सुरक्षा चूक थी। यहाँ आम धारणा यह रही है कि आतंकवादी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते। जिस जगह पर हमला हुआ वह एक खुला मैदान है। 2020 में कार्यभार संभालने वाले जम्मू-कश्मीर के दूसरे उपराज्यपाल ने भी एक चौंकाने वाली बात बताई। उन्होंने स्वीकार किया कि जिस जगह यह घटना हुई, वह एक खुला मैदान है और वहाँ सुरक्षा बलों के लिए कोई सुविधा या जगह नहीं थी।

उन्होंने बताया कि वहाँ सुरक्षा बलों के लिए कोई सुविधा या जगह नहीं है और आगे कहा कि यह एक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमला था। इस मामले में एनआईए द्वारा की गई गिरफ्तारियाँ स्थानीय संलिप्तता की पुष्टि करती हैं, लेकिन फिर भी यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा वातावरण पूरी तरह से दूषित हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि घाटी में बंद और पथराव की घटनाएँ अब अतीत की बात हो गई हैं।

गोल्डन टेम्पल को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी

ईमेल मिलते ही मचा हड़कंप, बढ़ाई गई सुरक्षा

अमृतसर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। श्री हरि मंदिर साहिब को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई। यह धमकी किसी अज्ञात व्यक्ति की तरफ से ईमेल के जरिए दी गई है। इसकी जानकारी मिलती ही एसजीपीसी ने अपने स्तर पर श्री हरि मंदिर साहिब, उनकी परिक्रमा, लंगर भवन और सभी सराये की सुरक्षा पुख्ता कर दी है। टास्क फोर्स लगातार चेकिंग कर रही है।

उधर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मणन ने इसे लेकर पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि संबंधित थाना कोतवाली और सीपी को भी इसकी जानकारी दी जा चुकी है। वहीं दूसरी तरफ मामला गंभीर और बड़ा होने के कारण पुलिस इसे लेकर कुछ स्पष्ट नहीं कर रही।

मोदी ने नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी के निधन पर दुख प्रकट करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

श्री बुहारी का रविवार को लंदन के एक अस्पताल में निधन हो गया था। प्रधानमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी के निधन से अत्यंत दुःखी हूँ। मुझे विभिन्न अवसरों पर हुई हमारी मुलाक़ातें और बातचीत याद आती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और भारत-नाइजीरिया मैत्री के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अद्वितीय थी। मैं भारत के एक अरब 40 करोड़ लोगों के साथ उनके परिवार, नाइजीरिया की जनता और सरकार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ। श्री बुहारी वर्ष 2015 से 2023 तक नाइजीरिया के राष्ट्रपति रहे थे।

कांग्रेस ने हिंदुओं की आस्था को किया दरकिनार : भाजपा

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और हिंदुओं की आस्था को दरकिनार करने का आरोप लगाया है।

भाजपा ने श्रावण मास के पहले सोमवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए लिखा,सनातन आदिकाल से भारत की पहचान रहा है, मंदिरों की गूंजती घंटियां, प्रार्थना के स्वर, आस्था के पवित्र स्थल और ईश्वर में अटूट विश्वास, ये भारत का मूल स्वरूप है। हालांकि, कांग्रेस की सरकारों में तुष्टिकरण के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को दरकिनार कर दिया गया, जिसके एक नहीं, बल्कि कई उदाहरण हैं।

भाजपा ने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश में श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनी, तो सनातन के पुनर्जागरण का दौर शुरू हुआ, मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरव का प्रतीक बनें।

दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के तीन स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने के धमकी मिली, हालांकि पुलिस जाँच में किसी भी तरह की संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है।एक पुलिस अधिकारी ने आज यहां बताया कि पुलिस को प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर-16 स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) स्कूलों और चाणक्यपुरी स्थित एक स्कूल से बम की धमकी के बारे में सूचना मिली।उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, श्वान दस्ते और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और गहनता से जांच की। उन्होंने कहा कि फ़िलहाल कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।उन्होंने कहा कि पुलिस आगे की जांच कर रही है और जिस ईमेल से धमकी मिली है उसके स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

सांसदों को अटेंडेंस के लिए नहीं लगानी होगी लाइन

लोकसभा में एमएमडी डिवाइस के जरिए दर्ज करा सकते हैं अपनी उपस्थिति

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सांसदों ने एक नए मल्टी-मीडिया डिवाइस (एमएमडी) सिस्टम का उपयोग करके अपनी आवंटित सीटों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना शुरू कर दिया है। वर्तमान सत्र से शुरू किया गया यह डिजिटल अपग्रेड, भारत के नवनिर्मित संसद भवन में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

हाल ही तक, सांसदों को लोकसभा या राज्यसभा कक्षों में प्रवेश करने से पहले भौतिक उपस्थिति रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने होते थे। नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद, इस पद्धति को कक्ष के प्रवेश द्वारों पर रखे गए टैबलेट के माध्यम से स्टाइलस-आधारित उपस्थिति द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। नई शुरू की गई एमएमडी प्रणाली अब सांसदों को अपनी निर्धारित सीटों से सीधे अपनी उपस्थिति दर्ज करने की अनुमति देती है, जिससे समय की बचत होती है और कतारों से बचा जा सकता है।

एमएमडी प्रणाली सांसदों को अपनी उपस्थिति की पुष्टि करने के लिए कई विकल्प प्रदान करती है। वे अंगूठे के निशान का उपयोग कर सकते हैं, पिन नंबर दर्ज कर सकते हैं, या मल्टीमीडिया डिवाइस कार्ड स्वाइप कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, सांसद टैबलेट पर ड्रॉप-डाउन मेनू से अपना नाम चुन सकते हैं, डिजिटल पेन से हस्ताक्षर कर सकते हैं, और उपस्थिति दर्ज करने के लिए 'सबमिट' बटन दबा सकते हैं। यह डिजिटल प्रक्रिया दक्षता और सटीकता को बढ़ाती है, तथा उपस्थिति की शीघ्र रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करती है।

यह प्रणाली लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मार्गदर्शन में शुरू की गई है, जो कागज़ रहित संसद के प्रबल समर्थक रहे हैं। प्रत्येक सांसद की सीट पर लगे टैबलेट, जो शुरू में संसदीय दस्तावेज़ों और दिन के एजेंडे तक पहुँचने के लिए थे, अब उपस्थिति दर्ज करने के दोहरे उद्देश्य से काम करते हैं। हालांकि लोकसभा ने इस नई प्रणाली को अपना लिया है, लेकिन राज्यसभा में फिलहाल पुरानी उपस्थिति पद्धति ही जारी रहेगी।

गुजरात एटीएस ने हथियार लाइसेंस घोटाले का किया भंडाफोड़

यूपी से जुड़े गिरोह के सात गिरफ्तार

अहमदाबाद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात की एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने हथियार लाइसेंस से जुड़े एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। यह घोटाला उत्तर प्रदेश से संचालित हो रहा था। इसके तहत एटीएस ने अहमदाबाद से सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से सात अवैध हथियार, 285 कारतूस और नकली हथियार लाइसेंस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुकेश सिंह चौहान, अभिषेक त्रिवेदी, वेदप्रकाश सिंह, राजेंद्रसिंह सांखला, अजय सेंगर, विजय सेंगर और शोलेसिंह सेंगर के रूप में हुई है। इन सभी को भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।मामले में एटीएस के अनुसार, आरोपियों ने उत्तर प्रदेश के एटा जिले का फर्जी निवासी बनकर फर्जी लाइसेंस बनवाए और देसी बंदूकें हासिल कीं। इसके लिए इन्होंने यूपी के एजेंट देवकांत पांडे को कुल 53.5 लाख रुपये दिए थे। इस पैसे के बदले में उन्हें तीन रिवॉल्वर और चार पिस्टल उपलब्ध कराई गईं। एटीएस की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, अब तक के जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने लाइसेंस में जो पता दिया है, वहां वे कभी रहे ही नहीं। किसी ने भी एटा के मजिस्ट्रेट के सामने इंटरव्यू नहीं दिया, जो लाइसेंस प्रक्रिया का जरूरी हिस्सा है।

उदयपुर फाइल्स की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार, हाई कोर्ट ने रिलीज पर लगाई थी रोक

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर रोक के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले पर सुनवाई के लिए, तैयार हो गया है। फिल्म निर्माता ने सर्वोच्च अदालत से मांग की है कि हाई कोर्ट के रिलीज पर रोक के आदेश को रद्द किया जाए। इस पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सहमति जताई।

फिल्म निर्माता ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की, जिसमें 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर रोक लगा दी गई थी। फिल्म निर्माता की ओर से पेश हुए वकील ने याचिका पर सुनवाई की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने 'उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल टेलर मर्डर' फिल्म की रिलीज पर रोक के खिलाफ याचिका सुनने पर सहमति जताई।

निर्माता अमित जानी के वकील पुलकित अग्रवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने मांग की है कि हाई कोर्ट के रिलीज पर रोक के आदेश को रद्द किया जाए। हमने सुप्रीम कोर्ट से फिल्म रिलीज की अनुमति देने की अपील की है। वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया ने निर्माता की ओर से मामला उठाया। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि यह मामला 2-3 दिनों में सूचीबद्ध होगा।

उन्होंने आगे कहा, हमारी याचिका में कहा गया है कि फिल्म पर लगे प्रतिबंध को हटाया जाए और उसे रिलीज होने दिया जाए।

हम हाई कोर्ट के ऑर्डर का सम्मान करते हैं, लेकिन हमने कोर्ट के फैसले को आर्टिकल 136 के तहत चुनौती दी है।

'उदयपुर फाइल्स' फिल्म राजस्थान के उदयपुर शहर में हुए कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित है। कन्हैया लाल उदयपुर में कपड़ों की सिलाई (दर्जी) का काम करते थे। 28 जून 2022 को मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद नाम के दो युवकों ने कन्हैया लाल का गला रेत दिया। दोनों ने हत्या का वीडियो बनाया और इसे वायरल किया था।

यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होनी थी, लेकिन इससे एक दिन पहले 10 जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट ने 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी।

हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को सिनेमा एक्ट की धारा 6 के तहत फिल्म की समीक्षा करने का आदेश दिया था। यह फैसला तीन याचिकाओं पर दिया गया था, जिनमें जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी की याचिका भी शामिल थी।

बिहार चुनाव में इंडिया ब्लॉक से जुड़ने से ओवैसी ने किया इनकार

पटना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले इंडिया ब्लॉक के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना से इनकार किया और राज्य में तीसरा मोर्चा बनाने के लिए समर्थन दोहराया। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं उठता और उन्होंने विरोधी दलों पर हाशिए पर पड़ी आवाज़ों को दबाने के लिए उनकी पार्टी को निशाना बनाने का आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा कि एकतरफ़ा प्यार नहीं चलेगा... बिहार के लोगों को समझना चाहिए कि हम पर लगाए गए आरोप झूठ पर आधारित हैं। वे नहीं चाहते कि गरीबों और उत्पीड़ितों का कोई नेता उभरे। ओवैसी ने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक विरोधी चाहते हैं कि बिहार के लोग उनके अधीन रहें। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि बिहार के लोग उनके गुलाम बने रहें... हम अपना चुनाव अच्छे से लड़ेंगे।

भाजपा नीत एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों के राजनीतिक विकल्प के विचार का समर्थन करते हुए हैदराबाद के सांसद ने कहा कि एआईएमआईएम बिहार में तीसरा मोर्चा बनाने के पक्ष में है। ओवैसी ने आगे कहा कि हमारी बिहार इकाई के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा है कि हमें तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश करनी चाहिए। यह हमारी तरफ से एक प्रयास था। अब सब कुछ बिहार की जनता के सामने है। इस महीने की शुरुआत में, बिहार में एआईएमआईएम के इकलौते विधायक अख्तरुल ईमान ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को एक पत्र लिखकर महागठबंधन में शामिल होने की माँग की थी, जिसमें वर्तमान में राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं।

यमन में फांसी की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स को बचाने की कोशिश

मुस्लिम धर्मगुरु कर रहे प्रयास

तिरुवनंतपुरम, 14 जुलाई (एजेंसियां)। केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में फांसी की सजा से बचाने के लिए मशहूर सुन्नी मुस्लिम धर्मगुरु कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार ने पहल की है। 94 वर्षीय मुसलियार जिन्हें आधिकारिक रूप से शेख अबूबकर अहमद और भारत के ग्रैंड मुफ्ती के रूप में जाना जाता है, यमन के धार्मिक नेताओं से संपर्क में हैं और सभी संभावित प्रयास कर रहे हैं ताकि निमिषा की जान बचाई जा सके।

बता दें कि मामले में निमिषा प्रिया पर आरोप है कि उन्होंने साल 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर तालाल अब्दो महदी की हत्या की थी। इस मामले में उन्हें 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी और उनकी अंतिम अपील 2023 में खारिज हो गई। ऐसे में अब 16 जुलाई 2024 को उन्हें फांसी देने की तारीख तय की गई है। फिलहाल वह यमन की राजधानी सना की जेल में बंद हैं।मामले में सूत्रों की मानें तो शरिया कानून के तहत हत्या के मामलों में ब्लड मनी (मुआवजा) का विकल्प होता है, जिसमें आरोपी के परिवार को मृतक के परिवार को वित्तीय मुआवजा देना होता है। अगर मृतक का परिवार यह मुआवजा स्वीकार कर लेता है, तो मौत की सजा को रोका जा सकता है।

ऐसे में मुसलियार यमन के धार्मिक नेताओं से लगातार बातचीत कर रहे हैं, जो तालाल महदी के परिवार के संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि ब्लड मनी को लेकर बातचीत हो चुकी है और इस संबंध में जानकारी केरल में संबंधित पक्षों तक पहुंचा दी गई है। हालांकि, अभी तक किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं निमिषा की मदद और बातचीत को सुचारु रूप से चलाने के लिए मुसलियार के मुख्यालय पर एक विशेष कार्यालय भी खोला गया है।

इस बीच, सोमवार को भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सरकार इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच को बताया कि भारत सरकार अपनी पूरी कोशिश कर रही है और यमन के प्रभावशाली लोगों से बातचीत भी की जा रही है। हालांकि ऐसे में अब फैसला मृतक के परिवार और ब्लड मनी पर बातचीत पर निर्भर करता है। अगर वे मुआवजा स्वीकार करते हैं, तो निमिषा की फांसी टल सकती है।

गौरतलब है कि केरल के पालक्काड जिले की रहने वाली निमिषा प्रिया यमन में बतौर नर्स काम कर रही थीं। इसके बाद 2017 में उनके ऊपर अपने ही बिजनेस पार्टनर की हत्या का आरोप लगा। इसी आरोप के चलते साल 2020 में उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। मौत की सजा से बचने के लिए निमिषा की अंतिम अपील 2023 में खारिज हो चुकी है और 16 जुलाई को फांसी तय है।

941 करोड़ की 7 परियोजनाओं का सीएम ने किया लोकार्पण और शिलान्यास

चिकित्सा परंपरा और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा का प्रतीक है केजीएमयू: योगी

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने अपने 120 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में एक और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ते हुए चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केजीएमयू परिसर में 941 करोड़ की लागत से निर्मित 7 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

इस अवसर पर उन्होंने वॉर्ड में जाकर न सिर्फ मरीजों का हाल-चाल लिया, बल्कि डॉक्टरों से संवाद करते हुए भावी स्वास्थ्य विस्तार की योजनाओं पर भी चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह सिर्फ एक संस्थान नहीं, बल्कि एक युग की चिकित्सा परंपरा और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा का प्रतीक है। 120 वर्ष की अपनी इस शानदार यात्रा में केजीएमयू ने अनेक मील के पत्थर गढ़े हैं। यह यात्रा सामान्य नहीं रही इसने पिछली सदी की महामारी से लेकर कोविड-19 जैसी वैश्विक त्रासदी का मुकाबला कर प्रदेश और देश का मार्गदर्शन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह संस्थान महामारी में अग्रणी रहा, चिकित्सा शिक्षा के विस्तार में सहायक बना और अब टेक्नोलॉजी के साथ भविष्य के लिए तैयार हो रहा है। आज जब 941 करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, तो यह महज निर्माण नहीं, बल्कि स्वस्थ उत्तर प्रदेश, समर्थ भारत की दिशा में एक नए युग की शुरुआत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब कोविड-19 का प्रकोप प्रारंभ हुआ था, उस समय केजीएमयू प्रदेश का पहला संस्थान था, जहां कोविड जांच की सुविधा शुरू की गई। पहले 100 कोविड संदिग्ध मरीजों की जांच यहीं से प्रारंभ हुई थी। इसी साहसिक और त्वरित पहल से यूपी ने समय रहते महामारी से मुकाबले की रणनीति विकसित की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक और न्यू कार्डियोलॉजी विंग का लोकार्पण किया। साथ ही 500 बेड वाले ट्रॉमा सेंटर, जनरल सर्जरी विभाग के नवीन भवन, प्रशासनिक परिसर और पेशेंट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। सीएम योगी ने कहा कि यह अपने आप में किसी भी चिकित्सा संस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक साथ करीब 1,000 करोड़ की लागत से परियोजनाएं शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कितनी गंभीर हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। स्वास्थ्य क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। देश में एम्स जैसी संस्थाएं जो कभी गिनी-चुनी थीं, आज उनकी संख्या 23 हो गई है। उत्तर प्रदेश भी पीछे नहीं है, 75 जिलों में 75 मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना अब साकार हो रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2024 में ही 17 नए मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हुई है, जिनमें से 13 शासकीय हैं। यह उस परिवर्तन का संकेत है जो प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र में आमजन को राहत देने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार उल्लेखनीय रहा है। पहले डेंगू व इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों का इलाज लखनऊ तक ही सीमित था, लेकिन अब हर जनपद में प्लेटलेट्स और डायलिसिस की सुविधाएं उपलब्ध हैं।सीएम योगी ने जानकारी दी कि बलरामपुर में केजीएमयू का सेटेलाइट सेंटर स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महानगरीय चिकित्सा सेवाएं छोटे शहरों तक पहुंचे। इससे लखनऊ स्थित स्वास्थ्य संस्थानों पर दबाव कम होगा और मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही उपचार मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने आईआईटी कानपुर के साथ मेडिकल टेक्नोलॉजी पर केंद्रित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की पहल की जानकारी दी।

श्रावण मास में कांवड़ यात्रा की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। श्रावण मास के दौरान उत्तर प्रदेश में संचालित हो रही कांवड़ यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह पवित्र यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हो, इसके लिए शासन-प्रशासन पूरी सजगता, संवेदनशीलता और सक्रियता से कार्य करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, चिकित्सा, पेयजल, भोजनालय, विश्रामालय और शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिला श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उन्होंने विशेष निर्देश दिए कि महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम हों तथा महिला पुलिस बल की प्रभावी तैनाती की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से 247 निगरानी की जाए। उन्होंने खुफिया तंत्र को पूरी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या अराजकता की कोशिश को समय रहते रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटा जाए और उनके खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से जरूरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए और शिव भजनों का प्रसारण सुनिश्चित हो, जिससे श्रद्धालु भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से जुड़ाव महसूस करें। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के स्वागत हेतु प्रमुख अवसरों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख स्थलों पर चिकित्सा शिविर, प्राथमिक उपचार केंद्र और एम्बुलेंस सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। खाद्य पदार्थों की शुद्धता को लेकर मुख्यमंत्री ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया कि वे खानपान सामग्री की गुणवत्ता और शुद्धता की नियमित जांच सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धा, मर्यादा और अनुशासन का पालन करें।

उन्होंने कहा कि सभी शिवभक्त पवित्र नदियों से जल लेकर भोलेनाथ का जलाभिषेक करें और इस दौरान प्रशासन से पूर्ण सहयोग बनाए रखें। राज्य सरकार श्रद्धालुओं की सेवा, सुविधा और सुरक्षा हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है

75 छोटी नदियों को पुनर्जीवित करने में सहयोग दे रहे आईआईटी संस्थान

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की 75 छोटी और सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने में आईआईटी संस्थान योगी सरकार का सहयोग कर रहे हैं। सीएम योगी के नेतृत्व में इस महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने के लिए प्रमुख तकनीकी संस्थानों और 10 अहम विभागों की सहभागिता से एक समन्वित रणनीति बनाई गई है। नदी पुनर्जीवन कार्य को प्रभावी और सतत बनाने के लिए मंडलायुक्त की अध्यक्षता में अनुश्रवण समिति का गठन किया गया है। साथ ही, जिलों की छोटी एवं सहायक नदियों के पुनरुद्धार के लिए आईआईटी संस्थानों से तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है।

योगी सरकार प्रदेश की नदियों के पुनरुद्धार के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का भरपूर उपयोग कर रही है। इस कार्य में आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू, बीबीएयू लखनऊ और आईआईटी रुड़की जैसे प्रतिष्ठित संस्थान कार्य में तकनीकी मार्गदर्शन दे रहे हैं। ये संस्थान हर नदी की भौगोलिक, पारिस्थितिक और सामाजिक परिस्थितियों का अध्ययन कर उपयुक्त पुनर्जीवन योजना बना रहे हैं। योगी सरकार द्वारा नदियों के कायाकल्प का कार्य वर्ष 2018 से ही मनरेगा योजना के अंतर्गत शुरू किया गया था। अब इस कार्य को और अधिक संगठित, तकनीकी और व्यापक स्वरूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके तहत जलधाराओं की सफाई, चैनलिंग, वर्षा जल संचयन और पौधरोपण जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

योगी सरकार द्वारा तैयार किए गए मास्टरप्लान के अनुसार, नदी पुनर्जीवन अभियान को सुचारू रूप से धरातल पर उतारने के लिए 10 विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की है। इनमें सिंचाई विभाग, लघु सिंचाई, पंचायती राज, वन, बागवानी, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य, शहरी विकास, उत्तर प्रदेश राज्य जल संसाधन एजेंसी, ग्रामीण विकास और राजस्व विभाग शामिल हैं। इन विभागों के समन्वय से प्रत्येक जिले में योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

प्रक्रिया के अंतर्गत, हर मंडल में एक अनुश्रवण समिति का गठन किया गया। जिसकी अध्यक्षता संबंधित मंडलायुक्त कर रहे हैं। यह समिति पुनरुद्धार की योजनाओं का नियमित परीक्षण कर उनकी प्रगति की समीक्षा करती है। इसका उद्देश्य यह है कि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध और गुणवत्ता युक्त हो। योगी सरकार ने जल संरक्षण और प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। इसके लिए जिला गंगा समितियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित की गई है। ये समितियां स्थानीय स्तर पर नदी तंत्र की निगरानी और जन सहभागिता को बढ़ावा दे रही हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करती हैं कि नदी का पुनर्जीवन एक सतत और समावेशी प्रक्रिया बन सके

यूपी के 10 हजार से अधिक स्कूलों का हुआ विलय

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 10 हजार से अधिक परिषदीय स्कूलों का विलय कर दिया गया है। अब यहां पर आंगनबाड़ी केंद्र शिफ्ट किए जाएंगे। बाल वाटिका के रूप में इनका प्रयोग होगा। उत्तर प्रदेश में कम नामांकन वाले 10827 परिषदीय विद्यालयों का बेसिक शिक्षा विभाग ने विलय (पेयरिंग) किया है। अब इन विद्यालयों के खाली भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सर्वे कराएगा। विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने इस संबंध में सभी डीएम को पत्र भेजा है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यालय परिसर में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र को बाल वाटिका घोषित किया गया है। पेयरिंग के बाद खाली विद्यालय भवनों का प्रयोग बाल वाटिका के रूप में किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, खाली हुए विद्यालयों के भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को शिफ्ट करने के लिए जिला स्तर पर सर्वे होगा। इसके लिए सीडीओ की अध्यक्षता वाली कमेटी बनेगी। इसमें बीएसए, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीईओ, संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी भी शामिल होंगे। इनको 15 दिन में सर्वे पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

प्रमुख सचिव ने बताया है कि सर्वे के बाद प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व अभिभावकों की बैठक होगी। इसके बाद शिफ्टिंग के योग्य विद्यालय भवनों का चिह्नांकन होगा। उपयुक्त पाए गए विद्यालयों में आंगनबाड़ी केंद्रों को शिफ्ट किया जाएगा। बता दें, कई जिलों में आंगनबाड़ी केंद्र पंचायत भवनों या अन्य बिल्डिंग में चल रहे हैं। इन्हें पास के विद्यालय में शिफ्ट किया जाएगा।

शिक्षकों और छात्रों के हित में है विलय: सीएम योगी

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी स्कूलों के विलय को शिक्षक व छात्रों के हित में बताया है। कहा कि इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों के विलय को छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों तीनों के हित में बताया है। उन्होंने कहा कि इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री योगी ने ये बातें सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं, उन्हें स्वतंत्र विद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्देश दिया गया, जिससे प्रशासनिक सुविधा, जवाबदेही और शैक्षणिक निगरानी और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पेयरिंग व्यवस्था के कारण खाली हुए विद्यालय भवनों में बाल वाटिकाएं और प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित की जाएं। साथ ही, इन भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जाए ताकि शिशु शिक्षा का आधार सुदृढ़ हो और विद्यालय परिसरों का उपयोग बहुपर्यायी रूप से हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया तय समय-सीमा के भीतर पूरी की जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। मुख्यमंत्री योगी ने बैठक के दौरान उन्होंने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 06 से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति (प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान) इसे सुनिश्चित कराए। इस दिशा में स्कूल चलो अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे। उन्होंने यह भी कहा कि परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र के अभिभावक के बैंक खाते में यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री हेतु 1200 रुपए की सहायता राशि को डीबीटी के माध्यम से शीघ्रता से अंतरित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए ताकि लाभार्थियों को समय पर मदद मिल सके और विद्यालयीन सामग्री की व्यवस्था बाधित न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में आधारभूत संरचना की कमी है, वहां अविलंब संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन का अवसर प्राप्त हो।

मुख्तार अंसारी गिरोह का शूटर शाहरुख पठान मुठभेड़ में ढेर

मुजफ्फरनगर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी जीवा और मुख्तार अंसारी गिरोह का शूटर मुजफ्फरनगर मुठभेड़ में मारा गया है। शाहरुख पठान को मेरठ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। मुजफ्फरनगर में मेरठ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को बड़ी कामयाबी मिली है। मेरठ स्पेशल टास्क फोर्स ने गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी जीवा और माफिया डॉन मुख्तार अंसारी गिरोह के शूटर शाहरुख पठान को मुठभेड़ में मार गिराया। खालापार निवासी शाहरुख पठान ने पुलिस पर 10 से ज्यादा राउंड फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में एसटीएफ ने शार्प शूटर शाहरुख पठान को मार गिराया।

शाहरुख पठान पर एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज थे। एसटीएफ ने मौके से तीन पिस्तौलें बरामद कीं। 60 से ज्यादा कारतूस और एक कार भी बरामद की गई है। पुलिस ने शाहरुख पठान के पास से एक 9 एमएम की देसी पिस्तौल भी बरामद की है। एसटीएफ के एएसपी बृजेश कुमार ने बताया कि एक सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने कार सवार बदमाश की घेराबंदी की थी। देर रात छपार क्षेत्र में बिजोपुरा तिराहे पर कार सवार बदमाश से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में मुजफ्फरनगर जनपद के थाना खालापार के मोहल्ला खालापार निवासी शाहरुख पठान मारा गया। उससे देसी पिस्टल सहित तीन पिस्टल व 50 से अधिक कारतूस बरामद हुए। एएसपी ने बताया कि मुठभेड़ में ढेर बदमाश के खिलाफ एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह पूर्व में पुलिस कस्टडी में हत्या भी कर चुका है। उसके बारे में अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

शराब से यूपी को 56000 करोड़ रुपए का राजस्व

पांच लाख को रोजगार, आईएसडब्लूएआई ने जारी की रिपोर्ट

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में आबकारी विभाग ने करीब 56 हजार करोड़ का योगदान दिया है, जो जीडीपी का 2.4 फीसदी है। साथ ही 5.3 लाख लोगों को रोजगार दिया है। इंटरनेशनल स्प्रिट्स एंड वाइन्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएसडब्लूएआई) ने प्रदेश के अल्कोहलिक बेवरेज (एल्कोवेव) उद्योग पर अपनी पहली रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट में राज्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार, कृषि, पर्यटन और औद्योगिक विकास में एल्कोबेव उद्योग की भूमिका को रेखांकित किया गया है।

आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में पारदर्शिता को अपनाकर, एकाधिकार को समाप्त कर, डिजिटल सेवा और निवेशक अनुकूल वातावरण को बढ़ावा दिया गया है। एसोसिएशन के सीईओ संजीत पाधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आर्थिक पावरहाउस के रूप में बदल रहा है। एसोसिएशन के क्षेत्रीय निदेशक परविन्दर सिंह ने कहा कि बियर और अंग्रेजी शराब की कंपोजिट दुकानों का प्रस्ताव इंटरनेशनल स्पिरिट्स एंड वाइन्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया सहित अन्य संगठनों ने दिया था। अब इन कंपोजिट दुकानों में देशी शराब को भी शामिल किया जाए। इससे राजस्व में कम से कम 15 फीसदी की वृद्धि होगी और नकली व मिलावटी शराब पर नकेल कसेगी। यूपी में देशी शराब की सालाना वृद्धि 12 फीसदी और विदेशी शराब की करीब 6 फीसदी है।

देश में शराब के साथ अब लोग सेहत का भी ध्यान रख रहे हैं। यही वजह है। कि शराब की 52 प्रतिशत खपत के बाद बीयर की 48 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, अभी केवल 0.4 प्रतिशत की खपत वाली वाइन इंडस्ट्री हर साल 3-4 प्रतिशत की दर से तेजी से बढ़ रही है। विदेशी बाजारों में जहां वाइन का बोलबाला है, वहीं भारत में यह उभरता हुआ विकल्प बन रहा है। अगर सरकारी नीतियों का साथ मिले तो प्रदेश में वाइन इंडस्ट्री फल फूल सकता है। लखनऊ के गोमतीनगर स्थित आईजीपी में आयोजित एक सम्मेलन में उद्यमियों ने कहा कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, सिक्किम की तरह यूपी में भी माइक्रोवेवरी, जीरो अल्कोहल बीयर, व डोर स्टेप डिलीवरी की सुविधा दी जाए। साथ ही, अन्य राज्यों में भेजने पर लगने वाला 150 प्रतिशत टैक्स खत्म कर निर्यात को बढ़ावा देने की बात कही गई।

इंटरनेशनल स्प्रिट्स एंड वाइन एसोसिएशन में टैक्स एडवाइजर सुरेश मेनन का कहना है कि वाइन के क्षेत्र में सरकार को स्पष्ट नीति बनाने की जरूरत है। कर्नाटक की तरह साल में एक ही दुकानदार को लाइसेंस का रिन्यू करना चाहिए। माधवेंद्र देव सिंह का कहना है कि माल ब्लाक में हाल ही में वाइन की इंडस्ट्री लगाई है। आम, शहतूत, नींबू, पुदीना और शहद के मिश्रण से वाइन बनेगी। अगले एक महीने में बाजार में उत्पाद लॉन्च हो जाएगा। ग्लोबल स्पिरिट्स लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमिताभ सिंह का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में शराब में इस्तेमाल होने वाली एल्कोहल की शुद्धता बढ़ी है, जिससे सेहत को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचता है। स्पिरिट बाजार और आगे बढ़ेगा। उद्यमी अश्विन रोड्रिग्स का कहना है कि यूपी में आम, केला, अमरूद बहुतायत में है, जिसके पल्प से वाइन बन सकती है। महाराष्ट्र की तरह यूपी में एक्शन प्लान बनाया है, जिसे आबकारी विभाग को सौंपा गया है।

शराब के कारोबार पर टिका है यूपी का कांच उद्योग

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी का कांच उद्योग शराब पर टिका है। इंटरनेशनल स्प्रिट्स एंड वाइन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में चौंकाने वाली बात सामने आई है। कांच उत्पाद का करीब 88 फीसदी माल शराब कंपनियों में सप्लाई होता है। कांच सेक्टर की रीढ़ शराब है। शराब की बिक्री घट जाए तो सबसे पहले कमर कांच उद्योग की टूटती है, क्योंकि कुल कांच उद्योग का करीब 88 फीसदी खपत शराब कंपनियों में होता है। कांच की बोतलों की अहमियत इसी से समझी जा सकती है कि महंगी शराब और बीयर की कीमत की 25 फीसदी तक लागत इन बोतलों की होती है।

फिरोजाबाद का लगभग पूरा कांच उद्योग ही इस पर टिका है। सिर्फ 12 फीसदी कांच से गिलास, झूमर व अन्य उत्पाद तैयार होते हैं। यह खुलासा इंटरनेशनल स्प्रिट्स एंड वाइन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की यूपी पर जारी रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक आज भी शराब बाजार में 65 फीसदी हिस्सेदारी देशी मदिरा की है। हालांकि, विदेशी शराब की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। मध्यम श्रेणी की शराब की सालाना ग्रोथ दर सात फीसदी है जबकि विदेशी श्रेणी की शराब की सालाना ग्रोथ दर 32 फीसदी है, जो देश में सर्वाधिक है। इस श्रेणी की शराब की बिक्री बढ़ने से कांच उद्योग की ग्रोथ पर भी सीधा असर हुआ है क्योंकि महंगी शराब में इस्तेमाल होने वाली बोतलें भी महंगी होती हैं।

अखिल भारतीय कांच निर्माता संघ के मुताबिक भारत में तैयार होने वाले 88 प्रतिशत कंटेनर कांच का उपयोग शराब और बीयर में होता है। इस कांच का 69 प्रतिशत फीसदी शराब और 19 फीसदी बीयर की बोतलें बनाने में इस्तेमाल होता है। साफ है कि शराब उद्योग के लिए कांच की बोतलें, विशेष रूप से नियमित और प्रीमियम सेगमेंट में महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये बोतलें उनकी कुल लागत का 20-25 प्रतिशत तक होती हैं। फिरोजाबाद प्रदेश में कांच उद्योग का गढ़ है।

संपादकीय

हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। निश्चित ही आधुनिकता की आंधी में संयम का जीवन और आवश्यकताओं को सीमित करना कठिन कार्य है, लेकिन बचाव का संभवतः अंतिम उपाय यही है। बहुमंजिला इमारतों को सीमित करना, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और निर्माण से पहले जमीन की क्षमता का आकलन करना जरूरी हो जाता है। नदियों में होने वाले अवैध खनन को रोकना भी उतना जरूरी है, जितना जंगलों का कटान रोकना जरूरी है।

पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है।

कुछ अलग

अब कागज तुम्हीं दिखाओगे

तक बडे नारे गूंज रहे थे और गाने गाए जा रहे थे कि जनाब हम कागज नहीं दिखाएंगे। पर अब नहीं दिखाओगे तो वोट कट जाएगा। लोग कह रहे हैं कि जब गृह मंत्री पूरे देश में एनआरसी करवाने की बात कह रहे थे और जब शाहीन बाग में कागज नहीं दिखाएंगे के नारे लगाए जा रहे थे तो वक्त रहते चुनाव आयोग का ट्यूशन क्यों नहीं लगवा दिया। भैया वो क्रोनोलॉजी नहीं समझाते। वो तो झटके में आपके नाम पर वैसे ही कलम फेर देते जैसे गर्दन पर चाकू। ॥ खैर एनआरसी के वक्त जिस क्रोनोलॉजी का इतना खौफ था आज उससे भी ज्यादा खौफ चुनाव आयोग के गहन पुनरीक्षण का हो गया है। जी लोग कह रहे हैं कि यह एनआरसी का ही दूसरा नाम है और रस्ता दूसरा है। इसीलिए लोग कह रहे हैं कि गुरु गुड ही रह गया और चेला शक्कर निकल गया। जी लोग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अमित शाह का चेला बता रहे हैं न इसलिए। उधर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को अपनी काबलियत पर पहली बार शक हुआ होगा कि यार महाराष्ट्र में वोट बढा कर भक्ति–भजन करने का क्या फायदा हुआ जब वोट काट कर उससे भी बडा भक्त बना जा सकता है। जी लोग यही कह रहे हैं कि यह रिवर्स टाइप का महाराष्ट्र चुनाव प्रकरण है।

बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने देश में पहली बार नगर निगम चुनाव में मोबाइल से मतदान कराया

वोटिंग ने रच दिया इतिहास

प्रमोद भार्गव

मोबाइल से मतदान की सुविधा उन लोगों के लिए वरदान साबित हुई, जो मतदान केंद्र पर पहुंचकर वोट देने से मजबूर थे। तमाम मतदाता गांव और राज्य से बाहर होने के कारण मतदान करने से वंचित रह जाते हैं। लेकिन मोबाइल से ई–मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में 80 .60 प्रतिशत और उपचुनाव में 58 .38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई–वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुश मतदाता मुन्ना कुमार बने। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई–मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीए देश एस्टोनिया से ली। चूंकि अब ई–वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविश्य में इसकी मांग बढ़ेगी। जो गर्भवती महिलाएं, बुर्जुग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी।

देश में मतदान के प्रति अरुचि प्रत्येक चुनाव में देखने में आती रही है। रोगग्रस्त या अन्य लाचारों को तो छोड़िए, उच्च शिक्शित एवं सक्शम कुलीन वर्ग मतदान के प्रति सबसे ज्यादा उदासीन रहता है। वैसे तो निर्वाचन आयोग मतदान का प्रतिशत और सुविधा के मतदान के लिए अनेक प्रयोग करता रहा है, लेकिन अब बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय के उपचुनाव में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करके इतिहास रच दिया है। मोबाइल से मतदान की सुविधा उन लोगों के लिए वरदान साबित हुई, जो मतदान केंद्र पर पहुंचकर वोट देने से मजबूर थे। तमाम मतदाता गांव और राज्य से बाहर होने के कारण मतदान करने से वंचित रह जाते हैं। लेकिन मोबाइल से ई-मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में 80.60 प्रतिशत और उपचुनाव में 58.38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई-वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुश मतदाता मुन्ना कुमार बने। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई-मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीए देश एस्टोनिया से ली। चूंकि अब ई-वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविश्य में इसकी मांग बढ़ेगी। जो गर्भवती महिलाएं, बुर्जुग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी। इस सुविधा से एक बड़ी समस्या का सामाधान बिना किसी अतिरिक्त खर्च के हो जाएगा। चूंकि मतदान केंद्रों पर विभिन्न दलों का जमावड़ा नहीं होगा, इसलिए निश्पक्श और शांतिपूर्ण मतदान की संभावना बढ़ जाएगी। इससे मतदान की निजता भी प्रभावित नहीं होगी। इससे मतदान के प्रतिशत में आशातीत सुधार तो होगा ही, जातीय और सांप्रदायिक धुरवीकरण की संभावनाएं न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना, बक्सर, रोहतास, सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था। अब यह जरूरी लगता है कि जब पैसे के लेनदेन से लेकर अचल संपत्ति के हस्तांतरण के काम ऑनलाइन या डिजिटल प्रणालियों से हो रहे हैं तो फिर ई-मतदान को भी जरूरी बनाया जाए। बिहार के उपचुनाव में मोबाइल एप से ई-वोटिंग की प्रक्रिया प्रमाणित भी हो चुकी है। ई-वोटिंग को इसलिए भी अपनाया जाए, क्योंकि पूर्व से ही हमारे यहां पोस्टल वोटिंग का वैधानिक प्रावधान है। मतदान संपन्न कराने में जुटे कर्मचारी अपना वोट पोस्टल वोटिंग के जरिए ही देते हैं। अब कोई राजनीतिक दल और नेता यह बहाना नहीं बना सकता है कि अभी इंटरनेट या बिजली की सुविधा दुर्गम क्शेत्रों में नहीं है। एक बार बिजली भले ही प्रत्येक ग्राम में न हो, लेकिन सौर ऊर्जा से बिजली और मोबाइल टॉवर गांव-गांव पहुंच गए हैं। इनके जरिए इंटरनेट की सुविधा हासिल कराई जा रही है। सौर जैसी वैकल्पिक ऊर्जा दूर-दराज के ग्रामों में बिजली उपलब्ध करा रही है। फिर भी

किसी गांव में बिजली नहीं है तो वहां ईवीएम के जरिए मतदान कराया जाए। ई-वोटिंग को चरणबद्ध रूप में कराए जाने का सिलसिला जल्द से जल्द शुरू होता है तो लोकतंत्र में लोगों की उम्मीद से ज्यादा भागीदारी बढ़ती दिखाई देगी। हालांकि मोबाइल से ई-वोटिंग को लेकर कुछ नेता अभी से संदेह जताने लगे हैं। उनका कहना है कि मोबाइल एप पर पंजीकरण में कठिनाई आएगी। गांव के प्रभावी लोग दबाव बनाकर पक्शपातपूर्ण एवं फर्जी मतदान करा सकते है। भारत में फर्जी और दबाव से मतदान की अपवाद स्वरूप घटनाएं आज भी देखने में आ जाती हैं। ईवीएम से मतदान पर आज भी विपक्शी दल सवाल उठा रहे हैं। लेकिन ईवीएम की साख पर ठोस प्रमाण कोई दल या इंजीनियर आज तक नहीं दे पाया है। ई-वोटिंग पूरे देश के लिए अपना ली जाती है तो चुनाव खर्च में तो कमी आएगी ही, तकनीक की सार्थकता भी पेश आएगी।घरेलू प्रवासी मतदाताओं के लिए ई-वोटिंग की जरूरत इसलिए है, क्योंकि बड़ी संख्या में देश के मतदाता मजदूरी, पढ़ाई-लिखाई, नौकरी और अन्य काम-धंधों के लिए मूल निवास स्थल छोड़ जाते हैं। इसलिए वे चुनावों में अपने मताधिकार का उपयोग नहीं कर पाते। आयोग का कहना है कि 2019 के आम चुनाव में करीब 30 करोड़ यानी 67.4 प्रतिशत लोग इन्हीं कारणों के चलते अपने मत का उपयोग नहीं कर पाए थे। ऐसा लोकसभा और विधानसभा दोनों ही चुनावों में होता है। चुनाव विशेशज्ञों का तो यहां तक मानना है कि करीब 45 करोड़ लोग पलायन के चलते मतदान से वंचित हो जाते हैं। इसलिए लंबे समय से यह मांग उठ रही थी कि इन देशज प्रवासियों के मतदान का कोई व्यावहारिक उपाय निकाला जाना चाहिए। इस नजरिए से प्रवासियों के लिए ई-वोटिंग उपयोगी है। हालांकि चुनाव सुधार की दृश्टि से चुनाव आयोग ने घर से दूर रहने वाले अर्थात दूरस्थ मतदाताओं के लिए रिमोट वोटिंग सिस्टम (आरवीएस) तैयार किया हुआ है। इस मशीन की मदद से अब मूल मतदान स्थल से दूर रह रहे किसी दूसरे राज्य या शहर में रहने वाले मतदाता लोकसभा और विधानसभा चुनाव में अपने मत का प्रयोग कर सकते हैं। यानी मतदान के लिए उन्हें अपने मूल निवास स्थल पर आने की जरूरत नहीं रह गई हैं। आयोग इसे लागू करने से पहले आने वाली कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियों पर राजनीतिक दलों के विचार भी आमंत्रित किए जाएंगे। चुनाव सुधार की दृश्टि से यह पहल अमल में आती है तो ऐतिहासिक होगी। नतीजतन उन 45 करोड़ लोगों को वोट डालने का अवसर मिलेगा, जो अपने घरों से दूर रहते हैं। यह उपाय मत-प्रतिशत बढ़ाने का भी काम करेगा। यानी जनप्रतिनिधियों का चुनाव अधिकतम मतदाताओं के वोट डालने से होगा, जो लोकतंत्र को पारदर्शी बनाने का काम करेगा। इस सिलसिले में आयोग ने दावा किया है कि यह मशीन त्रृटिहीन बनाई गई है, इसलिए मतदान निश्पक्श होगा। हालांकि मतदान की इस प्रक्रिया को इंटरनेट से नहीं जोड़ा जाएगा। आयोग फिलहाल इसे प्रायोगिक तौर पर लागू करना चाहता है, जिससे इसके प्रयोग की निश्पक्शता स्पश्ट हो जाए। बाद में इसे पूरे देश में अनिवार्य बना दिया जाएगा। अनेक चुनाव विशेशज्ञ इस प्रणाली को एक क्रांतिकारी पहल मानकर चल रहे हैं। देश में निसंदेह एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जो अपना घर और शहर छोड़कर आजीविका के लिए दूसरे शहरों या राज्यों में रह रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में युवा हैं। हालांकि इनका कोई एकीकृत आंकड़ा देश और आयोग के पास नहीं है। फिर भी सब जानते है कि बड़ी संख्या में प्रवासी मतदाता हैं। ये लोग नई जगह पहुंचने के बाद नया वोटर पंजीयन भी नहीं कराते हैं। नतीजतन मतदान से वंचित रहते हैं। इन्हें जहां रह रहे हैं, वहीं मतदान की सुविधा मिल जाए, इस नजरिए से आरवीएम की परिकल्पना की गई है। आईआईटी मद्रास की मदद से 'मल्टी कॉन्स्टीचुएंसी रिमोट ईवीएम' के रूप में ऐसा मतदान उपकरण तैयार किया गया है, जो एक रिमोट मतदान केंद्र से 72 निर्वाचन क्शेत्रों में प्रवासियों का मतदान कराने में सक्शम होगा। हालांकि आरवीएम के इस्तेमाल को लेकर प्रमुख विपक्शी दल कांग्रेस ने विरोध जता दिया है। कांग्रेस का कहना है कि इससे मतदान के प्रति लोगों का भरोसा कम होगा। प्रणाली शुरू करने का प्रस्ताव पेश किया है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आदर्श स्थिति यही है कि हरेक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे। इस नाते 2005 में भाजपा के एक सांसद लोकसभा में 'अनिवार्य मतदान' संबंधी विधेयक लाए भी थे। लेकिन बहुमत नहीं मिलने के कारण विधेयक पारित नहीं हो सका था। कांग्रेस व अन्य दलों ने इस विधेयक के विरोध का कारण बताया था कि दबाव डालकर मतदान कराना संविधान की अवहेलना है। क्योंकि भारतीय संविधान में अब तक मतदान करना मतदाता का स्वैच्छिक अधिकार तो है, लेकिन वह इस कर्तव्य-पालन के लिए बाध्यकारी नहीं है। लिहाजा वह इस राश्ट्रीय दायित्व को गंभीरता से न लेते हुए, उदासीनता बरतता है। हमारे यहां आर्थिक रूप से संपन्न सुविधा भोगी जो तबका है, वह अनिवार्य मतदान को संविधान में दी निजी स्वतंत्रता में बाधा मानते हुए इसका मखौल उड़ाता है। मतदान की अनिवार्यता अथवा ई-वोटिंग या आरवीएम से सुविधा का मतदान कथित अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को 'वोट बैंक' की लाचारगी से भी छुटकारा दिलाएगी।

देश दुनिया से

संकट से सबक लें भारतीय विश्वविद्यालय

ज्ञान मानव चेतना और मेहनत से विकसित एक सतत सामाजिक शक्ति है, जो प्रारंभ में निःशुल्क साझा और अनुकरण द्वारा बढ़ता रहा। समय के साथ, इसे आर्थिक और राजनीतिक संसाधन के रूप में संगठित किया गया, जिससे इसका उपयोग एक नियंत्रित यंत्र की तरह होने लगा। ज्ञान सामाजिक विरासत और जिम्मेदारी है। ज्ञान साझा करने की नियंत्रित प्रणाली को शिक्षा प्रणाली कहा जाता है, जिसे राज्य की कानून व्यवस्था के तहत योजनाबद्ध किया गया है। आज इसे उद्योग और वित्तीय क्षेत्र धन उत्पादन के साधन के रूप में भी नियोजित किया जाता है। शिक्षा प्रणाली में ज्ञान के प्रसारण, अनुसंधान और विकास को राज्य सत्ता के प्रतिनिधि अपनी नीतियों के अनुसार नियंत्रित करते हैं, ताकि वे अपने हितों की सेवा कर सकें। विज्ञान, औद्योगिक क्रांति और पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के उदय के बाद ज्ञान भी बाजार में एक वस्तु बन गया है। औद्योगीकरण, सामाजिक संरचना और श्रम परिवर्तन की जरूरत ने जन शिक्षा पर जोर बढ़ाया है। राजतंत्र से लोकतंत्र और उदार लोकतंत्र की ओर बदलाव ने मानव अधिकारों, बहुसंस्कृति, समानता और समावेश को उदार पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का मानवीय पहलू बनाया है। संयुक्त राज्य अमेरिका उदार पूंजीवादी नीतियों के साथ दुनिया के प्रमुख उदार लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है, जहां हर मूल के व्यक्ति को अपने सपनों को पूरा करने और योग्यता के आधार पर नागरिकता पाने का अवसर मिलता है। इसकी शिक्षा प्रणाली विश्व की श्रेष्ठ प्रणालियों में से एक मानी जाती है, जो उच्चतम कौशल और ज्ञान प्रदान करती है, जिसका उदाहरण हार्वर्ड विश्वविद्यालय है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी पार्टी ने राष्ट्रपति पद संभालने के बाद उदार आव्रजन और शिक्षा नीतियों पर प्रतिबंध लगाने शुरू किए। ट्रम्प प्रशासन ने इस्राइल-विरोधी प्रदर्शनों

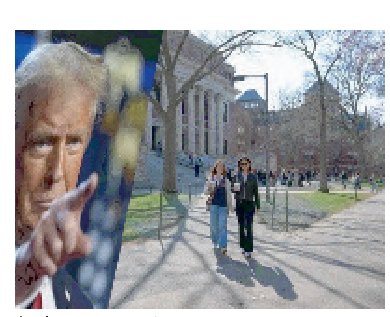

के दौरान यहूदी-विरोधी भावना रोकने में विफल रहने का आरोप लगाकर हार्वर्ड और अन्य विश्वविद्यालयों पर कार्रवाई की है। उनसे विद्यार्थी प्रवेश और फैकल्टी भर्ती डेटा साझा करने और समावेशी कार्यक्रम बंद करने को कहा गया है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रम्प प्रशासन के डीईआई कार्यक्रमों को बंद करने और प्रवेश-भर्ती डेटा साझा करने के आदेश को मानने के बजाय अदालत में चुनौती दी है। इसके जवाब में संघीय सरकार ने हार्वर्ड की 2.2 बिलियन डॉलर की शोध अनुदान राशि रोक दी है, कर-मुक्त दर्जा वापस लेने और छात्र विनिमय प्रमाणपत्र रद्द करने के आदेश जारी किए हैं। सरकारी प्रतिबंधों से हार्वर्ड को वित्तीय संकट के साथ-साथ विदेशी छात्रों के एफ और जे विज़ा नामांकन पर भी असर पड़ता, लेकिन हार्वर्ड ने अपने मूल्यों पर अडिग रहते हुए इन आदेशों को अदालत में चुनौती दी। अदालत ने सुनवाई तक सरकारी आदेशों पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसने ट्रम्प-हार्वर्ड विवाद और अमेरिकी शिक्षा प्रणाली के भविष्य को दुनिया भर में बहस का विषय बना दिया है। ट्रम्प प्रशासन का लक्ष्य परस्पर विरोधी हितों का राजनीतिकरण करना, उदार विचारधाराओं के प्रसार को रोकना और संकीर्ण राष्ट्रवादी हितों को पूरा करना है, जबकि हार्वर्ड का मुख्य लक्ष्य सार्वजनिक भलाई के लिए उच्च-स्तरीय शिक्षा और शोध को बढ़ावा देना, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करना और अन्याय और अमानवीय कृत्यों का विरोध करने वाली उदार विचारधारा को बढ़ावा देना है। एक अध्ययन के अनुसार, अगस्त, 2024 में, हार्वर्ड मैसाचुसेट्स निवासियों का 5वां सबसे बड़ा नियोक्ता और कैम्ब्रिज शहर में सबसे बड़ा नियोक्ता था और वैश्विक स्तर पर हार्वर्ड के पूर्व छात्रों ने 146,429 नौकरियां पैदा की हैं। हार्वर्ड के कई पूर्व छात्र अपने देशों में शासक या नौकरशाह बन गए हैं। हार्वर्ड ने बेकिंग पाउडर, अंग प्रत्यारोपण, ओआरएस, फंक्शनल एमआरआई, पोर्टेबल सर्जरी, लॉजिकल क्वांटम प्रोसेसर और जीन-एडिटिंग दवाओं जैसे मानवता के लिए उपयोगी आविष्कार किए हैं। उसके पास लगभग 5,800 पेटेंट हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हार्वर्ड की आय के मुख्य स्रोत दान तथा उपहार, शिक्षा-शिक्षण, आवास तथा खाद्य बिक्री, अनुसंधान अनुदान, जिसमें संघीय अनुदान और गैर-संघीय अनुदान है और अन्य स्रोत हैं। संघीय अनुसंधान अनुदान, जिसे ट्रम्प प्रशासन ने अवरुद्ध कर दिया है, जो अनुसंधान कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। सबसे चिंता की बात है कि अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायाधीशों की सरकारी नीतियों को रोकने की शक्ति सीमित कर दी है। ट्रम्प प्रशासन के दबाव में वर्जीनिया विश्वविद्यालय के प्रमुख ने इस्तीफा दिया है। हार्वर्ड अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प भी सोच रहा है। हार्वर्ड संकट से भारतीय विश्वविद्यालय कई सबक ले सकते हैं, जैसे शैक्षणिक गुणवत्ता को प्राथमिकता देना, बहुसांस्कृतिक और समावेशी वातावरण बनाना, खुली बहस को प्रोत्साहन, शिक्षा को मानव कल्याण से जोड़कर दान आकर्षित करना, सरकारी निर्भरता घटाना, कल्याण आधारित कार्य संस्कृति अपनाना और सभी को निष्पक्ष, निडर व कानून के प्रति जागरूक बनाना।

आप का नजरिया

पाकिस्तान तो महज चेहरा सीमा पर कई दुश्मन थे

सीमा पर कई दुश्मन थे ऑपरेशन सिदूर के दौरान भारतीय सेना को किस-किस मुश्किलों का सामना करना पड़ा। यह रहस्य अभी धीरे-धीरे खुल रहे हैं। आपरेशन सिदूर की परतें खुलने लगी हैं। ऑपरेशन सिदूर भारत की सैन्य रणनीति में एक मील का पत्थर बनकर उभरा है। जो खुफिया जानकारी से संचालित युद्ध, वृद्धि पर नियंत्रण और तकनीकी तत्परता के बारे में बहुमूल्य सबक प्रादान करता है, यह बात डिप्टी चीफ ऑफ आमा स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिह ने कही हैं। शुव्रावार को न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजी पर फिक्की के एक कार्यव्राम में बोलते हुए जनरल सिह ने इस ऑपरेशन को भारत की एकीवृत सैन्य शक्ति का प्रादर्शन करते हुए सही समय पर संघर्ष को रोकने के लिए तैयार किया गया एक मास्टरली स्ट्रोक बताया। पूर्ण पैमाने पर युद्ध के बिना रणनीतिक वृद्धि युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन इसे नियंत्रण करना बहुत मुश्किल है। फिक्की के कार्यव्राम को संबोधित करते हुए भारत और पाकिस्तान संघर्ष के दौरान चीन की भूमिका पर बात की। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि पिछले 5 साल में पाकिस्तान को मिलने वाला 81 फीसदी सैन्य हार्डवेयर चीन से ही आया है। सिह का कहना है कि हालिया संघर्ष में पाकिस्तान के साथ चीन की तो बड़ी भूमिका थी ही पर इस दौरान तुकाये की पाकिस्तान को दी गईं सैन्य मदद का भी जिव्रा किया। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान पाकिस्तान की ओर से कईं ड्रोन इस्तेमाल किए गए। जो तुर्विये से आए थे। वो कहते हैं ऑपरेशन सिदूर के बारे में वुछ सबक है जो मैं जरूरी समझता हूं बताना। सबसे पहले एक सीमा पर दो दुश्मन नहीं थे। हमने सिर्प पाकिस्तान को तो सामने देखा, लेकिन दुश्मन असल में दो थे, बल्कि अगर कहें तो तीन या चार भी थे। पाकिस्तान तो सिर्प सामने दिखने वाला चेहरा था। हमें चीन से (पाकिस्तान को) हर तरह की मदद मिलती दिखी और ये कोईं हैरानी की बात नहीं है, क्योंकि चीन पिछले पांच सालों से पाकिस्तान की हर क्षेत्र में मदद करता रहा है। उनका कहना है एक बात जो चीन ने शायद देखी है वो ये कि वो अपने हथियारों को अलग-अलग सिस्टम के खिलाफ आजमा सकता है। जैसे एक तरह की लाइव लैब उसे मिल गईं हो। इसके अलावा तुकाये ने भी बहुत अहम भूमिका निभाईं, जो पाकिस्तान को हर तरह से समर्थन दे रहा था। हमने देखा कि युद्ध के दौरान कईं तरह के ड्रोन भी वहां पहुंचे और उनके साथ उनके प्राशिक्षित लोग भी थे। जनरल सिह ने कहा कि एक और बड़ा सबक ये है कि कम्युनिकेशन निगरानी और सेना नागरिक तालमेल। इसका उदाहरण देते हुए कहते हैं, जब डीजीएमओ लेवल की बातचीत हो रही थी, तब पाकिस्तान कह रहा था कि हमें मालूम है कि आपकी एक यूनिट पूरी तरह तैयार है। वृपा इसे पीछे कर लें। यानि चीन उन्हें लाइव इनपुट दे रहा था। इस मामले में हमें बहुत तेजी से काम करना होगा। मैंने इलेक्ट्रानिक वार पेयर की बात की और मजबूत एयर डिपेंस सिस्टम की जरूरत भी बताईं। लेकिन हमारे आबादी वाले इलाकों की रक्षा भी जरूरी है। जहां तक बाकी बात है, हमारे पास वो सहूलियते नहीं है जो इजरायल के पास है। वहां आयरन डोम जैसा सिस्टम है और कईं एयर डिपेंस फीचर हैं। हमारे देश का दायरा बहुत बड़ा है तो इस तरह की चीजों पर बहुत पैसा लगता है इसलिए हमें सैंसेटिव हल ढूंढने होंगे। जनरल सिह ने कहा कि एक और बड़ा सबक मिला कि हमारे पास मजबूत और सुरक्षित सप्लाईं चेन होनी चाहिए। उन्होंने इसे सोच के नजरिए से समझाते हुए कहा कि जो उपकरण हमें इस साल जनवरी या पिछले साल अक्टूबर-नवम्बर तक मिलने चाहिए थे, वो वक्त पर नहीं पहुंच सके। मैंने ड्रोन बनाने वाली वंपनियों को बुलाया था और पूछा था कि कितने लोग तय समय पर उपकरण दे सकते हैं। तो कईं लोगों ने हाथ उठाए। लेकिन एक हफ्ते बाद जब फिर से बात की, तब वुछ भी सामने नहीं आया। इस बीच कांग्रोस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि डिप्टी चीफ आमा स्टॉफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिह ने सार्वजनिक मंच से वही बात साफ कर दी है जो लम्बे वक्त से चर्चा में थी। उन्हौंने एक्स पर लिखा और बताया कि किस तरह चीन ने पाकिस्तान एयरफोर्स की असाधारण तरीके से मदद की। यह वही चीन है जिसने पांच साल पहले लद्दाख में यथास्थिति पूरी तरह बदल दी थी। जनरल सिह ने देश को चेता दिया है कि अगले संघर्ष में भारत को फिर किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। जिसके लिए हमें तैयारी आज से ही शुरू करनी होगी।

दृष्टि कोण

किसानों को विवशता की हद से मुक्त कराएं

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक छोटा-सा वीडियो वायरल हुआ था। आपने भी देखा होगा एक बूढ़ा किसान बैल बनकर अपने खेत को जोत रहा है। उसे कितनी ताकत लगानी पड़ रही है इस काम में, इसका अहसास उसके चेहरे को देखकर अनायास ही हो जाता है। उसके पीछे से टेका देने का काम उसकी बूढ़ी पत्नी कर रही है। यह चित्र लगभग 70 वर्षीय किसान अम्बादास पवार और उसकी पत्नी का है। चार बीघा जमीन है दोनों के पास। पर हल चलाने के लिए बैल खरीदना उसके बस की बात नहीं है। इसलिए वह खुद बैल बन गया है! ज्ञातव्य है कि यह दृश्य उस महाराष्ट्र का है जिसकी गणना देश के विकसित राज्यों में होती है। ज्ञातव्य यह भी है कि देश में किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं में महाराष्ट्र के किसानों की संख्या सर्वाधिक है- पिछले तीन महीनों में अर्थात् अप्रैल, मई, जून, 2025 में महाराष्ट्र में 767 किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा है! पिछले दस सालों में यह आंकड़ा औसतन प्रतिदिन दस आत्महत्याओं का पड़ता है। पचपन साल पहले देश में हरित क्रांति हुई थी। यह एक सच्चाई है। कृषि क्षेत्र में हमारे कृषि वैज्ञानिकों और हमारे किसानों ने 1970 में इस सच्चाई को साकार किया था। लेकिन यह सच्चाई जितनी मीठी है, उतनी ही कड़वी यह सच्चाई भी है कि हरित क्रांति के बावजूद हमारे किसानों की हताशा के फलस्वरूप देश में होने वाली आत्महत्याओं की संख्या लगातार डरावनी बनी हुई है। किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं का यह शर्मनाक सिलसिला हरित क्रांति के चार-पांच साल बाद ही शुरू हो गया था! इसका कारण खोजने की आवश्यकता नहीं है, यह एक खुला रहस्य है कि कृषि क्षेत्र में विकास के सारे दावों के बावजूद अधिसंख्य किसान अभावों की जिंदगी ही जी रहे

हैं। इस दौरान बड़े-बड़े दावे हुए हैं किसानों के विकास के। करोड़ों-करोड़ों रुपया कथित 'खुशहाल किसानों' की तस्वीर दिखाते विज्ञापनों पर खर्च हो रहा है; हर किसान का बैंक खाता होने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि विज्ञापनों की सच्चाई और स्थिति की भयावहता कुछ और ही वर्णन कर रही है। यदि हमारा अन्नदाता सचमुच समृद्ध होता जा रहा है तो फिर देश की अस्सी करोड़ आबादी मुफ्त अनाज लेने के लिए विवश क्यों है? इस मुफ्त अनाज को भले ही कुछ भी नाम दिया जाये, पर हकीकत यही है कि सरकार के सारे दावों और वादों के बावजूद देश का औसत किसान आज भी ऋण में पैदा होता है, ऋण में जीता है और ऋण में ही मरने के लिए शापित है। यह शाप कब दूर होगा? किसानों की दुर्दशा के जो कारण बताये जाते हैं, उनमें सबसे पहला स्थान ऋण का ही है। साहूकारों से, बैंकों से और अन्य सरकारी एजेंसियों से हमारा किसान ऋण लेता है। और यह ऋण समाप्त होने का नाम ही नहीं लेता! जिन्हें ऋण मिल जाता है, उनकी जिंदगी उसे चुकाने में ही कट जाती है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि भारत का किसान उन उद्योगपतियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार है जो बैंकों से अरबों का ऋण लेते हैं और या तो स्वयं को दिवालिया घोषित कर देते हैं या फिर विदेश में कहीं ऐसी जगह पर बस जाते हैं जहां से उन्हें भारत प्रत्यर्पित करना आसान नहीं होता। अरबों-खरबों के इन देनदारों को इस बात से भी कोई अंतर नहीं पड़ता कि दुनिया उन्हें बेईमान कह रही है। उनकी तुलना में हमारा किसान कहीं अधिक शर्मदार है। ऋण न चुका पाने की स्थिति में वह शर्म से गड़ जाता है।

अमेरिका में आएगा विनाशकारी भूकंप 100 फीट ऊंची उठेगी सुनामी!

वाशिंगटन,14 जुलाई (एजेंसियां) । अमेरिका के ऊपर बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है। यह खतरा किसी देश या आतंकवादी संगठन से नहीं, बल्कि प्राकृतिक है।वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि निकट भविष्य में अमेरिका में सुनामी आ सकती है।एक अध्ययन में पाया गया है कि अमेरिका के कैस्केडिया सबडक्शन जोन में साल 2100 तक एक विनाशकारी भूकंप आना तय है। आने वाले 50 सालों में कभी यह आ सकता है, जिसकी 37 फीसदी संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने 100 फीट ऊंची सुनामी आने की चेतावनी दी है जो पश्चिमी तट के अधिकांश हिस्से को तबाह कर देगी। कैस्केडिया सबडक्शन जोन उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट से करीब 1100 किलोमीटर लंबी भ्रंश रेखा है, जहां टेक्टोनिक

वैज्ञानिकों की चेतावनी पश्चिमी तट के ज्यादातर हिस्से हो जाएंगे तबाह

प्लेट, हुआन डे फूका प्लेट, दूसरी टेक्टोनिक प्लेट, उत्तरी अमेरिकी प्लेट के नीचे खिसकती है। यह कनाडा के उत्तरी वैंकूवर द्वीप से लेकर अमेरिका के पश्चिमी तट के दक्षिणी आधे हिस्से तक फैली है, जो वॉशिंगटन, ओरेगन और कैलिफोर्निया के तटों के साथ-साथ चलती है।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगर 8.0 से 9.0 तीव्रता का भूकंप आया तो 100 फीट ऊंची सुनाती लहरें उठेंगी, जो पश्चिमी तट के अधिकांश हिस्से को तबाह कर देंगी। इसके तटरेखा तुरंत करीब 8 फीट नीचे धंस जाएगी। अनुमान है कि अकेले सीएसजे भूकंप से 5800 मौतें होंगी। वहीं, इसके चलते आने वाली सुनामी के कारण 8000 और लोग मारे जाएंगे। शोधकर्ताओं की अंतरराष्ट्रीय टीम ने कहा कि बढ़ते समुद्र स्तर के कारण ये भविष्यवाणियां समय के साथ और भी बदतर होती जाएंगी।

स्टडी की प्रोफेसर ने कहा कि यह निश्चित रूप से अमेरिका के लिए बहुत ही विनाशकारी घटना होगी।

न्यूज ब्रीफ

ओली सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद चौधरी का मंत्री पद से इस्तीफा

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार से समर्थन वापस लेने वाली नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसद अरुण कुमार चौधरी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनका त्यागपत्र अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने एक हफ्ते पहले ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसी के साथ पार्टी की तरफ से सरकार में सहभागी नागरिक उड्डयन तथा पर्यटन राज्यमंत्री अरुण कुमार चौधरी ने भी अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था। चौधरी ने कहा है कि उन्होंने पांच दिन पहले इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया था। प्रधानमंत्री ने इस्तीफा मंजूर नहीं किया है। उन्होंने सरकारी गाड़ी और सुरक्षा गार्ड भी वापस कर दिए हैं। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के पास चार सांसद हैं। पांच सांसदों वाले जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने भी ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। दोनों दलों के समर्थन वापस लेने के बावजूद प्रतिनिधि सभा में सरकार बहुमत में है। लेकिन राष्ट्रीय सभा में सरकार अल्पमत में आ गई है।

अमेरिका ने बदली डिफेंस स्ट्रैटजी, अब सस्ते हथियारों का करेगा निर्माण

वॉशिंगटन। अमेरिका ने अपनी डिफेंस स्ट्रैटजी में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए सस्ते हथियारों के निर्माण करने का फैसला किया है। अमेरिकी हथियार महंगे होते हैं, जबकि चीन और रूस काफी कम कीमत पर हथियारों का निर्माण करते हैं। ऐसे में अमेरिका ने रक्षा रणनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव करते हुए ड्रोन को अब हाई-टेक हवाई जहाज नहीं, बल्कि बंदूकों में इस्तेमाल होने वाले बुलेट की तरह देखने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने एक मेमो पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि अब से ड्रोन डेवलपमेंट, खरीद और तैनाती में किसी भी तरह की देरी या नौकरशाही अड़चन बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिका की युद्ध नीति में ये बदलाव चीन और रूस के मॉडर्न हथियारों को देखते हुए लिया गया है। खासकर आधुनिक युद्ध में ड्रोन का काफी घातक तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है। चाहे भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष हो या फिर इजराइल-ईरान युद्ध या फिर रूस-यूक्रेन युद्ध... इन संघर्षों से पता चलता है कि जिसके पास अत्याधुनिक ड्रोन हैं, वो बढ़त ले सकता है। रक्षा सचिव के मुताबिक आधुनिक युद्ध सिर्फ भारी टैंकों और मिसाइलों से नहीं, बल्कि सस्ते, फुर्तीले और घातक ड्रोन के जरिये भी लड़ा जाएगा। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब रूस और यूक्रेन जैसे देश सालाना लाखों ड्रोन बना रहे हैं। रूस इस साल करीब 40 लाख ड्रोन बनाने जा रहा है, जबकि यूक्रेन ने थोड़ा और आगे बढ़कर करीब 45 लाख ड्रोन बना रहा है।

चीन में अनोखी परंपराः जीवित मां को ताबूत में बैठाकर बेटे ने निकाली शोभायात्रा

बीजिंग। चीन के हुनान प्रांत से एक अनोखा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक बेटे ने अपनी 70 वर्षीय जीवित मां को ताबूत में बैठाकर मोहल्ले में शोभायात्रा निकाली। इस जुलूस में गाजे-बाजे और पारंपरिक धुनों के साथ 16 लोगों ने ताबूत को उठाया और पूरे मोहल्ले का चक्कर लगाया। पहली नजर में यह अजीब लगने वाली घटना दरअसल चीनी सांस्कृतिक मान्यताओं से जुड़ी है। इस मामले में बेटे का कहना था कि ऐसा करने से उसकी मां को अच्छी किस्मत, लंबी उम्र और शांति का आशीर्वाद मिलेगा। वहीं इस आयोजन में शामिल हुए एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि चीनी संस्कृति में ताबूतों को अशुभ नहीं, बल्कि शुभ माना जाता है। चीनी भाषा में ताबूत को गुआनकाई कहा जाता है, जिसका उच्चारण गुआनक्सी जैसा लगता है। गुआनक्सी का अर्थ होता है धन, सौभाग्य और संबंधों की प्रगाढ़ता। यह परंपरा इस विचार पर आधारित है कि यदि कोई जीवित बुजुर्ग व्यक्ति ताबूत का अनुभव करता है, तो यह एक तरह से उन्हें सम्मान देने, उनकी लंबी उम्र की कामना करने और जीवन के प्रति आभार जताने का तरीका है।

दक्षिण कोरिया : मेडिकल छात्रों का आंदोलन थमा, 17 महीने बाद क्लास में लौटने का ऐलान

सोल,14 जुलाई (एजेंसियां) । दक्षिण कोरिया में मेडिकल छात्र लगभग 17 महीनों के बाद क्लास में लौटने की तैयारी कर रहे हैं। छात्रों ने मेडिकल कॉलेजों में दाखिले बढ़ाने की सरकार की योजना के विरोध में कक्षाओं का बहिष्कार किया था। लगभग 17 महीनों के बाद मेडिकल छात्रों ने वापस लौटने की घोषणा की है।

कोरियन मेडिकल स्टूडेंट एसोसिएशन ने शनिवार को नेशनल असेंबली की शिक्षा एवं कल्याण समितियों और कोरियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की।

संयुक्त बयान में कहा गया, हम नेशनल असेंबली और सरकार पर भरोसा रखते हुए वापस क्लास में लौटेंगे और मेडिकल शिक्षा एवं स्वास्थ्य प्रणाली को सामान्य करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। हालांकि, छात्रों ने अपनी वापसी की सटीक तारीख का उल्लेख नहीं किया।समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, छात्रों ने सरकार से यह भी मांग की कि वह शैक्षणिक कार्यक्रमों को बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए और दीर्घकालिक रूप से मेडिकल प्रशिक्षण के माहौल को बेहतर बनाने के लिए एक परामर्श समिति का गठन करे।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब हजारों ट्रेनी डॉक्टर्स ने अपनी नौकरियों से इस्तीफा दे दिया था और कई मेडिकल छात्रों ने कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया था। वे सरकार की ओर से मेडिकल कॉलेजों में इस साल से 2 हजार सीटें बढ़ाने के फैसले के विरोध में थे।

शिक्षा मंत्रालय ने पहले बताया था कि देशभर के 40 मेडिकल कॉलेजों के 8,305 छात्रों को ग्रेड रिटेंशन के अधीन रखा जाएगा, जिससे उन्हें कम उम्र के छात्रों के साथ फिर से उसी साल की पढ़ाई करनी होगी।

हालांकि सरकार ने बाद में अपना रुख बदल दिया और 2026 के कोटे को लगभग 3 हजार के मूल स्तर पर वापस करने का फैसला किया, लेकिन इसके बावजूद अभी तक सभी प्रशिक्षु डॉक्टर और मेडिकल छात्र पूरी तरह से अस्पतालों और स्कूलों में नहीं लौटे हैं।

यूक्रेन को अमेरिका पैट्रियट वायु रक्षा हथियार देगा

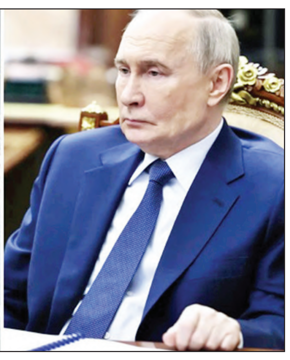

वाशिंगटन,14 जुलाई (एजेंसियां) ।

यूक्रेन और रूस युद्ध को रुकवा पाने से निराश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका अब चुप नहीं बैठेगा। वह यूक्रेन को पैट्रियट वायु रक्षा हथियार भेजेगा। यहां यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप युद्ध रोकने के संबंध में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कई बार चर्चा कर चुके हैं। खबर के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन पहुंचे पर ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से कहा, मैं यह नहीं बता पाऊंगा कि यूक्रेन को आपूर्ति की जाने वाले पैट्रियट वायु रक्षा हथियारों की कितनी संख्या होगी। यूक्रेन को ऐसे हथियारों की इस समय जरूरत है।इसका पूरा खर्च यूरोपीय संघ उठाएगा।

उन्होंने कहा कि पुतिन दिन में अच्छी बातें करते हैं। शाम को बम गिरा देते हैं। यह विचलित करने वाला रवैया है। ट्रंप ने कहा कि सोमवार को व्हाइट हाउस में उनकी नाटो महासचिव मार्क रूट से मुलाका होनी है। इससे पहले ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि यूक्रेन को हथियार भेजने के लिए नाटो के साथ एक समझौता हुआ है। इसका खामियाजा सैन्य गठबंधन को भुगतना पड़ेगा।

ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में पुतिन से बातचीत के बाद कहा था कि पूर्वी यूरोप में तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। यहां दिलचस्प बात यह है कि पिछले सप्ताह रक्षा विभाग ने अमेरिकी सैन्य भंडार के कम होने की चिंताओं का हवाला देते हुए यूक्रेन को कुछ वायु रक्षा मिसाइलों और गोला-बारूद की आपूर्ति रोक दी थी।

व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि भी की थी। दो-चार दिन बात ट्रंप ने अपना रुख बदला। इसके बाद पेंटागन ने मंगलवार को कहा यूक्रेन को अतिरिक्त रक्षात्मक हथियार भेजे जाएंगे। हैरानी इस बात पर है कि ट्रंप ने का था कि उन्हें नहीं पता कि हथियारों की आपूर्ति रोकने की मंजूरी किसने दी।

एआई टूल्स पैसे कमाने का बेहतरीन विकल्प

यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर वीडियो बनाकर पैसे कमाने के अवसर अब पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गए हैं। ऐसे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वीडियो जनरेशन टूल्स एक बेहतरीन विकल्प के तौर पर सामने आए हैं। ये टूल्स उन लोगों के लिए बेहद फायदेमंद हैं जो क्रिएटिव तो हैं लेकिन कैमरे के सामने आना नहीं चाहते या तकनीकी झंझटों में नहीं पड़ना चाहते। एआई वीडियो दरअसल ऐसे वीडियो होते हैं जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाया जाता है। इसमें यूजर को सिर्फ टेक्स्ट इनपुट देना होता है और एआई खुद ही वीडियो तैयार कर देता है। इसमें वॉयसओवर, एनिमेटेड अवतार, बैकग्राउंड और मूवमेंट जैसी सभी चीजें अपने आप जुड़ जाती हैं और तैयार वीडियो किसी प्रोफेशनल स्टूडियो में बने वीडियो जैसा ही लगता है।

गाजा में पानी भर रहे बच्चों पर मिसाइल अटैक, कई लोगों की मौत, इजरायल बोला- कहीं और था निशाना

गाजा,14 जुलाई (एजेंसियां) । गाजा में शरणार्थी शिविर पर पानी भर रहे बच्चों के ऊपर मिसाइल अटैक किया गया है। जानकारी के अनुसार इस हमले में कई लोगों की मौत हो गई है।मरने वालों में अधिकतर बच्चे शामिल थे। उधर, इजरायली सेना ने हमले को मानवीय त्रासदी बताते हुए सफाई दी कि यह तकनीकी खराबी से हुआ, टारगेट कहीं और था। आईडीएफ ने बयान में कहा,हम निर्दोष नागरिकों को हुए नुकसान पर खेद जताते हैं। घटना की जांच की जा रही है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि हमले में कम से कम 8 की मौत और 17 घायल हुए हैं। हमला नुसेरत शरणार्थी शिविर में एक पानी वितरण केंद्र पर हुआ, जहां स्थानीय लोग पानी भरने के लिए जुटे थे। अल-अवदा अस्पताल के आपातकालीन डॉक्टर अहमद अबू सैफान ने बताया कि हमले में 6 बच्चों की मौत हुई और 17 अन्य घायल हुए।बता दें कि गाजा में हाल के हफ्तों में पानी की भारी किल्लत देखी जा रही है। ईंधन की कमी के चलते सीवेज सिस्टम भी बंद हो गए हैं, जिससे लोग सार्वजनिक जल वितरण केंद्रों पर निर्भर हो गए हैं। वहीं, गाजा पट्टी पर इजरायली सेना का हमला जारी है। अब तक 58,000 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें आधी से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। बीते 24 घंटों में 139 और मौतें दर्ज की गई हैं।

अमेरिका में खालिस्तानियों के पास मिला अवैध हथियारों का जखीरा, जांच में जुटी पुलिस

वाशिंगटन,14 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में रह रहे खालिस्तानी अब वहां की कानून व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर रहे हैं। आए दिन धार्मिक स्थलों पर तोड़फोड़ और भारत विरोधी गतिविधियों के चलते कई बार स्थानीय लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खालिस्तानियों की अवैध गतिविधियों की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर आधा दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है और तलाशी में भारी मात्रा में अवैध हथियार मिले हैं।

अभियान में सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने स्टॉकटन पुलिस विभाग स्वाट, मैनटेका पुलिस विभाग स्वाट, स्टैनिस्लॉस काउंटी शेरिफ स्वाट और एफबीआई स्वाट टीम के साथ मिलकर कई अवैध हथियार जब्त किए। इनमें 5 हैंडगन, एक असॉल्ट राइफल, सैकड़ों गोलियां, हाई-कैपेसिटी मैगजीन और 15,000 डॉलर (लगभग 13 लाख रुपये) से अधिक नकदी शामिल है। गिरफ्तार व्यक्तियों पर अपहरण, यातना, गैरकानूनी कारावास, सेमी-ऑटोमैटिक हथियार से हमला, आपराधिक साजिश और गैंग एक्ट के तहत उल्लंघन जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मशीन गन, असॉल्ट हथियार और हाई-कैपेसिटी मैगजीन के अवैध कब्जे के आरोप भी शामिल हैं। अमेरिका में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और दूसरी टीमों ने खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क से जुड़े 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें भारत में वांछित और प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल का प्रमुख सदस्य पवित्तर सिंह बटाला भी शामिल है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट में गिरफ्तार लोगों के नाम जारी किए, जिनमें दिलप्रीत सिंह, अर्शप्रीत सिंह, अमृतपाल सिंह, विशाल, पवित्तर सिंह बटाला, गुरताज सिंह, मनप्रीत रंधावा और सरबजीत सिंह शामिल हैं। शेरिफ ऑफिस ने गिरफ्तारी का वीडियो भी साझा किया, जिसमें बटाला को मुख्य संदिग्ध बताया गया।

पवित्तर सिंह बटाला भारत में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से आतंकी गतिविधियों के लिए वांटेड है। वह पंजाब में उगाही, हथियार तस्करी और हत्या जैसे कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। लगभग छह महीने पहले उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। वह अमृतसर पुलिस जिले में 6 और बटाला पुलिस जिले में 2 मामलों में वांछित है। बटाला खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह रोडे के साथ मिलकर काम कर रहा था। यह गिरफ्तारी एक गैंग से संबंधित अपहरण और यातना मामले की चल रही जांच का हिस्सा है।

भारत में तेजी से बढ़ रहे हैं यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स, रिलायंस रिटेल टॉप 10 में शामिल

नई दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है और कई कंपनियां यूनिकॉर्न की कैटेगरी में आ चुकी हैं। यूनिकॉर्न कंपनी वह होती है जिसकी वैल्यू एक अरब डॉलर से अधिक होती है। दुनिया में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या के मामले में अमेरिका पहले नंबर पर है, उसके बाद चीन और फिर भारत का स्थान है। वर्तमान में अमेरिका में लगभग 793 यूनिकॉर्न हैं, जबकि चीन में 284 और भारत में 88 यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। यूरोप, यूके, सिंगापुर, इजरायल जैसे अन्य देशों में भी यूनिकॉर्न्स की अच्छी संख्या देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी यूनिकॉर्न कंपनी एलन मस्क की स्पेसएक्स है, जिसकी वैल्यू 350 अरब डॉलर है। इसके बाद ओपनएआई 300 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर है, जो चैटजीपीटी जैसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के लिए जानी जाती है। तीसरे नंबर पर टिकटॉक की पेरेंट कंपनी बाइटडांस है, जिसकी वैल्यू 220 अरब डॉलर है। चीन की एंटग्रुप कंपनी 150 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर है। भारत की सबसे बड़ी यूनिकॉर्न कंपनी मुकेश अंबानी की रिलायंस रिटेल है, जिसकी वैल्यू 100 अरब डॉलर है। यह एशिया की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी भी है और टॉप 10 यूनिकॉर्न कंपनियों में पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा अमेरिका की एक्सएआई, चीन की शीन, अमेरिका की स्ट्राइप, डेटाब्रिक्स और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियां इस सूची में शामिल हैं।

आयकर विभाग का फर्जी कर कटौती मामले में 200 से अधिक ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने सोमवार को देशभर में उन 200 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है, जिन्होंने कथित तौर पर करदाताओं को राजनीतिक चंदे, ट्यूशन फीस और चिकित्सा व्यय सहित विभिन्न मदों में फर्जी कटौती का दावा करने में मदद की। आयकर विभाग ने इस तलाशी अभियान में फर्जी कर कटौती में मदद करने के आरोपितों और संस्थाओं को निशाना बनाया है। आयकर विभाग की ये कार्रवाई तब हुई, जब उन्हें धारा 80-जीजीसी के तहत कई बिचौलियों के कई फर्जी बिल मिले हैं। आयकर अधिनियम की इस धारा में करदाताओं को राजनीतिक दलों या किसी चुनावी ट्रस्ट को दिए गए दान पर कटौती का प्रावधान है। आयकर विभाग फर्जी चिकित्सा व्यय और ट्यूशन फीस की कटौती के संबंध में तलाशी ले रहा है। ऐसी शिकायतें मिली थीं कि कई बिचौलिए नियमित रूप से फर्जी बिलों पर कटौती का दावा कर रहे थे। ये फर्जी बिल बिचौलियों को पांच से 10 फीसदी तक के कमीशन पर दिए जाते थे। ये कर चोर मुख्य रूप से राजधानी शहरों से हैं।

न्यूज ब्रीफ

ओला इलेक्ट्रिक के तिमाही राजस्व में 35.5 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 828 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है, जो पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च) के 611 करोड़ रुपए की तुलना में 35.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने इस दौरान 68,192 स्कूटरों की आपूर्ति की, जबकि पिछली तिमाही में यह संख्या 51,375 थी। यह तिमाही आधार पर 32.7 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। ओला इलेक्ट्रिक का कहना है कि फिलहाल उसका एकीकृत परिचालन व्यय 150 करोड़ प्रतिमाह है, जिसे वर्ष के अंत तक घटाकर 130 करोड़ प्रतिमाह करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी लागत नियंत्रण के साथ-साथ मुनाफे पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 3.25 लाख से 3.75 लाख वाहनों की बिक्री और 4,200 से 4,700 करोड़ रुपए के राजस्व की उम्मीद है। साथ ही, जेन 3 उत्पाद श्रृंखला के तहत दूसरी तिमाही से उत्पादन शुरू होने के साथ ही पीएलआई (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजना के लाभों के चलते सकल लाभ मार्जिन 35-40 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

थोक महंगाई दर जून में घटकर 20 माह के निचले स्तर -0.13 फीसदी पर रही

नई दिल्ली। खाद्य वस्तुओं एवं ईंधन की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ विनिर्मित उत्पादों की लागत में कमी आने से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर जून महीने में घटकर -0.13 फीसदी रही है, जो इसका 20 महीने का निचला स्तर है। इससे पिछले महीने मई में थोक महंगाई दर 0.39 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि डब्ल्यूपीआई पर आधारित ये दर मई महीने में 0.39 फीसदी और जून 2024 में 3.43 फीसदी रही थी। जून महीने में थोक महंगाई दर में कमी की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, मूल धातुओं के विनिर्माण, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस आदि की कीमतों में नरमी रही है। आंकड़ों के मुताबिक जून में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 3.75 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि पिछले महीने मई में इसमें 1.56 फीसदी की गिरावट आई थी। आंकड़ों के मुताबिक जून में सब्जियों की कीमतों में 22.65 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई, जबकि मई में यह 21.62 फीसदी थी। इसी तरह विनिर्मित उत्पादों के मामले में थोक महंगाई दर जून महीने में 1.97 फीसदी रही, जबकि मई में यह 2.04 फीसदी रही थी। इसके अलावा ईंधन और बिजली क्षेत्र की थोक महंगाई दर जून में 2.65 फीसदी रही, जो मई में 2.27 फीसदी रही थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले महीने मुद्रास्फीति में नरमी के बीच नीतिगत ब्याज दर में 0.50 फीसदी की भारी कटौती करके रेपो रेट 5.50 फीसदी कर दिया था।

देश के आठ प्रमुख शहरों में घटा मकानों की बिक्री का ग्राफ

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में अप्रैल-जून 2025 की तिमाही के दौरान मकानों की बिक्री में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एक आवासीय ब्रोकरेज कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल 97,674 आवास इकाइयां बिकीं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 1,13,768 था। इस गिरावट का सबसे बड़ा असर महाराष्ट्र के दो प्रमुख बाजारों मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे में देखा गया। यहां संयुक्त रूप से बिक्री 30 प्रतिशत घटकर 41,901 इकाई रह गई, जो एक साल पहले 60,191 थी। विशेषज्ञों का मानना है कि संपत्ति की कीमतों में तेजी और सामर्थ्य की कमी के चलते उपभोक्ता मांग में कमी आई है, खासकर मध्यम और बजट वर्ग के खरीदारों में। अन्य प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली-एनसीआर, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में भी बिक्री में सुस्तान देखा गया है। बजट और मध्यम आय वर्ग के खरीदार अब कीमतों को लेकर अधिक सतर्क हो गए हैं।

इस सप्ताह तीन नए आईपीओ लॉन्च होंगे : निवेशकों के लिए बेहतरीन मौके

तीनों कंपनियों की कुल मिलाकर लगभग 3600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

नई दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां)। इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कई नए आईपीओ खुलने जा रहे हैं, जिनमें बेंगलुरु की फार्मा कंपनी एंथम बायोसाइंसेज, टेक्निकल टेक्सटाइल निर्माता स्पनवेब नॉनवॉवन और शराब कंपनी मोनिका एल्कोबेव के आईपीओ शामिल हैं। ये तीनों कंपनियां कुल मिलाकर लगभग 3600 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जुटाने की योजना बना रही हैं। साथ ही अगले सप्ताह भी कई कंपनियों के शेयर बाजार में लिस्टिंग होने वाली है, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी आईपीओ सेक्टर में लगातार बनी हुई है।

एंथम बायोसाइंसेज आईपीओ: बेंगलुरु स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी एंथम बायोसाइंसेज का आईपीओ 14 जुलाई से खुल जाएगा, जो 16 जुलाई तक खुला रहेगा। यह मेनबोर्ड का आईपीओ है और इसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए निवेशकों को शेयर बेचने का मौका मिलेगा। कंपनी नए शेयर जारी नहीं करेगी, बल्कि मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचेंगे। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 540 से 570 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 3,395 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है।

स्पनवेब नॉनवॉवन का आईपीओ: स्पनवेब नॉनवॉवन का आईपीओ भी 14 जुलाई से शुरू होकर 16 जुलाई को बंद होगा। यह कंपनी टेक्निकल टेक्सटाइल उत्पाद बनाती है, जिनका उपयोग हाइजीन, कृषि और पैकेजिंग उद्योगों में किया जाता है। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 90 से 96 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। स्पनवेब नॉनवॉवन के शेयर एनएसई, एसएमई प्लेटफॉर्म पर 21 जुलाई को लिस्ट होंगे।

मोनिका एल्कोबेव का आईपीओ: मोनिका एल्कोबेव, जो कि एक शराब कंपनी है, का आईपीओ 16 जुलाई को खुलेगा और 18 जुलाई को बंद होगा। इस आईपीओ का साइज 153.68 करोड़ रुपये है और प्राइस बैंड 271 से 286 रुपये प्रति शेयर के बीच रखा गया है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर 23 जुलाई को लिस्ट होंगे।

निवेशकों के लिए टिप्स: हाल के समय में आईपीओ में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है, खासकर उन कंपनियों के शेयरों में जिनकी प्राइसिंग सही हो और जिनका सेक्टर मजबूत हो। एंथम बायोसाइंसेज और स्पनवेब नॉनवॉवन के आईपीओ को ग्रे मार्केट प्रीमियम अच्छा मिलने से संकेत मिलता है कि ये आईपीओ लिस्टिंग के बाद भी निवेशकों को लाभ दे सकते हैं।

टैरिफ चिंताओं के बीच भारत और अमेरिका फिर से शुरू करेंगे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर एक और दौर की वार्ता सोमवार देर शाम से शुरू होगी। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम वार्ता के लिए वाशिंगटन पहुंच गई है। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल बुधवार को इस वार्ता में शामिल होंगे। प्रस्तावित बीटीए के लिए भारत के उप-मुख्य वार्ताकार वाशिंगटन पहुंच गए हैं। भारत के मुख्य वार्ताकार एवं वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल बुधवार को इस बातचीत दल का हिस्सा बनेंगे, चार दिवसीय यह वार्ता गुरुवार को संपन्न होगी। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में भारतीय दल वार्ता के लिए वाशिंगटन में था, जहां 26 जून से 2 जुलाई तक बातचीत हुई। भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंचा, सोमवार देर शाम दोनों देशों के बीच शुरू होगी वार्ता भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर अपना रुख कड़ा कर लिया है। नई दिल्ली ने अब तक डेयरी क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। भारतीय दल की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों पक्षों को कृषि और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में समस्याओं का समाधान करना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत सहित कई देशों पर अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रस्ताव 1 अगस्त तक के लिए फिलहाल टाल दिया है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी नजर आ रही है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के कई सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना एक बार फिर 1,00,000 रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। वहीं कुछ राज्यों के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये से लेकर 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

चीन का निर्यात जून में 5.8 प्रतिशत बढ़ा

चीन के निर्यात में जून महीने में तेजी दर्ज की गई, जिससे व्यापार क्षेत्र में सुधार के संकेत मिले हैं। सोमवार को जारी सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, चीन का निर्यात सालाना आधार पर 5.8 फीसदी बढ़ा, जबकि मई में यह वृद्धि 4.8 फीसदी थी। इसी दौरान आयात में भी 1.1 फीसदी की वृद्धि हुई, जो इस साल पहली बार दर्ज की गई है। हालांकि, अमेरिका को निर्यात में 16 फीसदी की गिरावट आई है, लेकिन यह मई की 34.5 फीसदी की गिरावट की तुलना में काफी कम है। अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार विवाद में दोनों देशों ने कुछ शुल्कों को अस्थायी रूप से वापस लेने का फैसला किया है। फिर भी, ट्रंप प्रशासन ने 35 फीसदी तक का नया शुल्क लगाया है। व्यापार में यह सुधार अप्रैल-जून तिमाही में चीन की आर्थिक वृद्धि बढ़ा सकता है। इस तिमाही के आर्थिक आंकड़े मंगलवार को जारी होंगे।

आईटीआर-2 फाइल करने वालों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि

आईटीआर-2 भरने वालों की संख्या बढ़कर 1.217 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां)। कोविड-19 महामारी के बाद भारत में निवेश की दिशा में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। खासतौर पर मध्यम वर्ग अब शेयर बाजार, रियल एस्टेट और विदेशी संपत्तियों जैसे विकल्पों में अधिक रुचि दिखा रहा है। इसका सीधा असर आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने वालों के पैटर्न पर भी दिखाई दे रहा है। 2024-25 के असेसमेंट वर्ष में आईटीआर-2 फॉर्म भरने वालों की संख्या रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई है।

आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार आईटीआर-2 भरने वालों की संख्या 2020-21 में 47.5 लाख थी, जो 2024-25 में बढ़कर 1.217 करोड़ हो गई है। यानी बीते चार वर्षों में इसमें लगभग 2.5 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। आईटीआर-2 फॉर्म उन व्यक्तियों के लिए होता है जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपए से अधिक है और जिनकी आय में शेयर बाजार या प्रॉपर्टी से पूंजीगत लाभ, एक से अधिक संपत्तियों से किराया, या विदेशी आय शामिल होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव सिर्फ आय के बढ़ने का संकेत नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि भारतीय निवेशक अब अधिक जागरूक और सक्रिय हो गए हैं। ईवाय इंडिया की एक टैक्स सलाहकार के अनुसार आईटीआर-2 फाइलिंग में बढ़ोतरी इस बात का प्रमाण है कि निवेशकों की प्रोफाइल बदल रही है। रिटेल निवेशक अब केवल सेविंग पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि वे विविध निवेश साधनों को अपना रहे हैं। एक और बड़ी वजह यह भी है कि सरकार ने बीते कुछ वर्षों में वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। थर्ड-पार्टी रिपोर्टिंग, टीडीएस के जरिए ट्रैकिंग, और पूर्व-भरे हुए आईटीआर फॉर्म ने टैक्स फाइलिंग को आसान और पारदर्शी बना दिया है। इससे टैक्स नेटवर्क में नए करदाताओं की भागीदारी बढ़ी है। वहीं जिन लोगों की आय केवल वेतन पर आधारित है और 50 लाख रुपए से कम है, उनकी संख्या में उतनी तेजी नहीं देखी गई है। 2020-21 में इस श्रेणी के रिटर्न 3.165 करोड़ थे, जो 2024-25 में बढ़कर 3.597 करोड़ हुए। हालांकि कुल टैक्स रिटर्न में इनकी हिस्सेदारी घटकर 49 फीसदी से 43 फीसदी रह गई है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,14 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से भारतीय बाजार के लिए कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव की स्थिति बनी हुई थी। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में डर का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,259.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.22 प्रतिशत टूट कर 20,585.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 196.08 अंक यानी 0.44 प्रतिशत फिसल कर 44,175.43 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,941.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,829.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 201.50 अंक यानी 0.83 प्रतिशत टूट कर 24,255.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 95 अंक यानी 0.38 प्रतिशत लुढ़क कर 25,096.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत फिसल कर 39,526.43 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 170.47 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,580.56 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 24,133.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,102.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,188.56 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

यूरोपीय दौरे पर गई इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम ने चार में से तीन मुकाबले जीते

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां) ।

यूरोपीय दौरे पर गई इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए अब तक खेले गए चार में से तीन मुकाबले जीत लिए हैं। कप्तान संजय की अगुवाई में टीम ने आक्रामकता और अनुशासन का बेहतरीन मिश्रण दिखाया है। अब टीम की नजर दौरे के अगले चरण में इंग्लैंड, बेल्जियम और नीदरलैंड्स जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ निरंतरता बनाए रखने पर है। टीम ने आयरलैंड और फ्रांस के खिलाफ बेहतरीन जीत दर्ज की और अब आने वाले कड़े मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार है।

टीम के प्रदर्शन पर कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा,यूरोपीय दौरे की शुरुआत बेहतरीन रही है। खिलाड़ियों ने जोश और समझदारी के साथ प्रदर्शन किया है। अभी तक नीदरलैंड्स में खेलने का अनुभव सकारात्मक रहा है और हम पर्दे के पीछे कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि यही प्रदर्शन जारी रहे।

उन्होंने कहा, हमारी ट्रेनिंग योजनाएं और प्लेयर कॉम्बिनेशन मैदान पर काम कर रहे हैं, जिससे टीम को आत्मविश्वास मिला है। खिलाड़ी रणनीति को अच्छी तरह लागू कर रहे हैं और परिपक्वता दिखा रहे हैं। उम्मीद है कि आने वाले मुकाबलों में भी वे यही तीव्रता बनाए रखेंगे।

कप्तान संजय ने भी टीम की तैयारी पर विश्वास जताते हुए कहा, हम इस दौरे में अच्छा कर रहे हैं और हर मैच को एक सीख के रूप में ले रहे हैं। हमारा फोकस एक-एक मैच पर है और हम हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा,अब तक के नतीजे सकारात्मक रहे हैं, लेकिन उससे भी जरूरी यह है कि हम अपनी रणनीति को लागू कर पाए हैं और आक्रामक हॉकी खेली है। आगे कुछ चुनौतीपूर्ण मुकाबले हैं, ऐसे में निरंतरता बनाए रखना सबसे अहम होगा।

इस दौरे का मकसद युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव और एक्सपोजर देना है, जो भविष्य में सीनियर टीम के संभावित खिलाड़ी माने जा रहे हैं। टीम अपना अगला मुकाबला मंगलवार को नीदरलैंड्स के अम्स्टलवीन स्थित वागनर स्टेडियम में शाम इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम बेल्जियम और दो मुकाबलों में मेज़बान नीदरलैंड्स से भिड़ेगी।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय धाविका याराजी की हुई एसीएल सर्जरी, वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स की स्टार और 100 मीटर हर्डल्स की एशियाई चैम्पियन ज्योति याराजी ने

अपने दाएं घुटने में एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट के चलते सर्जरी करवाई है। इस बात की पुष्टि खुद याराजी ने रविवार को इंस्टाग्राम के जरिए की। याराजी को यह चोट एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान लगी थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर जानकारी साझा करते हुए कहा, मैं यह बताते हुए खुश हूं कि शुक्रवार को मैंने डॉ. दिनशॉ परडीवाला के साथ सफलतापूर्वक अपने दाएं घुटने की एसीएल सर्जरी करवाई। उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए काफी मुश्किल रहे हैं, क्योंकि यह चोट मुझे उस चीज़ से दूर कर रही है जिसे मैं सबसे ज़्यादा पसंद करती हूं। गौरतलब है कि याराजी ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 12.96 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालिफाई करने वाले 12.73 सेकंड के समय से पीछे रह गई थीं, फिर भी वह रैंकिंग के आधार पर क्वालिफिकेशन की दौड़ में बनी हुई थीं। फिलहाल वह रैंकिंग कोटा के तहत पात्र एथलीटों में 12वें स्थान पर थीं और 24 अगस्त की समयसीमा से पहले उन्हें और स्पर्धाओं में भाग लेकर अपनी स्थिति बनाए रखनी थी। लेकिन अब चोट और सर्जरी के कारण उनका वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा लेना संदिग्ध माना जा रहा है।

जैनिक सिनर ने दो बार के चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर जीता पहला विंबलडन खिताब

लंदन। इटली के जैनिक सिनर ने रविवार को विंबलडन फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो

बार के गत विजेता कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अपने करियर का पहला विंबलडन खिताब जीत लिया है। यह सिनर का कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इस जीत के साथ सिनर ने न केवल पांच सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन फाइनल में अल्काराज से मिली हार का बदला लिया, बल्कि स्पेनिश खिलाड़ी की ग्रैंड स्लैम फाइनल्स में अजेय रहने की लय को भी तोड़ दिया। विश्व नंबर-1 सिनर को मैच के पहले सेट में हार मिली थी। इसके बाद उसने शानदार वापसी करते हुए आगे के सारे सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। अल्काराज ने पहले सेट में बढ़त ली थी, लेकिन इसके बाद सिनर ने लगातार तीन सेटों में एक जैसी स्कोरलाइन (6-4, 6-4, 6-4) से जीत हासिल की। 23 वर्षीय जैनिक सिनर ने फाइनल जीतने के बाद कहा, यह पल मेरे लिए बेहद खास है। विंबलडन जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है, और आज वह सपना सच हुआ। अल्काराज की जीत की लय टूटी विंबलडन में यह हार कार्लोस अल्काराज की 20 मैचों की अपराजित लय का अंत भी है। इससे पहले उन्होंने 2023 और 2024 में नोवाक जोकोविच को हराकर खिताब जीता था। साथ ही, सेंटर कोर्ट पर वह 24 मैचों से अजेय थे। गौरतलब है कि विंबलडन में अल्काराज को इससे पहले आखिरी बार 2022 में जैनिक सिनर ने ही हराया था, जब दोनों चौथे दौर में आमने-सामने हुए थे।

मार्करम, हीली को पुरुष और महिला वर्ग से प्लेआर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्करम को जून महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया है। मर्कराम ने डब्ल्यूटीसी 2025 के फाइनल में शतक लगाकर दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं महिला वर्ग में ये अवार्ड वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर हीली मैथ्यूज को दिया गया है। मैथ्यूज ने चौथी बार ये खिताब पर कब्जा जीता और वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली विश्व की दूसरी महिला क्रिकेटर हैं, जिन्होंने चार बार ये अवॉर्ड अपने नाम किया है। मार्करम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल की दूसरी पारी में 207 गेंदों में 136 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 147 रनों की साझेदारी कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ निभाई थी। इसके अलावा 2 विकेट भी उन्होंने लिए थे। मार्करम की पारी से ही दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत मिली थी। वहीं मैथ्यूज ने घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त खेल दिखाकर चौथी बार खिताब जीता। मैथ्यूज ने इससे पहले नवंबर 2021, अक्टूबर 2023 और अप्रैल 2024 में भी ये अवार्ड जीता था।

इतिहास रचने से चूक गई टीम इंडिया, जीते हुए मैच को गंवाया, इंग्लैंड ने 22 रन से मारी बाजी

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां) । लॉर्ड्स टेस्ट मैच के अंतिम दिन मेजबान इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 22 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। चौथी पारी में इंग्लैंड की टीम ने भारत के सामने 193 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसके जवाब में टीम इंडिया अंतिम दिन 170 रन बनाकर सिमट गई। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में अब 2-1 की बढ़त बना ली है। टीम इंडिया ने बर्मिंघम में टेस्ट में जीत हासिल कर दमदार वापसी की थी, लेकिन लॉर्ड्स में भारतीय टीम अच्छी स्थिति में होने के बावजूद खेल के अंतिम दिन पिछड़ गई। भारतीय टीम ने खेल के चौथे के दिन अंतिम सेशन में 4 विकेट के नुकसान पर 58 रन बनाए थे, यही से मैच इंग्लैंड की तरफ मुड़ गया और भारतीय टीम फिर वापसी नहीं कर पाई। चौथी पारी में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा को छोड़कर और कोई भी बल्लेबाज क्रीज समय नहीं बिता सके।इंडिया के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए रविंद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 181 गेंद में 61 रनों की पारी खेली। इसके अलावा केएल राहुल ने भी 39 रनों का योगदान दिया। टॉप ऑर्डर में यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले ही आउट हो गए। इसके बाद करुण नायर ने जरूर कुछ देर के लिए क्रीज पर समय बिताया, लेकिन लापरवाही भरा शॉट खेलकर वह आउट हो गए। वहीं कप्तान शुभम गिल भी सिर्फ 5 रन ही बना सके जबकि ऋषभ पंत ने 8 रन बनाकर जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बोल्ड हुए। मध्यक्रम में वाशिंगटन सुंदर (0) और नीतीश कुमार रेड्डी (14) ने लापरवाही भरा शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाया। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो इंग्लैंड के लिए एक बार फिर से जोफ्रा आर्चर ने अपनी पेस और सटीक लाइन लेंथ से कमाल दिखाया। खास तौर से नई गेंद से टीम इंडिया के खिलाफ बहुत ज्यादा घातक साबित हुए। आर्चर चौथी पारी में इंग्लैंड के लिए 3 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पारी में भी 2 विकेट झटके थे। इसके अलावा कप्तान बेन स्टोक्स के खाते में भी 3 विकेट आया। स्टोक्स ने पहली पारी में भी 2 विकेट अपने नाम किए थे। ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स ने घातक गेंदबाजी करते हुए टीम इंडिया को मुश्किल में डालने का काम किया। दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और वे 192 रनों पर ऑलआउट हो गए, जिससे भारत को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य मिला। भारत के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, वहीं जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को 2-2 विकेट मिले। जो रूट (40) और बेन स्टोक्स (33) ने इंग्लैंड के लिए कुछ संघर्ष किया, लेकिन टीम को बड़े स्कोर तक नहीं ले जा पाए। 193 रनों का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 4 विकेट के नुकसान पर 58 रन बना लिए थे।

यशस्वी जायसवाल खाता खोले बिना आउट हुए, जबकि करुण नायर 14 और शुभमन गिल 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। दिन के आखिरी ओवर में नाइटवॉचमैन आकाश दीप भी 1 रन बनाकर बेन स्टोक्स का शिकार बने। केएल राहुल 33 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे, और उन पर ही भारत की उम्मीदें टिकी थीं। मैच में कई बार खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली, जिससे खेल का रोमांच और बढ़ गया। खासकर जैक क्राउली और शुभमन गिल के बीच तीसरे दिन हुई कहासुनी और चौथे दिन बेन स्टोक्स द्वारा केएल राहुल को चिढ़ाने की घटना ने सुर्खियां बटोरीं।

चेल्सी ने पीएसजी को हराकर जीता फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 का खिताब

ईस्ट रदरफोर्ड, 14 जुलाई (एजेंसियां) ।

कोल पामर के दो गोल और एक शानदार असिस्ट की बदौलत चेल्सी ने सोमवार (भारतीय समयानुसार) फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हराकर नया इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब 32 टीमों के इस नए प्रारूप में क्लब वर्ल्ड कप खेला गया और चेल्सी इसका पहला विजेता बना।

यूईएफए चैंपियंस लीग जीतने के बाद अमेरिका पहुंची पीएसजी इस मुकाबले की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी, खासकर सेमीफाइनल में रियल मैड्रिड को 4-0 से हराने के बाद। लेकिन फाइनल में चेल्सी ने पहले हाफ में ही 3-0 की बढ़त बना ली, जिससे मैच पूरी तरह एकतरफा हो गया।

पहले हाफ में ही निपटा दिया मुकाबला

मैच के 22वें मिनट में मॉलो गुस्टो की सहायता से कोल पामर ने पहला गोल किया। 30वें मिनट में पामर ने एक बार फिर गेंद को गोल में डालकर स्कोर 2-0 कर दिया। फिर 43वें मिनट में पामर ने शानदार पास देकर जोआओ पेड्रो को गोल कराया और स्कोर 3-0 कर दिया।

जोआओ पेड्रो, जिन्हें टूर्नामेंट के दौरान ब्राइटन से साइन किया गया था, सेमीफाइनल में भी फ्लुमिनेंस के खिलाफ दो गोल कर चुके थे। फाइनल में उन्होंने भी अपनी चमक बिखेरी।

पीएसजी पूरी तरह फेल, नेवेस को लाल कार्ड

पीएसजी की टीम, जो इससे पहले अपने पिछले आठ मैचों में सिर्फ एक गोल खा चुकी थी, चेल्सी के सामने पूरी तरह बिखर गई। मैच के अंत में जोआओ नेवेस को मार्क कुकुरेला के बाल खींचने पर वीएआर रिव्यू के बाद लाल कार्ड दिखाया गया।

ऐतिहासिक जीत, 125 मिलियन डॉलर की इनामी राशि

यह जीत चेल्सी के लिए बेहद खास रही, क्योंकि इस सीजन में उसने यूईएफए कांफ्रेंस लीग भी जीती और प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर रही।

टूर डी फ्रांस साइकिल रेस

फ्रांस में टूर डी फ्रांस साइकिल रेस के नौवे चरण में जीत के बाद टिम मेरलियर उत्साहित होकर जश्न मनाते हुए।

मार्क मार्केज़ ने जीता जर्मन मोटोजीपी, भाई एलेक्स पर चैंपियनशिप बढ़त को किया और मजबूत

सैक्सनरिंग, 14 जुलाई (एजेंसियां) ।

डुकाटी राइडर मार्क मार्केज़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें 'किंग ऑफ सैक्सनरिंग' क्यों कहा जाता है। अपने 200वें मोटोजीपी रेस में हिस्सा लेते हुए मार्केज़ ने रविवार को जर्मन ग्रां प्री का खिताब जीत लिया। यह एक ऐसी रेस थी, जो अंत तक सिर्फ 10 राइडर्स के पूरा कर पाने के चलते सर्वाइवल टेस्ट बन गई।

यह सैक्सनरिंग पर मार्क की नौवीं मोटोजीपी जीत थी, जिसके साथ ही उन्होंने अपने भाई एलेक्स मार्केज़ पर चैंपियनशिप की बढ़त को 83 अंकों तक पहुंचा दिया। एलेक्स ने दूसरी पोजिशन हासिल की, जबकि मार्क के डुकाटी टीममेट फ्रांसेस्को बगनैया तीसरे स्थान पर रहे और अब वह चैंपियनशिप में 147 अंक पीछे हैं।

इस रेस में पांचवीं ग्रिड पोजिशन से शुरुआत की थी और यह उनका 100वां मोटोजीपी रेस था। खास बात यह रही कि वह अभी भी डच ग्रां प्री में हाथ में आई फ्रैक्चर और सर्जरी से उबर ही रहे हैं, इसके बावजूद उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

रेस के दौरान कई राइडर्स पहले मोड़ (टर्न-1) पर क्रैश हुए, जिनमें वीआर46 रेसिंग के फाबियो डी जियानन्तोनियो और एप्रिलिया के मार्को बेज़ेकी जैसे दावेदार शामिल थे, जो उस समय दूसरे स्थान पर चल रहे थे। हालांकि दिन पूरी तरह मार्क मार्केज़ के नाम रहा। उन्होंने अपने चहेते ट्रैक पर जीत का जश्न कुछ खास अंदाज में मनाया — बाइक पर खड़े होकर, डांस करते हुए उन्होंने चेकर फ्लैग पार किया। यह लगातार चौथा वीकेंड रहा जब उन्होंने स्प्रिंट और मुख्य रेस दोनों जीते। मार्क ने कहा, सैक्सनरिंग पर एक और जीत हासिल करना बेहद खास है। शुरुआत से ही मुझे आत्मविश्वास था, क्योंकि हम लगातार तीन जीत के साथ यहां आए थे। अब हम कह सकते हैं कि आधा सीजन पूरा हो चुका है, लेकिन अगले हिस्से में भी हमें पूरी तरह फोकस रहना होगा। शनिवार को उन्होंने सीजन की सातवीं पोल पोजिशन हासिल की थी और भीगी हुई ट्रैक पर स्प्रिंट रेस भी जीती थी, हालांकि पहले मोड़ पर गलती हुई थी। लेकिन मुख्य रेस में उन्होंने बेहतरीन शुरुआत की और टर्न-1 में लीड पकड़ ली, पीछे थे बेज़ेकी और डी जियानन्तोनियो।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मतभेद विवाद में ...

विदेश मंत्री ने दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधी बाधाओं को दूर करने विस्तार से चर्चा की जरूरत पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, हमारे लोगों के बीच आदान-प्रदान को सामान्य बनाने की दिशा में उठाए गए कदम निश्चित रूप से पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ावा दे सकते हैं। इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों और बाधाओं से बचा जाए। मुझे आशा है कि इन मुद्दों पर और विस्तार से चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढाने के लिए जरूरी है कि मतभेद विवाद न बनें और प्रतिस्पर्धा संघर्ष का रूप न ले। उन्होंने कहा , भारत और चीन के बीच स्थिर तथा रचनात्मक संबंध न केवल हमारे, बल्कि विश्व के भी हित में हैं। यह पारस्परिक सम्मान, पारस्परिक हित और पारस्परिक संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को संभालने से ही संभव है। हम पहले भी इस बात पर सहमत हुए हैं कि मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा कभी संघर्ष में बदलनी चाहिए। इस आधार पर, अब हम अपने संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।डॉ. जयशंकर ने आतंकवाद को साझा चिंता का विषय बताते हुए उम्मीद जतायी कि मंगलवार को होने वाली बैठक में आतंकवाद को कतई न बर्दाश्त करने की नीति को दृढ़ता से कायम रखा जायेगा। उन्होंने कहा , आज की हमारी बैठक में वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी शामिल होगा। कल हम एससीओ के प्रारूप में मिलेंगे, जिसका प्राथमिक उद्देश्य आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद का मुकाबला करना है। यह एक साझा चिंता का विषय है और भारत आशा करता है कि आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति को दृढ़ता से बरकरार रखा जाएगा।उन्होंने कहा कि दोनों देश राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। भारत इस अवसर पर पांच वर्ष के अंतराल पर कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू किये जाने पर चीन को धन्यवाद देता है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस ...

बीते महीने, रॉबर्ट वाड्रा ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में लगाए गए उन आरोपों का खंडन किया था, जिनमें दावा किया गया था कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन से बच रहे हैं।

उनके अधिवक्ता सुमन ज्योति खेतान ने एक बयान जारी कर कहा था कि ऐसी खबरें पूरी तरह से असत्य और तथ्यहीन हैं। वाड्रा ने पिछले एक दशक से ईडी के सभी समन, सूचनाओं और दस्तावेजों की मांगों का पूर्ण अनुपालन किया है और भविष्य में भी कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में अपना सहयोग जारी रखेंगे।वाड्रा को एक मामले के संबंध में 10 जून को ईडी के समक्ष पेश होने का समन मिला था, लेकिन उन्होंने ईडी को सूचित किया कि वह 10 जून को व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो पाएंगे।

आंध्र प्रदेश में लॉरी ...

सोमवार को यहाँ एक संदेश में राज्यपाल ने रविवार रात हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया। श्री नजीर ने जिला प्रशासन को घायलों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया तथा शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की।

सभी बोइंग विमानों ...

सनद रहे कि एयर इंडिया दुर्घटना पर एएआइबी की रिपोर्ट के बाद वैश्विक उड्डयन सेक्टर में सुरक्षा इंतजामों और खास तौर पर फ्यूल कंट्रोल स्विच को लेकर नये सिरे से चर्चा हो रही है। एतिहाद ने अपने एक बोइंग 787 की जांच तब शुरू की, जब वह हैदराबाद के लिए उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद अबू धाबी लौट आया। कंपनी ने बताया कि उसने यह कदम अतिरिक्त सावधानी'' के तौर पर उठाया है।सिंगापुर एयरलाइंस ने भी अपने 787 बेड़े की जांच शुरू की, जिससे यह संकेत मिलता है कि वैश्विक एयरलाइंस इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही हैं। एएआइबी ने 11-12 जुलाई को आधी रात को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सार्वजनिक की थी।

आईएसएस से ...

आत्मविश्वासी है और गर्व से भरा है। आज का भारत भी 'सारे जहां से अच्छा दिखता है। उन्होंने एक्स्पिडिशन-73 के क्रू के साथ बिताए पलों को अविश्वसनीय बताया और कहा, मैंने नहीं सोचा था कि यह मिशन इतना भावनात्मक और यादगार होगा।

इसरो ने इस मिशन के लिए करीब 550 करोड़ रुपये खर्च किए। यह अनुभव भारत के गगनयान मिशन (2027) की तैयारी में बेहद अहम साबित होगा। एक्ज़ियम-4 मिशन में उनके साथ अमेरिका की पेगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोस उज़्नांस्की और हंगरी के तिबोर कपू शामिल थे।

नफरत फैलाने वाले...

और 505 के तहत स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई करें, भले ही कोई शिकायत दर्ज न हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि कार्रवाई करने में किसी भी तरह की हिचकिचाहट को सुप्रीम कोर्ट की अवमानना माना जाएगा। कोर्ट ने मीडिया, खासकर टीवी चैनलों को भी फटकार लगाई है और कहा है कि एंकरों की यह जिम्मेदारी है कि वे नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकें। कोर्ट ने कहा कि सरकार को हेट स्पीच के मुद्दे को तुच्छ नहीं मानना चाहिए और इसे रोकने के लिए एक तंत्र विकसित करना चाहिए।

सावन महीने में रोजाना करें ये आसान उपाय

शिवजी की कृपा से बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

श्रावण मास प्रारंभ हो गया है। भारतीय कालबोध के अंतर्गत छह ऋतुओं के क्रम में वर्षा ऋतु का प्रथम महीना सावन है। इस मास की पूर्णिमा को श्रवण नक्षत्र का योग होने से इसका नाम श्रावण है। श्रवण-रूप भक्ति को व्यंजित करने से भी यह श्रावण कहलाता है। भारतीय परंपरा में सावन मास विशेष महत्व का है।

धार्मिक-पौराणिक व्रत-पर्वो से युक्त यह मास अपनी सांस्कृतिक विशेषताओं के लिए भी उल्लेखनीय है। मधुश्रवा, नागपंचमी, तुलसी-जयंती, श्रावणी उपाकर्म और रक्षाबंधन जैसे उत्सव सावन महीने को हमारी संस्कृति के गहरे विचारों से जोड़ते हैं। ग्रीष्म के ताप को पानी की शीतल फुहारों से मिटाता हुआ सावन, बहन-बेटियों के लिए झूला झूलने का अवसर रचता है।

गीत-कहावतों का एक बड़ा संसार सावन से ही सम्बद्ध है। इस महीने में सूखी पड़ी धरती तरु-तृणदल से हरी-भरी हो जाती है। महाकवि कालिदास ऋतुसंहार में पावस का वर्णन करते हुए इसका निरूपण करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि सदा सुहावनी लगने वाली अयोध्या सावन में विशेष सुंदर हो जाती है- 'सब बिधि सुखप्रद सो पुरी पावस अति कमनीय।' उल्लास-विलास से सजे सावन महीने का धार्मिक पक्ष इसे एक अलग गरिमा प्रदान करता है।

स्कंद महापुराण में सनकादि महर्षि को भगवान शिव ने सावन के माहात्म्य का उपदेश करते हुए कहा है कि बारहों महीनों में सावन मुझे अत्यधिक प्रिय है - द्वादशस्वपि मासेषु श्रावणो मेऽति वल्लभः। यश्च श्रवणमात्रेण सिद्धिदः श्रावणोप्यतः।। गोस्वामी तुलसीदास जी ने इसे भक्ति के दो महीनों में एक कहा है- 'राम नाम बर बरन जुग सावन भादो मास।' नवधा भक्ति में श्रवण को प्रथम भक्ति कहा गया है।

श्रावण मास के जल बिंदुओं की भांति ही सतत श्रवण से चित्त की भूमि में दबे पड़े संस्कार अंकुरित होते हैं। सावन में बादल मधुर वृष्टि करके तपती हुई धरती को आर्द्र कर रहे हैं। धूल शांत हो गई है। प्रकृति चतुर्दिक हरीतिमा को प्रकट कर रही है। ऐसे में आहार-विहार का अनुशासन, भगवान शिव की उपासना एवं विविध व्रतोपवास का विधान सावन महीने में प्राप्त होता है। प्रसिद्ध है कि देवासुर संग्राम में उत्पन्न हलाहल का पान करके भगवान शिव ने समस्त जगत की रक्षा की।

विष की ज्वाला से रक्षित हुआ कृतज्ञ संसार भगवान शिव की आर-ाधना करता है। श्रीरामचरितमानस के अनुसार, जरत सकल सुर बृंद बिषम गरल जेहि पान किय। तेहि न भजसि मन मंद को कृपालु संकर सरिस।। अर्थात देवासुर वृंद को विष की ज्वाला से जलते देख, जिन्होंने असह्य विष का पान कर लिया, उन महादेव शिव के समान कृपाशील कौन होगा।

सावन मास के माहात्म्य क्रम में ही यह बात कही गई है कि इस महीने का कोई भी दिन व्रत से रहित नहीं है। स्वयं भगवान शिव सनत्कुमार को बताते हैं कि श्रावण मास में नक्त व्रत अर्थात एक समय भोजन करना चाहिए। प्रतिदन रुद्राभिषेक करना चाहिए- 'रुद्राभिषेकं कुर्वीत मासमात्रं दिने-दिने।' किसी एक विशेष प्रिय वस्तु का परित्याग, भगवान शिव का बिल्वपत्र तथा धान्य पुष्प आदि पदार्थों से लक्षार्चन करे।

लक्ष्मी की कामना से बिल्वपत्र, शांति की कामना से दूर्वा, विद्या की कामना से मल्लिका पुष्प तथा आयु की कामना से चंपा से शिवार्चन करे। पार्थिव आदि लिंग का निर्माण करके उनका विधिपूर्वक पूजन करे। सावन मास में साग का आहार न करे तथा सत्यनिष्ठा से युक्त रहकर धर्मपूर्वक मास व्यतीत करे।

वस्तुतः श्रावण मास उपासना का मास है। भगवान शिव श्रीरामभक्ति के आचार्य हैं, वे कथातत्व के मर्मज्ञ उपदेष्टा हैं। श्रीपार्वती को उन्होंने श्रीरामकथा प्रदान करके जगत को मानो अमृतपान कराया है। श्रावण मास में उनका विशेष आराधना जगत को विष से बचाने की निष्ठा का कृतज्ञ अभिनंदन है।

सावन का प्रत्येक मंगल है खास

भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा से विवाह के बनते हैं योग

सावन का पवित्र महीना भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए समर्पित है। इस महीने में भगवान शंकर की पूजा के साथ-साथ प्रत्येक मंगलवार को देवी पार्वती के स्वरूप यानी मां मंगला गौरी की पूजा का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को रखने से पति को लंबी उम्र, सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन का वरदान मिलता है। वहीं, जिन कन्याओं का विवाह नहीं हो रहा है वे इस व्रत को अच्छे पति की कामना लेकर रखती हैं।

मंगला गौरी व्रत 2025

पहला मंगला गौरी व्रत - 15 जुलाई 2025
दूसरा मंगला गौरी व्रत - 22 जुलाई 2025
तीसरा मंगला गौरी व्रत - 29 जुलाई 2025
चौथा मंगला गौरी व्रत - 05 अगस्त 2025

क्यों खास है सावन का प्रत्येक मंगलवार?

सावन माह के प्रत्येक मंगलवार को किया जाने वाला मंगला गौरी व्रत बहुत शुभ माना जाता है। यह व्रत वैवाहिक जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करता है और दांपत्य जीवन में सुख-शांति लाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने से कुंडली में मौजूद मंगल दोष का प्रभाव कम होता है, जिससे विवाह में देरी, वैवाहिक जीवन में आ रही सभी तरह की मुश्किलें दूर होती हैं।

पूजा विधि

मंगला गौरी व्रत के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें।

लाल रंग के कपड़े पहनें।

इसके बाद पूजा घर को साफ करें।

एक वेदी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं और माता मंगला गौरी की प्रतिमा स्थापित करें।

व्रत का संकल्प लें।

माता गौरी को 16 शृंगार की सामग्री, सूखे मेवे, फल, मिठाई, फूल, कुमकुम, पान, सुपारी, लौंग, इलायची और सोलह दीये अर्पित करें।

मंगला गौरी व्रत कथा का पाठ करें और 'ओम गौरी शंकराय नमः' मंत्र का 108 बार जप करें।

आखिरी में विधि-विधान से माता गौरी की आरती करें।

व्रत के लाभ और धार्मिक महत्व

मंगला गौरी व्रत का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। यह व्रत न केवल वैवाहिक सुख प्रदान करता है, बल्कि संतान से जुड़ी सभी मुश्किलों को दूर करता है। कहते हैं जो कन्याएं इस कठिन व्रत का पालन करती हैं, उन्हें मनचाहा वर मिलता है। इसके साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

इस साल सावन का पहला मंगला गौरी व्रत 15 जुलाई, मंगलवार को पड़ रहा है। इस दिन सौभाग्य और शोभन जैसे कई शुभ योग बन रहे हैं, जो इस व्रत के महत्व को और भी ज्यादा बढ़ा रहे हैं।

सावन में व्रत रखने से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

सावन मास को शिव पूजन के लिए अत्यंत अहम महीना माना गया है। यह भगवान शिव का प्रिय महीना है और इसमें शिव पूजन से लेकर रहन-सहन, खान-पान तक के नियम हैं। और इन नियमों के बारे में स्कंद पुराण में भी विस्तार से बताया गया है। श्रावण मास महात्म्य में इन नियमों के बारे में बताया गया है। इसके अनुसार सावन मास में संबंध बनाने की मनाही है। स्कंद पुराण में जमीन पर सोने, किसी प्रिय वस्तु का त्याग करने को लेकर भी कहा गया है।

सावन में संबंध नहीं बनाने चाहिए

स्कंद पुराण के सावन मास महात्म्य के अनुसार, सावन मास में स्त्री और पुरुषों को संबंध बनाने की मनाही है। इस महीने ब्रह्मचर्य का पालन करने से वीर्य की दृढ़ पुष्टि होती है। ओज, बल, शरीर की दृढ़ता और जो भी धर्म के विषय में उपकारक होते हैं- वह सब उसे प्राप्त होता है। निष्काम ब्रह्मचर्य व्रती को साक्षात ब्रह्म की प्राप्ति होती है और स्वर्ग में सभी सुख सुविधाओं की प्राप्ति होती है।

सावन में मौन व्रत रखने के फायदे

सावन मास में जो व्यक्ति भूमि पर सोता है। दिन में एक बार भोजन करता है और मौनव्रत का पालन करता है। उसे शिवजी की कृपा प्राप्त होती है। इसके साथ ही व्रत करने वाले व्यक्ति में अच्छे वक्ता के गुण आते हैं। मौन व्रत करने वाले को शास्त्रों में कुशलता प्राप्त होती है और वह वेदों में पारंगत हो जाता है। इसके साथ ही ऐसे व्यक्ति के अंदर और

आसपास कलह नहीं होता है। इसलिए सावन मास में मौन व्रत रखना अत्यंत उत्तम माना गया है। सावन में धर्म का आचरण करना जरूरी है।

सावन में कोई न कोई व्रत जरूर रखें

सावन के महीने में सत्य वचन बोलने चाहिए। इस महीने में कोई न कोई व्रत जरूर रखना चाहिए। यही नहीं इस महीने में फलाहार करना चाहिए। जिस तरह भाद्रपद में दही, आश्विन में दूध और कार्तिक में दाल का त्याग करना चाहिए, ठीक उसी तरह सावन में शाक का पूरी तरह त्याग कर देना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति इन चीजों का त्याग इन सभी मास में नहीं कर पाता है तो वह सावन में ही इन सभी चीजों का त्याग करके वही फल प्राप्त कर सकता है। स्कंद पुराण के अनुसार, सावन मास में एकाग्र होकर काम करना चाहिए। भोलेनाथ की पूरे विधि विधान के साथ पूजा करनी चाहिए। इसके साथ ही षडाक्षर मंत्रों का जप करने का बड़ा महत्व है।

सावन में व्रत रखने का महत्व

सावन में रविवार को सूर्य व्रत और सोमवार को शिव व्रत और नक्त भोजन करना चाहिए। सावन के पहले सोमवार से शुरू कर अगले साढ़े तीन महीन तक रोटक व्रत रखने का महत्व है। माना जाता है कि यह व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं सावन के मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखना जाता है जबकि बुधवार और गुरुवार को इन दोनों वारों का व्रत रखा है। शुक्रवार को जीवंतिका व्रत और शनिवार को हनुमान और नृसिंह व्रत बताया गया है।

हरियाली तीज 27 को मनाई जाएगी

हरियाली तीज श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाई जाती है। विवाहित महिलाएं और अविवाहित लड़कियां दोनों ही इस व्रत को रखती हैं। हरियाली तीज का धार्मिक महत्व बहुत खास होता है। हरियाली तीज पर माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा अर्चना करने का विशेष महत्व है। हरियाली तीज को श्रावणी तीज भी कहा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए व्रत करती हैं तो वहीं कुंवारी कन्याएं शिवजी जैसा सुयोग्य वर पाने के लिए व्रत रखकर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। आइए जानते हैं हरियाली तीज की डेट के साथ पूजा का शुभ मुहूर्त, महत्व और पूजाविधि।

हरियाली तीज 2025 में 27 जुलाई, रविवार को मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन शुक्ल तृतीया तिथि 26 जुलाई को रात 10 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी और यह तिथि 27 जुलाई को रात 10 बजकर 41 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, हरियाली तीज 27 जुलाई को मनाई जाएगी। इस दिन रवि योग का शुभ संयोग भी बन रहा है, जो शाम 4 बजकर 23 मिनट से शुरू होकर 28 जुलाई को सुबह 5 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। रवि योग में पूजापाठ करना और व्रत रखना बहुत ही शुभ फल देने वाला माना जाता है।

हरियाली तीज 2025 का महत्व

हरियाली तीज एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है। यह भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है। मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए बहुत कठिन तपस्या की थी। उन्होंने 108 जन्मों तक तपस्या की और उसके बाद भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त किया। इस दिन पूजा करने से विवाहित महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। जो महिलाएं इस दिन सच्चे मन से पूजा करती हैं, उनका वैवाहिक जीवन हमेशा खुशहाल रहता है।

मां पार्वती को अर्पित करें सुहाग की सामग्री

हरियाली तीज एक महत्वपूर्ण त्योहार है। इस दिन महिलाएं माता पार्वती की पूजा करती हैं, वे उनसे अपने सुखी वैवाहिक जीवन के लिए प्रार्थना करती हैं। मान्यता है कि इस दिन माता पार्वती को सोलह श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। पूजा में सबसे पहले भगवान शिव का गंगाजल या पवित्र जल से अभिषेक करें। फिर माता पार्वती को चूड़ी, बिंदी, सिंदूर, मेहंदी और चुनरी जैसी चीजें अर्पित करें। इन चीजों से माता अत्यंत प्रसन्न होती हैं और उनकी कृपा से दांपत्य जीवन में प्रेम, समृद्धि और सुख-शांति बनी रहती है। पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ता है, घर में सुख-शांति बनी रहती है और समृद्धि आती है।

सावन माह में घर के ईशान कोण में दीपक लगाने से घर में आएंगी लक्ष्मी!

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है और इस मास में पूजा-पाठ, व्रत और साधना का विशेष महत्व होता है। इस दौरान यदि प्रतिदिन ईशान कोण में दीपक जलाया जाए, तो यह न केवल धार्मिक रूप से अत्यंत शुभ होता है, बल्कि वास्तु और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अनेक सकारात्मक प्रभाव देता है। ईशान कोण घर की उत्तर-पूर्व दिशा होती है। यह दिशा देवताओं की दिशा मानी जाती है, विशेषकर भगवान शिव का स्थान इसी दिशा में माना जाता है। वास्तु शास्त्र में इसे सबसे पवित्र और ऊर्जावान दिशा माना गया है। सावन में ईशान कोण में दीपक जलाना एक छोटा-सा, लेकिन अत्यंत प्रभावशाली आध्यात्मिक उपाय है। यह शिवभक्ति, मानसिक शांति, घर में सुख-शांति और समृद्धि को आकर्षित करता है। नियमित रूप से इस दिशा में दीप जलाकर आप अपने जीवन में शिव ऊर्जा को जाग्रत कर सकते हैं। आइए आपको बताते हैं सावन में ईशान कोण में दीपक जलाने के फायदे , साथ ही जानिए इस दीपक को जलाने की सही विधि।
सावन में शिवलिंग पर न चढ़ाएं ये चीजें, लगेगा भारी दोष

भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस महीने में शिवजी की पूजा का विशेष महत्व है। अगर कोई भक्त सावन में ईशान कोण में दीपक जलाता है, तो भगवान शिव बहुत प्रसन्न होते हैं। ईशान कोण घर का वह कोना होता है, जो उत्तर और पूर्व दिशा के बीच में होता है। दीपक जलाना भगवान के प्रति सम्मान दिखाने का तरीका है। यह दीपक उनके प्रति भक्ति, समर्पण और आस्था का प्रतीक बनता है।

धन, वैभव और समृद्धि में वृद्धि होती है

ईशान कोण में प्रतिदिन दीपक जलाने से घर में धन की ऊर्जा सक्रिय होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि जब यह दिशा सकारात्मक रूप से जाग्रत रहती है, तो महालक्ष्मी का स्थायी वास होता है। घर के सदस्यों की आय के स्रोतों में वृद्धि होती है, पुराने रुके कार्य बनने लगते हैं, और आर्थिक अड़चनें धीरे-धीरे दूर हो जाती हैं। व्यापार, नौकरी, निवेश आदि में लाभ मिलने के योग बनते हैं।

मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार

घर में ईशान कोण में रोज दीपक जलाने से पैसे की ऊर्जा बढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि इससे मां लक्ष्मी हमेशा घर में रहती हैं। शास्त्रों में भी यह बात बताई गई है। घर के लोगों की कमाई बढ़ती है। पुराने काम पूरे होते हैं और पैसे की दिक्कतें कम होती हैं। व्यापार, नौकरी और निवेश में फायदा होने की संभावना बनती है। इस दिशा में दीपक जलाने से लक्ष्मी जी हमेशा घर में रहती हैं और घर के लोगों के कमाई के रास्ते खुलते हैं।

वास्तु दोषों का नाश होता

अगर आपके घर के ईशान क
कुछ गलत चीजें हैं, तो यह अ
जीवन में परेशानी ला सकता है। उ
कि मानसिक तनाव, बार-ब
बीमार होना, पैसे की दिक्कत औ
परिवार में झगड़े। लेकिन एक
आसान उपाय है! हर दिन घी य
सरसों के तेल का दीपक जलाएं
यह उपाय वास्तु दोष को दूर करत
है और नकारात्मक असर को क
करता है। यह उपाय सावन
रोजाना करना और भी प्रभावशा
माना जाता है। वास्तु के अनुसार,

का ईशान कोण बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर इस दिशा में बाथरूम, सीढ़ी या भारी अलमारी है, तो यह ईशान दोष कहलाता है। सावन में यहां दीपक जलाकर आप इस कोने को ऊर्जित कर सकते हैं।

साधना, ध्यान और मंत्र जप में सफलता मिलती है

ईशान कोण साधना और ध्यान के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यहां दीपक जलाने से मन शांत होता है और ध्यान लगाने में मदद मिलती है। ॐ नमः शिवाय जैसे मंत्रों का पाठ करने से बहुत फायदा होता है। यह अध्यात्म के रास्ते पर चलने वालों के लिए बहुत उपयोगी है। ईशान कोण को साधना और ध्यान के लिए सबसे अच्छी दिशा मानते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां की ऊर्जा शुद्ध और शक्तिशाली होती है। इस दिशा में दीपक जलाने से मन शांत होता है। इससे एकाग्रता भी बढ़ती है।

दीपक जलाने की विधि और सामग्री

सबसे पहले ईशान कोण को साफ करें और वहां एक चौकी रखें या छोटा स्थान निश्चित करें।

देसी घी का दीपक सर्वोत्तम माना गया है, परंतु आप सरसों तेल का भी प्रयोग कर सकते हैं।

दीपक में एक या दो बत्ती, लौंग, कपूर या तुलसी पत्र डालना अत्यंत शुभ माना गया है।

दीपक जलाते समय ॐ नमः शिवाय या शिवाय नमः मंत्र का उच्चारण करें।

दीपक बुझने न पाए और आप वहां स्वयं बैठकर 108 बार शिव मंत्रों का जप करें।

बर्थडे स्पेशल :

संगीत की दुनिया में एक चमकता सितारा, जिनकी आवाज की मिठास ने जीता श्रोताओं का दिल

संगीत का जादू हर किसी की जिंदगी में खुशी और मस्ती लेकर आता है। कुछ आवाजें ऐसी होती हैं जो कानों में नहीं, सीधे दिल में उतरती हैं और फिर वहीं बस जाती हैं। ऐसी ही एक जादुई आवाज है रूपाली जग्गा की, जो सहारनपुर की गलियों से निकलकर लाखों दिलों की धड़कन बन चुकी हैं। रूपाली अपनी मेहनत और जुनून के दम पर मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बना रही हैं। इस सफर में उन्होंने कदम-[...] संघर्ष और सफलता दोनों देखे हैं।

15 जुलाई 1995 को जन्मीं रूपा[...] को बचपन से ही संगीत से बहुत [...] लगाव था। संगीत की उनकी इस [...] यात्रा में उनको अपने परिजनों का [...] भी भरपूर साथ मिला। [...] उनके घर में [...] कुल आठ [...] सदस्य हैं – माता-पिता, दादा-दादी, दो बहनें और [...] भाई। परिवार का साथ और प्यार [...] सफर की सबसे बड़ी ताकत रहा। [...] अपने करियर की शुरुआत 2013 में की, जब वह मशहूर टीवी शो 'इंडियन आइडल' के मंच पर नजर आईं। हालांकि वह फाइनलिस्ट नहीं बन पाईं और इससे पहले ही शो से बाहर हो गईं। साल 2016 में वह टीवी शो 'सारेगामापा' में सेकंड रनर अप रहीं। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार मेहनत करते हुए कई म्यूजिक कॉम्पटीशंस में हिस्सा लिया।

साल 2017 में रूपाली को पहला बड़ा मौका मिला, जब उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'सरकारी क्लासा देवरा क्लासा' में 'कन्नु होडिबेदी' गाया। इस गाने को काफी पसंद किया गया। इसके बाद 2018 में उन्होंने टीवी शो 'द रिमिक्स' में हिस्सा लिया। यह शो काफी लोकप्रिय हुआ और यहां रूपाली ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। इस शो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया और इसे इंटरनेशनल एमी अवार्ड के लिए नामांकित किया गया।

उन्होंने साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म ऑपरेशन रोमियो का गाना तेरे बिन जीना क्या गाया। इसके बाद रूपाली जग्गा ने अपने करियर में सॉरी, सोनिया, [...]म है, मजबूर, दिल ये दिलबरो, [...]लगा, जन्म जन्म, ये नैना, तेरे [...], जोगन, पिया रंगगीला, तू रब [...] मेहर, चेंज सोनिया, कॉल करी [...]जैसे शानदार गाने गाए। रूपाली [...] अपने गायन से सोशल मीडिया [...]पर भी खास जगह बनाई है। [...]उनकी आवाज में गाया गया बी [...]ाक का गाना 'मन भरया' काफी [...]यरल हुआ। इस वीडियो ने उन्हें [...]ों फॉलोअर्स दिलाए। टिकटॉक [...]के 12 मिलियन से ज्यादा [...] और 300 मिलियन से ज्यादा लाइक्स थे। टिकटॉक भारत में बैन हो गया था। हालांकि, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रूपाली ने अपनी प्रतिभा से फैंस का मनोरंजन जारी रखी है। वह लगातार नए-नए गाने और वीडियो बनाकर अपने फैंस का दिल जीतती रहती हैं। उनकी आवाज में एक अलग ही मिठास है, जो सुनने वालों को उनकी तरफ खींचती है।

फिल्म आप जैसा कोई के बाद आर. माधवन बोले

अब रोमांटिक फिल्मों के मौके कम मिलते हैं

अभिनेता आर. माधवन की हाल ही में रोमांटिक फिल्म आप जैसा कोई रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने संस्कृत के टीचर श्रीरेणु त्रिपाठी का किरदार निभाया। माधवन ने बताया कि कैसे समय के साथ अब रोमांटिक फिल्मों में काम करने के अवसर कम होते जा रहे हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए माधवन ने बताया कि उन्हें इसमें क्या खास लगा। उन्होंने कहा, ''मैंने इस फिल्म को इसलिए नहीं चुना कि मैं रोमांटिक फिल्मों में वापसी कर लूं, बल्कि इसलिए चुना क्योंकि इसकी कहानी दिलचस्प थी, मेरी उम्र के हिसाब से थी और आज के समय से जुड़ी थी। लव स्टोरी में अभिनय करने के बहुत कम मौके बचे हैं और ऐसे मौके और भी कम होते हैं जो सच्चे और असली लगें।'' फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ काम करने के बारे में उन्होंने कहा, ''फातिमा बेहद टैलेंटेड कलाकार हैं। वो बहुत ही प्यारी हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्हें जानने के लिए शूटिंग का समय सच में बहुत कम था।''

इससे पहले फातिमा सना शेख ने भी फिल्म में माधवन के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया था। उन्होंने कहा था, मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। वह बहुत ही समझदार और होशियार हैं। मैंने सेट पर हर दिन उनसे कुछ नया सीखा है।'आप जैसा कोई' फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास भी अहम रोल में हैं।

फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो बिल्कुल अलग-अलग दुनिया से आए हैं। कहानी की शुरुआत होती है, जमशेदपुर के एक संस्कृत शिक्षक श्रीरेणु त्रिपाठी से, जो 42 की उम्र में भी अविवाहित हैं और खुद को समझदार और शांत स्वभाव का मानते हैं, लेकिन भीतर ही भीतर अकेलेपन से जूझ रहे हैं। इस अकेलेपन से बाहर निकलने के लिए वह एक ऑनलाइन चैटिंग ऐप का सहारा लेते हैं, जहां उनकी मुलाकात कोलकाता की एक आत्मनिर्भर और खुले विचारों वाली फ्रेंच टीचर मधु बोस से होती है। मधु का किरदार फातिमा सना शेख ने निभाया है।

मधु का जीवन श्रीरेणु से बिल्कुल अलग है, वह रिश्तों में कई बार टूटी है, लेकिन हर बार और मजबूत बनकर उभरी है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अलग सामाजिक सोच और जीवनशैली के बावजूद दो इंसान एक-दूसरे के करीब आते हैं। दोनों की पसंद-नापसंद अलग होते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, उनके बीच की वैचारिक दूरियां उभरने लगती हैं। यही टकराव फिल्म को गहराई देता है।

डेब्यू से पहले पापा को दिखाती थी प्रैक्टिस वीडियो, मिलती थी सलाह : शनाया कपूर

आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस शनाया कपूर ने बताया कि उनके माता-पिता संजय कपूर और महीप कपूर उनके सबसे सच्चे सलाहकार हैं। इंटरव्यू में जब शनाया कपूर से पूछा गया कि उनके माता-पिता ने उनके डेब्यू पर क्या प्रतिक्रिया दी, तो उन्होंने बताया कि उनके पापा संजय कपूर हमेशा से उन्हें सही राय देने वाले इंसान हैं। जब वह अपनी फिल्म की तैयारी कर रही थीं, तो वह अपने प्रैक्टिस वीडियो पापा को दिखाती थीं। वीडियो देखने के बाद उन्होंने हर बार सीधी और साफ बात कही, जो चीज अच्छी लगी, उसकी तारीफ की, और जो सुधारने लायक थी, वो भी साफ-साफ बता दी।

शनाया कपूर ने कहा, मेरे पापा मेरे सबसे सच्चे सलाहकार हैं। जब भी मैं अपनी एक्टिंग की तैयारी कर रही होती थी या कोई प्रैक्टिस वीडियो पापा को दिखाती, तो वह सीधी और सच्ची राय देते थे। कहां सुधार की जरूरत है और कौन-सी चीजें मैं और अच्छे से कर सकती हूं, वह सबकुछ बताते थे। मेरी मम्मी भी बिल्कुल साफ-साफ बात करती हैं। मेरे माता-पिता हमेशा ईमानदारी से फीडबैक देते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि फिल्म इंडस्ट्री बहुत सख्त है, यहां किसी को आसानी से जगह नहीं मिलती, इसके लिए मेहनत करनी पड़ती है।

उन्होंने कहा, ''ये मौका जिंदगी में एक बार ही मिलता है और मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे यह मिला है। अब जब मुझे यह मौका मिला है, तो मैं चाहती हूं कि इसका पूरा फायदा उठाऊं। मुझे इस इंडस्ट्री में अपनी जगह खुद बनानी होगी और लोगों का प्यार और अपनापन भी खुद कमाना होगा। मेरे माता-पिता यह बात समझते हैं कि इसमें समय और बहुत मेहनत लगती है, इसलिए वे हमेशा मेरे और मेरे काम के प्रति ईमानदार रहते हैं। वे कभी-कभी कड़ी और सख्त बातें भी बोलते हैं, जो सुनना आसान नहीं होता।

शनाया कपूर ने एक्टर होने की जिम्मेदारी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, एक एक्टर होने के नाते, आपकी जिम्मेदारी दर्शकों के प्रति होती है और जब आप कैमरे के सामने होते हैं, तो आपको ईमानदारी से अपना बेस्ट देना होता है। ऐसा कुछ पाना आशीर्वाद की तरह होता है, क्योंकि जो काम आप कैमरे के सामने करते हैं, वह हमेशा के लिए रिकॉर्ड होता है। कई बार जब कोई सीन खत्म होता है, तो यह सोचकर अजीब और बहुत खास महसूस होता है कि जो मैंने अभी किया, वह हमेशा के लिए कैमरे में कैद हो गया है।उन्होंने आगे कहा कि इसी वजह से उनके माता-पिता हमेशा उनके साथ ईमानदार रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उनके इस ईमानदार रवैये के लिए दिल से शुक्रगुजार हूं।

चतुर्भाषा तारे बी. सरोजा देवी का निधन 87 की उम्र में ली अंतिम सांस

तमिल सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजा देवी का निधन हो गया है। इस खबर से साउथ इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। 87 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि वह उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। उनका जाना एक युग का अंत है। उन्होंने अपने अभिनय से कई पीढ़ियों के दिलों को छुआ और सिनेमा को एक नई पहचान दी। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं थीं, बल्कि एक प्रेरणा थीं, जिन्होंने चार भाषाओं- तमिल , कन्नड़ , तेलुगु और हिंदी फिल्मों में अभिनय कर एक मिसाल कायम की। चार भाषाओं में उनकी लोकप्रियता के चलते 1962 में उन्हें 'चतुर्भाषा तारे' के रूप में सम्मानित किया गया।

सरोजा देवी को उनके बेहतरीन अभिनय के लिए 'अभिनया सरस्वती' कहा जाता था। उनकी पहली बड़ी सफलता 1955 की कन्नड़ फिल्म 'महाकवि कालिदास' रही। इसमें उन्होंने सहायक भूमिका निभाई थी, उस वक्त उनकी उम्र महज 17 साल थी। इस फिल्म ने बेस्ट फीचर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड जीता। इसके बाद, उन्होंने तमिल में 'थंगमलाई रागासियम' (1957) जैसी फिल्मों में नृत्य और अभिनय से अपनी पहचान बनाई। एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) के साथ उनकी जोड़ी पसंद की गई। दोनों ने मिलकर 26 हिट फिल्में दीं, जिसमें 'नादोडी मन्नन' (1958) ने उन्हें तमिलनाडु की टॉप अभिनेत्रियों में स्थापित किया।

हिंदी फिल्मों में भी उन्होंने दिलीप कुमार, राजेंद्र कुमार, और शम्मी कपूर जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया। ससुराल (1960), ओपेरा हाउस (1961), परीक्षा , हांगकांग (1962) और प्यार किया तो डरना क्या (1963) जैसी कई फिल्मों में सरोजा देवी ने अभिनय किया।

कन्नड़ सिनेमा में उनकी उल्लेखनीय फिल्में 'चिंतामणि', 'स्कूल मास्टर', और 'किट्टूरू रानी चेन्नम्मा' रहीं। तेलुगु फिल्मों में उन्होंने एनटी रामाराव और अक्किनेनी नागेश्वर राव के साथ भी सफल फिल्में कीं। 1960 के दशक में वह दक्षिण भारतीय फिल्मों की एक फैशन आइकन बन गईं। 1967 में शादी के बाद उनका करियर धीरे-धीरे कन्नड़ फिल्मों की ओर केंद्रित हो गया, लेकिन उन्होंने तमिल और तेलुगु में भी सक्रिय रूप से काम जारी रखा। उन्होंने 161 मुख्य भूमिकाएं निभाईं, जिनमें रोमांटिक से लेकर सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्में शामिल थीं।

1985 में पति के निधन के बाद उन्होंने कुछ समय फिल्मों से ब्रेक लिया, फिर अभिनय में लौट आईं लेकिन सहायक भूमिका के तौर पर। उन्होंने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार निर्णायक मंडल की अध्यक्षता भी की और कर्नाटक फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष रहीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभा–वना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 जुलाई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 10:41 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रातः 06:27 तक
योग : सौभाग्य दोपहर 02:12 तक
करण : कौलव प्रातः 11:24 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 11:59 तक
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , नागपंचमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

ग्लोबल मेडिकल टूरिज्म हब बनेगा राजस्थान : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में नियोजित नगरीय विकास को प्रोत्साहन देने, मेडिकल ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने, अक्षय ऊर्जा सहित ऊर्जा क्षेत्र के विकास, कर्मचारी कल्याण एवं विभिन्न संवर्गों के कार्मिकों के लिए पदोन्नति के अधिक अवसर उपलब्ध करवाने से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के साथ प्रमुख मेडिकल टूरिज्म हब बनाने के उद्देश्य से मंत्रिमण्डल की बैठक में मेडिकल वैल्यू ट्रेवल पॉलिसी (हील इन राजस्थान नीति–2025) के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। यह नीति राजस्थान को सुलभ, किफायती लागत और भरोसेमंद मेडिकल वैल्यू ट्रेवल (एम.वी.टी.) डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करेगी। यह नीति स्वास्थ्य और पर्यटन क्षेत्रों को एकीकृत करके आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, और वैश्विक ब्रांडिंग को बढ़ावा देगी। इस नीति के तहत निवेशकों को राजस्थान निवेश संवर्धन योजना (रिप्स), राजस्थान औद्योगिक विकास नीति और पर्यटन नीति के तहत प्रोत्साहन उपलब्ध कराये जायेंगे तथा पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप और वायबिलिटी गैप फंडिंग का भी उपयोग किया जाएगा।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि हील इन राजस्थान नीति–2025 से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के साथ एमवीटी से जुड़े डिजिटल इकोसिस्टम का विकास सुनिश्चित होगा। मल्टी–स्पेशियलिटी अस्पताल अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित हो सकेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों जैसे आयुर्वेद, योग, यूनानी, और सिद्ध को भी बढ़ावा दिया जायेगा। इस पॉलिसी के तहत एक समर्पित एमवीटी सेल की स्थापना की जायेगी तथा एमवीटी सुविधा प्रदाता और सेवा प्रदाताओं को प्रमाणित किया जायेगा। पॉलिसी के तहत एमवीटी पोर्टल और मोबाइल एप विकसित किया जायेगा एवं टेलीमेडिसिन, बायोटेक्नोलॉजी और एप–आधारित डायग्नोस्टिक्स में प्रगति को बढ़ावा दिया जायेगा। साथ ही, टेलीकंसल्टेशन और बहुभाषी हेल्पलाइन सेवाएं स्थापित की जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए नियोजित विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन टाउनशिप पॉलिसी–2024 लाई जाएगी। इस नीति के क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जिससे शहरी योजनाओं के विकास में आने वाली समस्याओं का त्वरित निदान हो सकेगा।उन्होंने बताया कि इस नीति में सभी क्षेत्रफल की आवासीय योजनाओं में एकरूपता के दृष्टिगत 7 प्रतिशत पार्क व खेल मैदान एवं 8 प्रतिशत सुविधा क्षेत्र का प्रावधान किया गया है। योजना के पूर्णता प्रमाण–पत्र जारी होने के पश्चात विकास कार्यों का रख रखाव 5 वर्ष की अवधि अथवा योजना के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को हस्तान्तरण किया जाने तक योजना के 2.5 प्रतिशत भूखण्ड रहन रखे जाने का प्रावधान किया गया है। मिश्रित भू–उपयोग, ग्रुप हाउसिंग, फ्लैट आवास, एकीकृत योजना, वाणिज्यिक भू–उपयोग की योजना हेतु इस नीति में नवीन प्रावधान रखे गये हैं।

उन्होंने बताया कि औद्योगिक योजनाओं में श्रमिकों के निवास हेतु न्यूनतम 5 प्रतिशत क्षेत्रफल के भूखण्ड का प्रावधान किया गया है। सभी योजनाओं में आर्थिक रूप से कमजोर एवं अल्प आय वर्ग हेतु आरक्षित भूखण्डों का आवंटन स्थानीय निकाय के माध्यम से किये जाने का प्रावधान रखा गया है। राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों में सेक्टर सडकों के निर्माण एवं उनके सहारे व्यावसायिक पट्टी के विकास हेतु जेडीए की सेक्टर कॉमर्शियल पॉलिसी की तर्ज पर आपसी सहमति से भूमि अवाप्ति कर कार्यवाही किये जाने के प्रावधान किये गये हैं। साथ ही, सभी योजनाओं में वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण के प्रावधान सम्मिलित किये गये हैं।

गोदारा ने बताया कि गैस आधारित अर्थव्यवस्था को बढावा देने के लिए राजस्थान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति, 2025 का अनुमोदन भी आज मंत्रिमंडल द्वारा किया गया। इससे राज्य में कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद मिलेगी और स्वच्छ, सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक गैस की पहुंच आमजन तक सुलभ हो सकेगी। इस नीति से सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) के इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही इससे पीएनजी एवं सीएनजी नेटवर्क का छोटे शहरों व नगरों में तेजी से विस्तार हो सकेगा।

इस नीति में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के लिए अनुमति, भूमि आवंटन एवं अनुमोदन की प्रक्रिया को समयबद्ध एवं सरल बनाया गया है।इसके लिए सीजीडी पोर्टल भी विकसित किया जाएगा। यह नीति 31 मार्च 2029 तक अथवा अन्य नीति लागू होने तक प्रभावी रहेगी।पटेल ने बताया कि 8 अगस्त 2024 और 29 सितम्बर 2024 को राज्य सरकार और 3 केन्द्रीय पीएसयू के बीच हुए एमओयू की अनुपालना में तीन ज्वाइंट वेंचर कंपनियों के गठन के प्रस्तावों को भी आज मंजूरी दी गई।

अलवर में करोड़ों के ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

अलवर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गिरोह का पर्दाफाश किया है जो एक वेबसाइट के माध्यम से करोड़ों रुपये का ऑनलाइन सट्टा खिला रहा था। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 3,58,800 नकद, दो एटीएम कार्ड और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह गिरोह ऑनलाइन वेबसाइट पर सट्टे की खाईवाली के लिए प्रतिदिन लाखों का लेनदेन करता था।

जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन ने बताया कि जिले में ऑनलाइन ठगी, सेक्सटॉर्शन और ओएलएक्स धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. प्रियंका, वृत्ताधिकारी रामगढ़ सुनील प्रसाद शर्मा और पुलिस उपाधीक्षक साइबर थाना शालिनी बजाज के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने साइबर फ्रॉड से प्रभावित गांवों में दबिश देकर इन आरोपियों को पकड़ा।

नौगावां थाना क्षेत्र में थानाधिकारी भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी साधनों का उपयोग करते हुए रसवाड़ा अमर सिंह की ढाणी में छापा मारा। जांच में पता चला कि आरोपी लोगों को ऑनलाइन कमाई का झांसा देकर फेयर प्ले वेबसाइट पर क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाते थे। वे पीड़ितों से ऑनलाइन पैसे डलवाते थे और फिर ठगी से प्राप्त राशि को अलग–अलग बैंक खातों से जुड़े यूप–ीआई आईडी में ट्रांसफर कर लेते थे।

पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों सुखविन्दर पुत्र प्रीतम सिंह (22), बलविन्दर उर्फ बब्बू पुत्र जीत सिंह (32) निवासी रसवाड़ा थाना नौगावां एव संदीप पुत्र सुरेन्द्र सिंह (20) निवासी टोडियार थाना विजय मंदिर जिला को गिरफ्तार कर 05 एंड्रॉइड मोबाइल सिम कार्ड सहित, 02 एटीएम कार्ड और 3,58,800 नकद बरामद किए है।

एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले नरेश मीणा जेल से रिहा

टोंक, 14 जुलाई (एजेंसियां)। एसडीएम को थप्पड़ मारने के मामले में जेल में बंद नरेश मीणा सोमवार को रिहा हो गए। वे पिछले 8 महीने से टोंक जेल में थे। 11 जुलाई को राजस्थान हाईकोर्ट ने समरावता हिंसा केस में उन्हें जमानत दी थी। थप्पड़कांड में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी थी। 13 नवंबर 2024 को टोंक के समरावता गांव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया था। इसके बाद समरावता सहित कई इलाकों में आगजनी और तोड़फोड़ हुई थी। इस मामले में नरेश मीणा की दो जमानत याचिकाएं पहले हाईकोर्ट से खारिज हो चुकी थीं।

जेल से रिहा होने के बाद नरेश मीणा ने कहा कि समरावता में उनका पुनर्जन्म हुआ है। अब वे बेटे बनकर गांव की सेवा करेंगे।

निलिया महादेव झरने में बहने से तीन नर्सिंग छात्रों की मौत

चित्तौड़गढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में स्थित निलिया महादेव झरने में रविवार को पिकनिक मनाने गए तीन नर्सिंग छात्रों की पानी में बह जाने से मौत हो गई। ये तीनों छात्र मारवाड़ क्षेत्र के निवासी थे और चित्तौड़गढ़ में नर्सिंग की ट्रेनिंग ले रहे थे। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में अच्छी बारिश के कारण प्राकृतिक जलस्रोत पूरे वेग के साथ बह रहे थे। रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में लोग बस्सी थाना क्षेत्र स्थित निलिया महादेव झरने पर पिकनिक मनाने और उसका आनंद लेने पहुंचे थे। चंदेरिया में नर्सिंग ट्रेनिंग ले रहे तीन दोस्त–नरेंद्र पुत्र सीताराम जाट (निवासी सतलावास, थाना मेड़ता, जिला नागौर), नरेंद्र पुत्र बाबूराम जाट (निवासी थाना गोटन, जिला नागौर), और प्रदीप पुत्र श्रवणराम बिश्नोई (निवासी बालाजी नगर, जोधपुर)–भी रविवार को निलिया महादेव झरने पर पहुंचे थे।

रविवार दोपहर करीब 3 बजे, जब तीनों झरने में नहा रहे थे, तभी ऊपरी क्षेत्र में हुई तेज बारिश के कारण पानी का बहाव अचानक बढ़ गया और तीनों उसमें बह गए।

सूचना मिलते ही बस्सी थानाधिकारी मनीष वैष्णव अपनी टीम और गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचे और तलाश अभियान शुरू किया। नरेंद्र पुत्र बाबूराम जाट का शव रविवार शाम को ही गोताखोरों ने ढूंढ निकाला था। हालांकि, अन्य दो शव संभवतः चट्टानों में फंस जाने के कारण रविवार को नहीं मिल पाए।

पेपर कॉपी, पेपर लीक व सवालों की गड़बड़ की जांच से क्यों भाग रही भाजपा सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन की असिस्टेंट प्रोफेसर वाली भर्तियों के अभ्यर्थियों से लगातार उन्हें शिकायतें मिल रही हैं। उदाहरण के तौर पर 4 मई को हुए जूलॉजी के स्क्रीनिंग टेस्ट एक नहीं कई–कई गड़बड़ियां पाई गईं है। फाइनल आंसर की जारी होने के बाद स्पष्ट हो गया है कि सरकार अपनी गलती सुधारने को तैयार नहीं है। क्योंकि ये गलती नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया घोटाला है।

जूलॉजी के अभ्यार्थियों ने बताया है कि फाइनल आंसर की में भी कम से कम 15 सवालों में गड़बड़ियाँ हैं। कहीं सवालों के गलत उत्तर दिए गए हैं। कहीं एक से अधिक उत्तरों को सही बताया गया तो कहीं सवाल ही स्पष्ट नहीं हैं। अभ्यार्थियों द्वारा अनगिनत ऑब्जेक्शन भेजे जाने के बावजूद आयोग ने सिर्फ एक ही प्रश्न का उत्तर सही किया। बाकी सभी के या तो गड़बड़ियों को ज्यों का त्यों बनाए रखा गया या फिर बिना कारण बताए सवाल को ही डिलीट कर दिया गया।

हुड्डा ने कहा कि अभ्यार्थी स्पष्ट तौर पर आयोग से विवादित सवालों की वैज्ञानिक प्रमाणों व तर्कों के आधार पर दोबारा जांच की मांग कर रहे हैं। इसके लिए जूलॉजी व अन्य तमाम विषयों के विशेषज्ञों की एक–एक स्वतंत्र कमेटी बनाई जाए, जो विवादित सवालों की समीक्षा करे। साथ ही पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से मैरिट के आधार पर अमल में लाया जाए।

सरकार की लापरवाही ने घग्गर नदी को मौत का दरिया बना दिया : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमाारी सैलजा ने कहा है कि सरकार की लापरवाही के चलते घग्घर नदी मौत का दरिया बनती जा रही है, इसके किनारे बसे गांवों में पानी प्रदूषित हो रहा है, 13 गांवों में तो पानी पीने योग्य ही नहीं रहा। इस नदी में 46 कारखानों का वेस्टेज डाला जा रहा है फिर भी सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। मजबूरी में किसान खेतों में जहर सींचने को मजबूर हैं, बच्चे बीमार हो रहे हैं। कैंसर रोग तेजी से पैर पसार रहा है जबकि इस क्षेत्र में कैंसर की जांच और उपचार की कोई व्यवस्था तक नहीं है, रोगियों को दूसरे जिले या दूसरे राज्यों की ओर रूख करना पड़ता है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि घग्घर नदी के बढ़ते प्रदूषण के कारण हरियाणा का दक्षिण–पश्चिमी हिस्सा आज कैंसर बेल्ट के नाम से बदनाम हो चुका है। यह केवल एक पर्यावरणीय आपदा नहीं, बल्कि एक मानवीय त्रासदी है और इसके लिए जिम्मेदार है हरियाणा की लापरवाह भाजपा सरकार। सांसद ने कहा कि सिरमौर हिमाचल प्रदेश की शिवालिक पहाडियों से निकलने वाली यह घग्घर नदी पंजाब से होती हुई हरियाणा में प्रवेश करती है जो राजस्थान होती हुई पाकिस्तान में जाकर समाप्त हो जाती है, इस नदी की कुल लंबाई 320 किमी है।

प्रिंसिपल की हत्या के विरोध में कल हरियाणा में निजी स्कूल बंद

चंडीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले के बास बादशाहपुर गांव में करतार मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल जगबीर सिंह पन्नू की हत्या किए जाने के विरोध में प्राइवेट स्कूल संघ ने ऐलान किया है कि 16 जुलाई को पूरे हरियाणा में निजी स्कूल बंद रहेंगे और सभी जिलों में डीसी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। हिसार में विभिन्न शिक्षक संगठनों के सदस्य एकत्र हुए और प्राइवेट स्कूल संघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, गुरु–शिष्य का रिश्ता पवित्र होता है। प्रिंसिपल का कर्तव्य है कि वह बच्चों को अनुशासन सिखाए। जगबीर सिंह ने छात्रों को बाल छोटे करने और अनुशासन का पालन करने की सलाह दी थी, लेकिन इसके लिए उनकी हत्या कर दी गई। यह अत्यंत निंदनीय है। कुंडू ने बताया कि वायरल वीडियो में छात्र हत्या के बाद गालियां और धमकी देते दिखे, जिससे शिक्षकों में भय व्याप्त है। कुंडू ने सरकार से शिक्षकों की सुरक्षा के लिए 'सेफ्टी एक्ट' लागू करने, स्कूलों में पुलिस गश्त बढ़ाने और दोषी छात्रों को कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने मृतक प्रिंसिपल को शहीद का दर्जा देने और उनके परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की भी मांग की। उन्होंने माता–पिता से अपील की कि वे बच्चों को समय दें और अच्छे संस्कार सिखाएं, ताकि ऐसी घटनाएं न हों।

समाज और देश की प्रगति के लिए प्रत्येक व्यक्ति निरंतर सेवा भाव से करे कार्य : नायब सिंह

चंडीगढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) में स्थित शुकदेव आश्रम में स्वामी कल्याणदेव महाराज जी की 21वीं पुण्यतिथि पर उनकी समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने स्वामी कल्याण देव जी महाराज की प्रतिमा का भी अनावरण किया।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हम माँ गंगा के पावन तट पर स्थित महान महर्षि शुकदेव की धरती पर एकत्रित हुए हैं। भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम विशेष स्थान है। यह आश्रम न केवल एक आध्यात्मिक केंद्र है, बल्कि शिक्षा, सेवा और संस्कृति का भी प्रतीक है। स्वामी जी की प्रतिमा नई पीढ़ियों को स्वामी जी के कार्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की हमेशा याद दिलाती रहेगी।

उन्होंने कहा कि स्वामी ओमानन्द जी महाराज इस आश्रम की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं और शुकदेव जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा के कार्यों को सेवा भाव से कर रहे हैं। स्वामी जी के मार्गदर्शन में इस आश्रम का शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि इस धरती पर हजारों साल पहले महर्षि शुकदेव जी महाराज ने परीक्षित को भागवत कथा सुनाकर मोक्ष का मार्ग दिखाया था। इस महान तीर्थ के उद्धार में संत कल्याणदेव महाराज ने अपना पूरा जीवन लगाया था श्र स्वामी कल्याणदेव जी महाराज का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था, लेकिन उनके विचार और कार्य असाधारण थे। उन्होंने कम उम्र में ही सांसारिक मोह माया का त्याग कर आध्यात्मिक पथ अपनाया। यह पावन भूमि इसी महान संत, शिक्षाविद और समाज सुधारक की तपोभूमि है। वे केवल एक संत नहीं थे, वे अपने आप में एक संस्था थे, जहां से मानवता और समाज सेवा की धारा निरंतर बहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी कल्याण देव जी ने अपने 129 सालों के लम्बे जीवनकाल में ज्ञान, शिक्षा और समाज सेवा को अपना धर्म बनाया। इस महान संत ने वर्ष 2004 में अपने नश्वर शरीर का त्याग किया श्र उन्होंने अनेक स्कूल, कॉलेज और गुरुकुलों की स्थापना की। उन्होंने शिक्षा के साथ–साथ, छुआछूत, जातिगत भेदभाव और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई, भाईचारे और प्रेम का संदेश भी दिया। समाज की अतुलनीय एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए भारत सरकार द्वारा स्वामी कल्याणदेव जी महाराज को वर्ष 1982 में पद्मश्री से तथा वर्ष 2000 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आश्रम में स्वामी कल्याण देव सेवा ट्रस्ट की स्थापना की गई है। यह ट्रस्ट विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों, बीमारों और जरूरतमंदों की सहायता करता है। यह शिक्षा, चिकित्सा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी स्वामी जी के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लें।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्रावणी मेले में जंजीरों में जकड़ 'कैदी बम' बनकर पहुंचा श्रद्धालु

भोलेनाथ ने ऐसा करने को कहा

बांका (एजेंसियां)। श्रावणी मेले की पवित्र कांवड़ यात्रा हमेशा से ही भक्ति, आस्था और संकल्प का प्रतीक रही है। लेकिन इस बार सुल्तानगंज से देवघर के पवित्र कांवड़िया पथ पर जो दृश्य सामने आया, उसने श्रद्धा की परिभाषा को एक नया आयाम दे दिया। भक्तों के विशाल जत्थे के बीच एक ऐसा कांवड़िया दिखा, जिसकी कांवड़ यात्रा न केवल अनोखी थी, बल्कि आत्मशुद्धि और प्रायश्चित का अद्वितीय उदाहरण भी बन गई।

भीड़ के बीच चलते उस कांवड़िये को देखकर हर कोई ठिठक गया। उसका सिर झुका था, शरीर पर भगवा कपड़ों के साथ लोहे की मोटी जंजीरें जकड़ी थीं- दोनों हाथों में, पैरों में, कमर और गर्दन तक में। देखने में वह किसी अपराधी की तरह लग रहा था। लेकिन आंखों में गहरी भक्ति और चेहरे पर शांत आस्था की चमक बता रही थी कि वह कोई आम यात्री नहीं, बाबा भोलेनाथ का विशेष भक्त है।

इस भक्त का नाम है शंभू कुमार, जो बिहार के जहानाबाद जिले के निवासी हैं। वे पिछले दो दशकों से सावन में सुल्तानगंज से देवघर तक कांवड़ यात्रा कर रहे हैं, लेकिन इस बार की यात्रा उनके लिए कुछ खास है। शंभू बताते हैं कि इस बार बाबा भोलेनाथ मेरे सपने में आए और बोले कि तुमसे एक गुनाह हुआ है, और तुम्हें उसका प्रायश्चित करना होगा। इस बार मेरे दरबार में कैदी बनकर आओ।'

शंभू ने बाबा के आदेश को आज्ञा समझकर स्वीकार किया और खुद को जंजीरों में जकड़ लिया। लेकिन यह कैद केवल उनके शरीर के लिए थी, आत्मा तो पूर्णतः मुक्त हो चुकी थी। शंभू ने बताया कि मैंने जो भी गलती की हो, उसका पश्चाताप करना मेरा कर्तव्य है। यह कांवड़ यात्रा सिर्फ एक परंपरा नहीं, मेरे लिए आत्मशुद्धि का मार्ग है। मैं खुद को दोषी मानता हूं और इस रूप में बाबा के दरबार जा रहा हूं।

उनकी यह बात सुनकर आसपास खड़े श्रद्धालु भावविभोर हो उठते हैं। कुछ की आंखें नम हो जाती हैं तो कुछ हाथ जोड़कर उनका अभिवादन करते हैं। कांवड़िया पथ पर जैसे ही शंभू गुजरते हैं, हर हर महादेव और बोल बम के नारों से वातावरण गूंज उठता है।

सावन के इस पवित्र महीने में सुल्तानगंज से देवघर तक करीब 100 किलोमीटर लंबा कांवड़िया पथ शिवभक्तों से पटा रहता है। कोई सिर पर कांवड़ लेकर नंगे पांव चलता है, कोई डीजे कांवड़ के साथ भक्तिरस में डूबा होता है, तो कोई तिरंगे के साथ देश की सलामती के लिए दुआ मांगते हुए आगे बढ़ता है। लेकिन शंभू जैसे कैदी बम बाबा के उन भक्तों में शामिल हैं, जो भक्ति को आत्मशुद्धि और प्रायश्चित का माध्यम मानते हैं।

शंभू कुमार की जंजीरों में जकड़ी कांवड़ यात्रा को देखते हुए बांका जिले के प्रशासन ने भी तत्परता दिखाई है। उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई है ताकि रास्ते में किसी प्रकार की असुविधा न हो। कांवड़िया पथ पर मौजूद अधिकारियों ने कहा कि ऐसी आस्था विरले ही देखने को मिलती है। यह सिर्फ कांवड़ यात्रा नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा है।

सावन के पहले सोमवार को जलाभिषेक करने जा रहे युवक को ट्रक ने कुचला

शिवहर/एजेंसियां। सावन का पहला सोमवार, वह दिन जब श्रद्धा अपने चरम पर होती है और हजारों की संख्या में शिवभक्त बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए मंदिरों की ओर कूच करते हैं। लेकिन शिवहर जिले में इस भक्ति के मार्ग पर एक ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने एक पूरे परिवार की खुशियों को छीन लिया और श्रद्धा की राह को शोक में बदल दिया। घटना सोमवार सुबह की है। दरअसल, शिवहर-मधुबन राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 227 पर स्थित पहाड़पुर पुल के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक पर बैठे एक युवक को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के नयागांव लक्षुटोला निवासी 21 वर्षीय जयप्रकाश कुमार के रूप में की गई है। जयप्रकाश अपने बुजुर्ग पिता धर्मदेव राय के साथ बाबा भुवनेश्वर नाथ मंदिर, देकुली धाम जलाभिषेक करने जा रहे थे। जयप्रकाश अपने पिता के साथ बाइक से सुबह-सुबह देकुली धाम के लिए निकला था। जैसे ही दोनों पहाड़पुर पुल के पूरब मोड़ के पास पहुंचे, जयप्रकाश बाइक पर ही बैठा रहा और उसके पिता थोड़ी देर के लिए सड़क किनारे पेशाब करने उतरे। तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहा एक अज्ञात ट्रक आया और बाइक पर बैठे जयप्रकाश को कुचलते हुए फरार हो गया। पिता जब लौटे तो सामने बेटे की लाश देखकर वे हतप्रभ रह गए। कुछ पल के लिए तो जैसे उनकी सांसें थम गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 को दी, जिसके बाद पुलिस पहुंची। फिर युवक को स्थानीय पीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जयप्रकाश कुमार अपने परिवार का छोटा बेटा था और अविवाहित था। उसके असामयिक निधन से पूरा परिवार शोक में डूब गया है। वृद्ध पिता धर्मदेव राय बेटे की लाश के पास बैठ कर लगातार फूट-फूट कर रो रहे थे। उनकी आंखों से बहते आंसू और कांपती आवाज बता रही थी कि यह केवल एक बेटे की मौत नहीं थी, बल्कि एक पूरे परिवार की उम्मीदों का अंत था। भीगे गले से वह बार-बार यही कह रहे थे कि हे भगवान! हमने तेरा क्या बिगाड़ा था? पूजा करने जा रहे थे, तूने बेटा ही छीन लिया?

किशोर का फंदे से लटका मिला शव

रोहतास (एजेंसियां)। रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत किरहीं गांव में रविवार देर शाम उस समय सनसनी फैल गई जब एक 14 वर्षीय किशोर का शव उसके पुराने घर में फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान अरुण यादव के पुत्र हिमांशु कुमार के रूप में की गई है। प्रारंभिक रूप से मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन परिजनों ने इसे सुनियोजित हत्या बताते हुए पड़ोसियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

परिवार के सदस्यों का कहना है कि इस घटना के पीछे वर्षों पुराना जमीन विवाद जिम्मेदार है। मृतक के परिजन लोकनाथ सिंह ने बताया कि अरुण यादव और उनके पड़ोसी के बीच एक गली के रास्ते को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।

पारा मेडिकल के छात्र ने फंदे से लटक कर दी जान

सुपौल (एजेंसियां)। सुपौल में सोमवार को एक पारा मेडिकल के छात्रा ने फंदे से लटक कर जान दे दी। हालांकि अब तक आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। वही सूचना पर पहुंची सदर थाने की पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक की पहचान सुपौल नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 01 निवासी दिलीप कुमार सिंह का 21 वर्षीय पुत्र प्रीतम कुमार उर्फ किशन के रूप में हुई है। सोमवार की दोपहर प्रीतम का शव उसके कमरे से बरामद हुआ। परिजनों ने बताया कि वह पारा मेडिकल इंस्टीट्यूट का छात्र था। वह इस बार पारा मेडिकल के फाइनल इयर की परीक्षा देने वाला था। मृतक के चाचा ने बताया कि कल शाम मैं उसे फोन कर रहा था। लेकिनें उसका फोन लगातार बंद आ रहा था। जिसके बाद मैंने अपनी बहन को फोन किया। बहन ने जब जाकर देखा तो कमरा बंद था। इसके बाद उसने खिड़की से जाकर देखा तो प्रीतम पंखा से लटक रहा था। उसके बाद उसने हल्ला किया तो आस-पड़ोस के लोग दौड़े और घर का गेट तोड़ अंदर गए। हालांकि प्रीतम की मौत हो चुकी थी। लोगों ने देखा कि उसका शव पंखे से लटका हुआ है। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

लालू प्रसाद यादव को बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर बोलने का अधिकार नहीं: जीतन राम मांझी

पटना/एजेंसियां। बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर लालू-तेजस्वी द्वारा नीतीश सरकार पर हमले के बीच केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव को बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति अन्य राज्यों की तरह खराब नहीं है। बिहार में कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाती है।

ऐसा लगता है कि बिहार में इस समय हो रही घटनाएं राजनीतिक प्रेरित हैं। पहले ऐसी घटनाएं क्यों नहीं हुईं?। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में अच्छा काम हो रहा है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि कभी कभी विश्वसनीय लोग भी घटनाओं को ठीक से नहीं समझ पाते हैं तो अपनी बात कह देते हैं। चिराग पासवान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अच्छे नेता हैं लेकिन वह युवा हैं। युवा में कभी कभी पीछे की बातें को वह नहीं देख पाते हैं और नजरअंदाज कर देते हैं। इसलिए कुछ बातें बोल देते हैं। जैसे आज ही मैंने कहा कि हमारे गठबंधन में सभी लोग योद्धा हैं। जो चक्रव्यूह रचा गया, उसे वह तोड़ देंगे। ठीक है अपनी सारी शक्तियों के चलते वह आगे बढ़े। लेकिन, नतीजा क्या हुआ। उसकी प्रकार से जिस व्यक्ति का नाम (चिराग पासवान) आप ले रहे हैं, उसमें निश्चित रूप से कुछ कमियां हैं, और कोई भी बयान देने से पहले पूरे मामले को समझना आवश्यक है, जिसमें अतीत, वर्तमान और भविष्य को देखना शामिल है। उसकी निश्चित रूप से कुछ कमियां हैं, जिसके कारण एनडीए पर उंगली उठाई जा रही है। चिराग पासवान के 243 सीटों पर लड़ने के सवाल पर मांझी ने कहा कि इसमें मैं कुछ नहीं कहना चाहता हूं।

मैं बस इतना काम करना चाहता हूं कि कोई भी पार्टी बिहार में एक या दो सीटों पर काम नहीं करती है। वह समस्त सीटों पर काम करती है तो स्वभाविक है कि वह सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की बात करते हैं। इसलिए मैं इसे अन्यथा नहीं ले रहा हूं। बता दें कि चिराग पासवान ने जब बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर सवाल उठाया था तो जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अपराध करवाएं राजद वाले, तोहमत लगे सरकार पर, वाह रे गठबंधन धर्म। हमारे यहां एक कहावत है कि गुड़ खाते हैं, गुड अम्मे से परहेज। यह ठीक नहीं।

होटल संचालक हत्याकांड का मुख्य शूटर गिरफ्तार

पटना/एजेंसियां। मधेपुरा के भर्राही थाना क्षेत्र के चांदनी चौक पर 27 मई की रात हुई होटल संचालक की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य शूटर नीतीश कुमार को पुलिस ने हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक के पास से एक लोडेड देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, मोबाइल और घटना के समय पहना गया चप्पल बरामद किया गया है। वह घैलाढ़ थाना क्षेत्र के बाली गांव का निवासी है। इसकी जानकारी सोमवार को दोपहर डेढ़ बजे एएसपी प्रवेंद्र भारती ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी रविवार को उस वक्त हुई जब भर्राही थाना की पुलिस टीम मधुबन ओवरब्रिज के पास वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान सुखासन की ओर से आ रही एक बाइक को रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगा। भागते समय पीछे बैठा युवक गिर गया, जिसे टीम ने पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में नीतीश ने स्वीकार किया कि उसने 27 मई की रात अपने साथियों के साथ मिलकर होटल संचालक ज्योतिष रजक की गोली मारकर हत्या की थी। वारदात चांदनी चौक के पास एक चाय-नाश्ते की दुकान पर हुई थी। एएसपी ने बताया कि तुफानी यादव ने सुपारी देकर ज्योतिष रजक की हत्या करवाई थी। ज्योतिष रजक के होटल के बगल में तूफानी यादव का होटल था। एक साल पहले से दोनों के बीच विवाद हुआ था। इस मामले में ज्योतिष रजक की पत्नी ने तूफानी यादव पर एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया था। इधर, तूफानी यादव उस पर केस उठाने का दबाव बना रहा था। जब ज्योतिष रजक ने केस नहीं उठाया तो उन्होंने शूटर को पैसे देकर उसकी हत्या करवा दी। एएसपी ने बताया कि कांड के सफल उद्भेदन के लिए एसपी के निर्देश पर उनके नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी।

इसमें भर्राही और सदर थाना पुलिस के साथ तकनीकी शाखा के कर्मी भी शामिल थे। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, जिससे नीतीश की पहचान पक्की हुई। उसके पास से घटना के समय पहना गया चप्पल भी बरामद किया गया है। नीतीश पर पहले भी आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन धाराओं में मामला दर्ज है। फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, उसके अन्य फरार साथियों की तलाश में छापामारी की जा रही है। छापामारी टीम में थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, सदर थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान हैं।

तमिलनाडु में डीजल से लदी मालगाड़ी के 18 डिब्बों में आग लगी

चेन्नई 14 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण रेलवे के चेन्नई बीच-अरक्कोणम खंड पर तिरूवल्लुर स्टेशन के पास रविवार को डीजल से लदी मालगाड़ी के कम से कम 18 टैंकरों में आग लग गयी और कई टैंकर पटरी से उतर गए जिसके कारण कई एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करना पड़ा।

दक्षिण रेलवे के सूत्रों के मुताबिक आज सुबह लगभग 05:30 बजे चेन्नई हार्बर से वालाजाह रोड साइडिंग जा रही डीजल से लदी मालगाड़ी के बीच के टैंकर में आग लग गयी तथा कई अन्य टैंकर पटरी से उतर गए। आग से पूरे इलाके में काला धुआं भर गया और प्रशासन ने स्थानीय लोगों को वहां से सुरक्षित निकालने का प्रयास शुरू कर दिया।

इंजन के बाद तीसरे टैंकर में आग लग गयी जो 19वें टैंकर तक फैल गयी। लोको पायलट ने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाए और तिरुवल्लूर के स्टेशन मास्टर ने एहतियाती सुरक्षा उपाय के रूप में ओवरहेड बिजली आपूर्ति बंद कर दी। मौके पर पहुंचे अग्निशमन दलों ने करीब आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। राहत और बचाव कार्य तथा पटरियों की मरम्मत युद्धस्तर पर जारी है।

सूत्रों ने बताया कि दक्षिण रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधक, जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं के साथ निकट समन्वय में बचाव और बहाली कार्यों की निगरानी के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं। ऐहतियात के तौर पर आसपास के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चेन्नई जाने वाले आस-पास के स्टेशनों और रास्ते में रुकी ट्रेनों में फंसे यात्रियों को मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी) की बसों के माध्यम से वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था प्रदान की गयी।

घटना के बाद चेन्नई सेंट्रल से शुरू होने वाली या वहां समाप्त होने वाली कुल 12 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया और कई अन्य ट्रेनों का या तो मार्ग बदल दिया गया या उन्हें समय से पहले ही समाप्त कर दिया गया है।

मिजोरम के लोगों का भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ने का सपना पूरा

आईजोल, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर के मिजोरम राज्य में रेल संरचना का कार्य पूरा हो गया है और उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही इस खंड पर रेल को हरी झंडी दिखाकर आईजोल के नागरिकों का भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ने का सपना पूरा कर देंगे।

मिजोरम अब तक बैरवी तक भारतीय रेल से जुड़ा है लेकिन अब बैरवी से आईजोल तक रेल लाइन पर काम लगभग पूरा हो गया है और इसे हरी ठंडी दिखाने का इंतजार है। अधिकारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री ने ही इस लाइन का शिलान्यास किया था और अब उम्मीद है कि वही हरी झंडी दिखाकर इस मार्ग पर रेल संचालन की भी शुरुआत भी करेंगे।

परियोजना के मुख्य इंजीनियर विनोद कुमार का कहना है कि बैरवी-सारंगी रेल लाइन पर निर्माण का काम पूरा हो चुका है। रेलगाड़ी के संचालन के लिए यह खंड अब पूरी तरह से तैयार है। इस खंड के निर्माण पर करीब 11 साल का वक्त लगा है। बैरबी-साइरंग तक की परियोजना के निर्माण में चुनौतियां कई तरह की रहीं लेकिन परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने इन चुनौती की परवाह किये बिना इस काम को सफलतापूर्वके पूरा किया है।

उन्होंने बताया कि 51 किमी लंबे बैरबी-साइरंग खंड पर 153 पुल हैं जिनमें 55 बड़े पुल हैं, जिनमें 6 पुलों की ऊँचाई कुतुबमीनार से भी ज्यादा है। इस खंड पर 10 पुल सड़कों के ऊपर भी बने हैं। मार्ग पर कुल 48 सुरंगे बनाई गई है। उनका कहना था कि आईजोल तक रेल मार्ग बनने से बैरबी आईजोल के बीच की दूरी 8 से 10 घंटे के सड़क मार्ग की महज करीब 3 घंटे में पूरी की जा सकेगी।

श्री कुमार के अनुसार सैइरंग स्टेशन के पास बना पूंक़ 124 मीटर ऊंचा है। राष्ट्रीय राजमार्ग से इसकी खूसरती देखते ही बनती है। इसकी लम्बाई 378 मीटर है।

बैरबी साइरंग रेलमार्ग निर्माण की संस्तुति 2008-9 में मिली थी। बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मार्ग के निर्माण की आधारशिला रखी और कई चुनौतियों के बाद इस मार्ग पर अब काम पूरा हो चुका है। निर्माण कार्य से जुड़े इंजीनियरों का कहना है कि कि यहां निर्माण सामग्री के लिए पूरी तरह से बाहरी क्षेत्रों पर निर्भर रहना पड़ता है और गिट्टी कंक्रीट जैसी सामग्री झारखंड असम पश्चिम बंगाल आदि क्षेत्रों से मांगनी पड़ती है। उनका यह भी कहना था यहां पर कुशल और अकुशल दोनों तरह के श्रमिकों की कमी रही है और श्रमिकों की कमी के कारण काम को पूरा करना ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा है। बाहर के श्रमिक ज्यादा देर तक टिक नहीं पा रहे थे। इसकी वजह दुर्गम क्षेत्र था जहां मोबाइल नेटवर्क जैसी आवश्यक सुविधा भी उपलब्ध नहीं थी। रेल मार्ग कई क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्ग से 12 किलोमीटर से ज्यादा अंदर घने जंगलों से गुजर रहा है।

मानसून सत्र की रणनीति पर सोनिया ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति तय करने के लिए मंगलवार को बैठक बुलाई है।

पार्टी सुत्रों के अनुसार, श्रीमती गांधी के सरकारी आवास 10 जनपथ पर बुलायी गयी इस बैठक में संसदीय दल के रणनीति समूह के सदस्य भाग लेंगे।

बैठक में मानसून सत्र के दौरान पार्टी द्वारा अपनायी जानेवाली रणनीति और इसमें उठाए जाने वाले मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

कांग्रेस पिछले कुछ समय से पहलगाम में आतंकवादी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद इसकी जानकारी देने के लिए विभिन्न देशों में भेजे गए प्रतिनिधिमंडलों को लेकर सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करती रही है।

इसके अलावा, वह बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर भी सरकार को घेर रही है।

सुत्रों का कहना है कि इन सब मुद्दों को मानसून सत्र में जोर-शोर से उठाए जाने की उम्मीद है। इसके अलावा पार्टी मंहगाई, बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर भी सरकार को घेरेगी।संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा और 21 अगस्त तक चलेगा। सत्र के दौरान सरकार की ओर से कई अहम बिल पेश किए जाने की उम्मीद है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com